राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 हार्दिक ने नहीं किया बाहर, मजबूरी में इम्पैक्ट ह्श्वलेयर बने ...

अश्विन को डर, यह प्रवृत्ति खेल को एकतरफा ... 11

वर्ष : 11 | अंक : 350 | पटना, रविवार, 05 मई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

**मौसम**

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

| | |
|---|---|
| हां | 30% |
| नहीं | 50% |
| कह नहीं सकते | 10% |

**बाजार**

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

## संक्षिप्त खबरें

### मुर्मू हिमाचल के पांच दिवसीय दौरे पर शिमला पहुंची

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हिमाचल प्रदेश की अपनी पांच दिवसीय दौरे पर शनिवार को यहां पहुंचीं। मुर्मु वायुसेना के विशेष हेलीकॉप्टर से सुबह 10.35 बजे कल्याणी हेलीपैड पर उतरीं, जहां राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने उनका स्वागत किया। वह यहां मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास में ठहरेंगी। उनकी सुरक्षा के मद्देनजर शिमला से रिट्रीट तक के पूरे मार्ग को संवेदनशील घोषित किया गया है। राष्ट्रपति 06 मई को धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। इसके दूसरे दिन 07 मई को वह शिमला के गेयटी हेरिटेज सांस्कृतिक परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम में मौजूद रहेंगी।

### अनियंत्रित वाहन पलटने से पांच लोगों की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून में मसूरी मार्ग पर शनिवार सुबह एक अनियंत्रित वाहन के निचली सड़क पर गिर जाने से उसमें सवार चार युवकों और एक युवती की मौत हो गई जबकि एक युवती को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि मसूरी में झड़ीपानी रोड पर पानी वाले बैंड के पास एक वाहन ऊपर की सड़क से अनियंत्रित होकर नीचे की सड़क पर जा गिरा। वाहन में कुल छह युवक, युवती सवार थे। उन्होंने बताया कि तीन युवकों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। जबकि एक युवक, युवती ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एक अन्य युवती गंभीर अवस्था में उपचाराधीन है। ये सभी स्थानीय एक इंस्टिट्यूट के छात्र, छात्रा बताए गए हैं। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

### फिर आग की चपेट में पर्यटन नगरी, 16 घंटे तक धधकते रहे नैनीताल के जंगल

नैनीताल। नैनीताल जिले में वनाग्नि के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। धारी के मटियाल, पदमपुरी और नैनीताल के खुपार्ताल, देवीधुरा के जंगल में आग से वन संपदा को काफी नुकसान पहुंचा है। मटियाल के गोविंद गुणवंत ने बताया कि पदमपुरी में आग से बांज, चीड़, देवदार के पेड़ जल गए। मुक्तेश्वर, रामगढ़ और धानाचूली के जंगल में लगी आग को वन विभाग और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद बुझा लिया। वहीं बेतालघाट के कोसी रेंज के जंगल में लगी आग शुक्रवार दोपहर बाद बारगल के जंगल में फैल गई। जंगल में लगी आग देर शाम तक नहीं बुझ पाई थी। उधर, नैनीताल-कालाढूंगी मार्ग पर खुपार्ताल क्षेत्र के जंगल में बृहस्पतिवार रात आठ बजे अराजक तत्व ने आग लगा दी।

### ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है: भारत

नई दिल्ली। भारत ने अच्छे आतंकवाद और बुरे आतंकवाद के बीच कोई अंतर नहीं होने की बात को रेखांकित करते हुए कहा है कि ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। फ्रांस के ल्योन में नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के प्रमुखों के हाल ही में संपन्न 19वें इंटरपोल सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद ने संगठित अपराध, आतंकवाद और चरमपंथी विचारधाराओं के बीच साठगांठ से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। सूद ने कहा कि ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने स्पष्ट रूप से सभी प्रकार के आतंकवाद की निंदा की और कहा कि ह्यअच्छे आतंकवाद, बुरे आतंकवाद के बीच कोई अंतर नहीं किया जा सकता।

**प्रधानमंत्री ने दरभंगा में चुनावी सभा को किया संबोधित विपक्ष पर साधन निशाना**

# पीएम मोदी ने तेजस्वी व राहुल पर बोला हमला : एक ने देश तो दूसरे ने बिहार को अपनी जागीर बनाया

प्रातः किरण/ डॉ नवीन कुमार

दरभंगा। दरभंगा ऐतिहासिक राजमैदान मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजा जनक, सीता मईया,विद्यापति,कामेश्वर सिंह कों याद करते हुये मैथिली मैं भीड़ कों अभिनंदन करते हुये चुनावी जनसभा कों सम्बोधित करते कहा कि भारत अब एक हजार साल का भविष्य लिखेगा। आज से हजार साल पहले जब पश्चिम से भारत पर हमले शुरू हुए थे तब किसी ने नहीं सोचा था कि भारत गुलामी में घिर जाएगा। जो बिहार देश को दिशा दिखाता था वो ऐसे संकटों से घिरा कि सबकुछ तबाह हो गया लेकिन भारत के भाग्य ने एक फिर करवट ली है। 21 वीं सदी में ये कालखंड ऐसा आया है जब भारत फिर से अपनी सारी बेड़ियां तोड़कर उठ खड़ा हुआ है।

आज भारत की दुनिया में जो साख है वो नई ऊंचाई पर है. आज भारत चांद पर पहुंच गया है। जहां कोई नहीं पहुंचा वहां भारत पहुंच गया है। दस साल पहले हम दुनिया की 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे. सिर्फ दस साल में दुनिया की 5वें नंबर की अर्थ व्यवस्था बन चुके हैं. आपको कोरोना का समय याद होगा। सौ साल का इतना बड़ा संकट आया था. पूरी दुनिया सोचती थी कि भारत तो बर्बाद हो जाएगा. दुनिया भी बर्बाद करेगा. सब यही सोच रहे थे कि अब क्या होगा? लेकिन उस समय भारत ने दिखाया कि भारत का सार्थ्य क्या होता है।

भारत न सिर्फ उस संकट से निकला बल्कि दुनिया को भी राह दिखाई. इतने बड़े संकट में भी बिहार के लोगों के साथ इंडी गठबंधन की सरकारों ने जो कुछ किया उसे भुलाया नहीं जा सकता. इन लोगों ने बिहार के लोगों को उस संकट काल में वहां से साजिश करके भगा दिया. वापस भेज दिया था. मेरे बिहार के नौजवानों को, मेरी बिहार की बेटियों को दिल्ली से इंडी गठबंधन वालों ने भगाया था. मैं बिहार के नौजवानों से पूछना चाहता हूं कि जिन्होंने बिहार के साथ गठबंधन किया उन्हें आप माफ करेंगे क्या? बिहार के लोगों को बसों में बैठाया गया और बीच रास्ते में छोड़ दिया गया. आज वही लोग आपसे वोट मांगने आ रहे हैं. क्या आप इंडी गठबंधन का इतना बड़ा गुनाह माफ करेंगे क्या? मैने इस चुनाव में अगले 5 साल के लिए विकास का रोडमैप दिया है. मैने 25 साल का रोडमैप देश का रोड मैप रखा है। मगर हमने अतीत का भी ध्यान रखा है। जैसे एक शहजादे दिल्ली में हैं वैसे ही एक पटना में भी हैं। एक शहजादे ने देश को और दूसरे शहजादे ने बिहार को अपनी जागीर रखा है। याद कीजिए कैसे बिहार में अपहरण उद्योग चलता था. कैसे बड़े बड़े घोटाले से बिहार के खजाने को लूटा जाता था। कैसे शाम होते ही हमारी बहन बेटियां घर से निकलने में डरतीं थीं. कैसे नौकरी देने के पहले जमीन लिखवा ली जाती थी। आज नीतीश जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार के विकास में दिन रात काम कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने दरभंगा भाजपा प्रत्याशी गोपाल जी ठाकुर, मधुबनी भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार यादव, झंझारपुर जदयू प्रत्याशी रामप्रीत मंडल, लोजपा प्रत्याशी शाम्भवी कों विजयी बनाने का अपील किया।सभा कों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री मंगल पाण्डेय, सांसद अश्विनी चौबे, सांसद गोपाल जी ठाकुर, सांसद अशोक यादव, मंत्री मदन सहनी, कार्यक्रम प्रभारी राणा रणधीर सिंह, दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी, बेनीपुर विधायक विनय कुमार चौधरी, केवटी विधायक मुरारी मोहन झा, हायघाट विधायक रामचंद्र प्रसाद, अलीनगर विधयक मिश्रीलाल यादव व विधायक, विधानपार्षद सुनील कुमार चौधरी आदि ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राज्यसभा सदस्य धर्मशीला गुप्ता व धन्यवाद ज्ञापन बिहार सरकार के मंत्री हरि सहनी ने किया।

## भाजपा को मिलने वाले धन का कोई हिसाब-किताब नहीं : राहुल

प्रातः किरण

पुणे,एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार और आरक्षण जैसे प्रमुख मुद्दों पर कथित तौर पर लापरवाही बरतने और आम लोगों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर नहीं बोलने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। आज शाम यहां पुणे लोकसभा क्षेत्र के लिए कांग्रेस महा विकास अघाड़ी के उम्मीदवार रवींद्र धांगेकर के लिए आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी भ्रष्टाचार को साफ करने की बात करते हैं, लेकिन भाजपा को मिलने वाले धन का कोई हिसाब-किताब नहीं है।उन्होंने दावा किया, 'जिन लोगों पर मुकदमा चलाया गया, उन्होंने भाजपा को चुनावी बांड दिए। जिस कंपनी ने कोविड वैक्सीन का निर्माण किया, वह भाजपा को दान दे रही थी।' उन्होंने कहा, भले ही चुनावी बांड में भ्रष्टाचार हुआ हो, लेकिन मीडिया कुछ भी रिपोर्ट नहीं करता है।

## बिहार के पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने साधा एनडीए पर निशाना, 400 पार के दावे पर कसा तंज

मधेपुरा/एजेंसी। बिहार के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो चंद्रशेखर ने एनडीए पर निशाना साधा है। मधेपुरा में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि ये सरकार न तो नौकरी पर बोल रही है, न तो महंगाई पर और न ही सीमा-सरहद पर बोलने की जहमत उठा रही है। उन्होंने एनडीए के 400 पार के आंकड़े के दावे पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हे 200 सीट भी नहीं मिलने जा रही है और बात 400 की करते हैं।पूर्व सांसद पप्पू यादव द्वारा मधेपुरा में एनडीए प्रत्याशी दिनेश चंद्र यादव को समर्थन देने के सवाल पर उन्होंने कहा, "एनडीए से तो पप्पू यादव का पुराना रिश्ता है। पूर्णिया चुनाव में भी उन्होंने कहा था कि मुझे आरएसएस, बीजेपी सबका समर्थन प्राप्त है। लेकिन पप्पू यादव और उनके समर्थकों को यह बताना चाहता हूं कि जो स्वयं अपनी जमानत मधेपुरा में नहीं बचा सके, उनको कोसी की जनता खारिज कर देगी।"

## फसल बीमा का पैसा किसान के खाते में सीधे भेजेंगे : खडगे

प्रातः किरण

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने किसानों से कहा है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर किसान हित में जरूरी निर्णय लिए जाएंगे और फसल बीमा की राशि सीधे किसानों के खाते में भेजी जाएगी। खडगे ने कहा "किसानों के लिए बीमा भुगतान का सीधा ट्रांसफर होगा। कांग्रेस गारंटी देती है कि फसल बीमा को खेत और किसान के अनुरूप बनाया जाएगा।"किसान से बीमा राशि के अनुसार प्रीमियम लिया जाएगा और किसनों के सभी दावों का निपटान 30 दिनों के भीतर किया जाएगा।"

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने फसल बीमा योजना को प्राइवेट बीमा कंपनी मुनाफा योजना बना दिया और 2016 से अब तक 57,619.32 करोड़ रुपये का मुनाफा चंद मुट्ठीभर बीमा कंपनियों को कमवाया। किसानों के दावों का समय पर भुगतान नहीं करने की सरकार की आलोचना करते उन्होंने कहा "सरकारी आँकड़ों के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, रबी 2022-23 के दौरान करीब 6 करोड़ पंजीकृत किसानों में से केवल 7.8 लाख किसानों के दावों का भुगतान किया गया।

## मोदी सरकार ने झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार किया : जयराम रमेश

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि केंद्र पर झारखंड का कोयला रॉयल्टी और केंद्रीय योजना लाभ का लाखों करोड़ रुपये बकाया है तथा मोदी सरकार ने राज्य के साथ "सौतेला व्यवहार" किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने झारखंड के पलामू में प्रधानमंत्री की रैली से पहले उनसे सवाल पूछे। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ क्यों नहीं जारी कर रहे हैं? प्रधानमंत्री झारखंड के आठ लाख लोगों को घर देने के अपने वादे को पूरा क्यों नहीं कर रहे हैं? मंडल बांध का क्या हुआ? जयराम रमेश ने कहा कि झारखंड में, कोयला खदानें कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों द्वारा संचालित की जाती हैं जिन पर राज्य सरकार का भारी पैसा बकाया है। उन्होंने कहा, भूमि मुआवजे के 1,01,142 करोड़ रुपये, संयुक्त हित के तहत 32,000 करोड़ रुपये और धुले हुए कोयले की रॉयल्टी के 2,500 करोड़ रुपये का बकाया है।

## जिनको 15 साल मौका मिला वे परिवार को आगे बढ़ाने में ही लगे रहे : नीतीश कुमार

प्रातः किरण

पटना/मुंगेर,एजेंसी। बिहार में मुंगेर लोकसभा सीट से जदयू उम्मीदवार ललन सिंह के पक्ष में शनिवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जिनको 15 साल (लालू यादव) मौका मिला, उन्होंने कुछ काम नहीं किया और सिर्फ परिवार को ही आगे बढ़ाते रहे। मुंगेर लोकसभा सीट के राजग उम्मीदवार राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के समर्थन में वोट मांगने पहुंचे नीतीश ने हवेली खड़गपुर के खंड बिहारी में राजद सुप्रीमो लालू यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को 15 साल मौका मिला वह बिहार में क्या काम किए, सबको मालूम है। शाम होने के बाद लोग घर बाहर नहीं निकल पाते थे। इनके शासनकाल में लोग डरे रहते थे। वर्ष 2005 के पहले क्या हाल था। सिर्फ प्रचार करते रहते थे। हम ही बनवाए थे। गड़बड़ करने लगे तो हम ही छोड़ दिए। लालू ने पत्न ी को सीएम बनाया। बाल-बच्चा को बनाया, परिवारवाद को बढ़ावा दिया। कांग्रेस भी परिवारवाद पर चल रही है।

सीएम ने कहा कि पहले बिहार में सबसे ज्यादा हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव होता रहता था और हमें जब मौका मिला तो बिहार के हित में सिर्फ काम किया जो सबके सामने है। हमने 2005 में सबसे पहले कानून का राज्य कायम किया। सभी जगहों पर हिंदू-मुस्लिम मामले को समाप्त कर मुस्लिम समुदाय के लिए सभी जगहों पर कब्रिस्तान का घेराबंदी किया, मदरसे के लिए भी काम किया। उनके हित में कई काम किए लेकिन ये लोग तो सिर्फ नाम पर वोट का इस्तेमाल किया।

अशोक महतो की पत्नी को मुंगेर लोकसभा सीट से राजद उम्मीदवार बनाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के लिए कोई ब्याह कर लिया और कोई जेल में रहे। ये सब कोई चुनाव लड़ेगा, इसका कोई मतलब है। आज बिहार में चारों तरफ विकास की रोशनी जगमगा रही है। चाहे वह पुल-पुलिया और सड़क मार्ग का मामला हो। सभी जगहों पर लगातार कार्य चल रहा है।

## पीएम मोदी झूठ बोलने की फैक्ट्री, मैन्युफैक्चरर, होलसेलर और डिस्ट्रीब्यूटर भी हैं : तेजस्वी

प्रातः किरण

गोपालगंज। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला है। शनिवार को गोपालगंज लोकसभा क्षेत्र में महागठबंधन के वीआईपी प्रत्याशी प्रेमनाथ चंचल के नामांकन समारोह को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी ने भाइयों और बहनों के लिए कुछ नहीं किया'

राजद नेता ने कहा कि पीएम मोदी कहते हैं भाइयों और बहनों। उन्होंने न भाइयों के लिए कुछ किया और न बहनों के लिए। किसानों को 15 लाख देने को बोले, क्या मिला? मैंने 17 महीने में पांच लाख नौकरी दी। साढ़े चार लाख नियोजित शिक्षकों को सरकारी कर्मी का दर्जा दिया। दीदी की रसोई शुरू कराया। तेजस्वी ने कहा कि गोपालगंज के महागठबंधन का उम्मीदवार युवा है। वोट देकर इनको जिताइए की दिल्ली जाकर गोपालगंज का विकास करें। पीएम ने जिंदगी भर झूठ ही बोला। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल में इतना झूठ बोला है कि हम गिना नहीं सकते।

मोदी झूठ बोलने की फैक्ट्री हैं, मैन्युफैक्चरर हैं, होलसेलर हैं और डिस्ट्रीब्यूटर भी हैं। उन्होंने जिंदगी भर झूठ ही बोला है। अब सरकार बदलेगी, बिहार से ही परिवर्तन की लहर देश में चलेगी। उन्होंने सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा की ओर इशारा कर कहा कि भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री हैं, लेकिन किसी काम के नहीं हैं। सिर्फ पगड़ी बांधना और समाज में नफरत फैलाना है।

**मेरे विधायक तोड़कर मुझे कमजोर किया गया:** वहीं, वीआईपी संरक्षक मुकेश साहनी ने अपने संबोधन में कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में चार सीटें जीती थी, लेकिन बीजेपी वालों ने विधायक तोड़कर मुझे कमजोर कर दिया।

मैंने शुरू से ही बहुत संघर्ष किया है। मेरे पिताजी मछली मारते थे, अगर एक दिन भी वह मछली नहीं मारते तो मेरे घर चूल्हा नहीं जलता था। मैंने 18 वर्ष की उम्र से ही मुंबई में जाकर संघर्ष किया तो आज यहां आपके सामने खड़ा हूं। मैंने अपने समाज के लिए बहुत आवाज उठाई है। बहुत कुछ करने को ठाना है, लेकिन एनडीए के लोग मुझको कुछ करने नहीं दे रहे थे। अब वक्त आ गया है, अपनी ताकत को दिखा देना है। महागठबंधन की सरकार बनाकर दिल्ली में अपना झंडा बुलंद करना है।

## अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी है कांग्रेस पार्टी: कंगना रनौत

प्रातः किरण

सुंदरनगर,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी कंगना रनौत ने कांग्रेस पार्टी को अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी बताया है। कंगना रनौत ने शुक्रवार शाम को सुंदरनगर बाजार में रोड़ शो किया और अपने लिए वोट मांगने के साथ ही कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर तीखे जुबानी हमले बोले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी है और इससे हमारा देश कई दशकों तक ग्रसित रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जनादेश सरदार पटेल को मिला, लेकिन प्रधानामंत्री जवाहर लाल नेहरू को बना दिया गया।

उसके बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी और तानाशाही करके पूरे देश को कैद कर दिया। उसके बाद संजय गांधी ने लोगों की पकड़-पकड़ कर नसबंदी करवाई। फिर इटेलियन सोनिया गांधी इस देश पर अपना हाथ आजमाने आ गई। कांग्रेस पार्टी के इस परिवार वाद ने देश को दीमक की तरह खाया है। लेकिन 2014 में एक परिवर्तन हुआ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक नई दिशा दी।

कंगना ने राहुल गांधी, तेजस्वी सूर्या और अखिलेश यादव पर भी तीखे जुबानी हमले बोले। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का न कोई चरित्र है और न ही संस्कार। राहुल गांधी चांद पर आलू उगाने की बातें, तेजस्वी सूर्या गुंडागर्दी करके मछली को उछाल-उछाल कर खाते हैं और अखिलेश यादव उटपटांग बातें करते हैं। ये सभी बिगड़े शहजादे हैं। एक शहजादे हिमाचल में भी हैं जिन्हें देश में कोई जानता नहीं था, लेकिन मेरे खिलाफ अभद्र टिप्पणीयां करके आज उन्हें सुर्खियां मिल रही हैं। उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि मुझे पद्मश्री जैसा प्रतिष्ठित सम्मान मिला है। कंगना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महान चरित्र और विपक्षी दलों को कार्टून की संज्ञा भी दी।

**चुनाव** केन्द्रीय गृह मंत्री ने चुनावी सभा में आरक्षण और संविधान को लेकर कांग्रेस की ओर से किए जा रहे दावों को दिया झूठा करार

# कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोधी पार्टी : शाह

प्रातः किरण

छोटाउदेपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने शनिवार को छोटाउदेपुर जिले के बोडेली में आयोजित चुनावी सभा में आरक्षण और संविधान को लेकर कांग्रेस की ओर से किए जा रहे दावों को झूठा करार देते हुए कहा कि केन्द्र में जब तक भाजपा सरकार है, आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोधी पार्टी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने आदिवासी विकास के लिए केन्द्र सरकार की ओर से किए गए कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 10 वर्षों के अंदर करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में प्रकाश फैलाया है। बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान में लिखा था कि आदिवासियों की जितनी आबादी है, उन्हें बजट में उसी के अनुपात में हिस्सेदारी देना चाहिए। भारत का संविधान लागू होने के बाद सबसे पहले नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के बजट का 14 फीसदी आदिवासी जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक नंबर की आदिवासी विरोधी पार्टी है। इनके जमाने में आदिवासी मंत्रालय भी नहीं था। अटल बिहारी की सरकार ने पहली बार 1999 में अलग आदिवासी विभाग का मंत्रालय बनाया।

कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति पर प्रहार करते हुए अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी तो उन्होंने 5 फीसदी आरक्षण मुसलमानों को दे दिया। इसका अर्थ हुआ कि ओबीसी समाज का 5 फीसदी आरक्षण छीन लिया गया। उन्होंने कहा कि यह उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात है कि आरक्षण तो कांग्रेस छीन रही है और नाम भाजपा का दे रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की बात का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि वे कहते हैं कि गुजरात और राजस्थान की जनता को कश्मीर से क्या लेना-देना है। शाह ने कहा कि गुजरात का एक-एक व्यक्ति कश्मीर के लिए जान देने को तैयार है। शाह ने कहा कि राहुल गांधी संसद में अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध करते थे और कहते थे कि इसे हटाने पर देश में खून की नदिया बह जाएंगी। शाह ने कहा कि यह कानून हट भी गया, इसके बावजून खून की नदियों की बात तो दूर किसी ने एक पत्थर भी फेंकने की हिम्मत नहीं की, यह भाजपा की ताकत है।

शाह ने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है, अमेठी छोड़ कर वे रायबरेली गए हैं। दरअसल प्रॉब्लम सीट में नहीं है, बल्कि उनमें है। रायबरेली से राहुल प्रचंड बहुमत से हारेंगे, चाहे वे जहां भाग लें, जनता उन्हें खोज रही है। इससे पूर्व गृह मंत्री ने जयश्री राम के साथ सभा की शुरूआत की। भगवान स्वामीनारायण और हाफेश्वरबाबा को प्रणाम किया। उन्होंने छोटाउदेपुर से भाजपा उम्मीदवार जशुभाई राठवा को जिताने की अपील की।

## बंगाल राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने मामले को लेकर शुरू की जांच

प्रातः किरण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस के खिलाफ एक महिला ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। इसपर विवाद गहराता जा रहा है। मामले में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। इस बीच, पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

**जांच टीम का गठन:** कोलकाता पुलिस के सेंट्रल डिवीजन की डिप्टी कमिश्नर (डीसी) इंदिरा मुखर्जी ने कहा, 'राज्यपाल के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। इस मामले में एक जांच टीम का गठन किया गया है।

हम अगले कुछ दिनों में कुछ संभावित गवाहों से बात करेंगे। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के लिए अनुरोध किया गया है।'

**यह है मामला:** कोलकाता के राजभवन में एक संविदा कर्मचारी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उन्होंने गुरुवार की शाम कोलकाता के हरे स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उनका दावा है कि राज्यपाल ने उनके साथ दो बार छेड़खानी की। पहली बार 24 अप्रैल को फिर गुरुवार शाम को। महिला का आरोप है कि राज्यपाल ने उन्हें बायोडाटा के साथ राजभवन स्थित अपने चेंबर में आने को कहा था, जहां उनके साथ छेड़खानी की गई। उन्होंने पहले राजभवन में स्थित आउटपोस्ट में तैनात पुलिसकर्मियों से इसकी शिकायत की।

## संक्षिप्त खबरें

### फल सब्जी दिवस पर वेश धारण कर दिया संदेश



पटना सिटी (प्राकि)। छात्र-छात्राओं ने फल सब्जी दिवस के तहत फैंसी रूप का वेश धारण किया और प्रतियोगिता में भाग लिया। शनिवार को गुजरी बाजार स्थित सुदर्शन सेंट्रल स्कूल और सुदर्शन किड्स स्कूल में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कुमार फातिमा, दिव्यांशु, सृष्टि, अदिति, श्रेष्ठ पटवा, श्रेष्ठ, वृद्धि, मेघा, अभिनव, तेजस्वी, अश्विनी, रुद्र, शिवा, श्रीजा, आद्या अर्थव, निश्चय, शिवम, हर्षित आदि छात्रों ने फल और सब्जी का वेश धारण किया। इसका उद्देश्य यह था कि आम लोग भी फल और सब्जी का सेवन करें और निरोगी काया को पाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य गौतम कुमार ने करते हुए फास्ट फूड से बच्चों को दूर रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में शुक्ला आयकत, शाहिना, पूनम, सोनी, साधना, वंदना, रश्मि, श्वेता, मीना, नादिरा आदि सक्रिय रहीं।

### जांच घर व डेंटल क्लिनिक के विरूद्ध प्रशासन ने की कार्रवाई

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत विभाग द्वारा कार्रवाई के निर्देश के बाद खगौल स्थित जांच घर एवं दानापुर के डेंटल क्लिनिक के विरुद्ध प्रशासन ने की कार्रवाई। शनिवार को अनुमंडलाधिकारी प्रदीप कुमार के आदेश के आलोक में दंडाधिकारी चंद्रमा राम ने खगौल के थाना निकट एक जांच केन्द्र को सील कर दिया। वही दानापुर के आनंद बाजार स्थित एक डेंटल क्लिनिक को इस संबंध में एक दिन का मौका रिपोर्ट प्रस्तुत करने को लेकर दिया गया। शनिवार को दंडाधिकारी पुलिस बल के साथ सबसे पहले आनंदबाजार स्थित डेंटल क्लिनिक पहुंचे। बताया जाता है सील करने के कार्रवाई के निर्देश के बारे में बताने पर रिपोर्ट के लिए एक दिन का समय मांगा गया। जिसके बाद टीम खगौल पहुंची। दंडाधिकारी चंद्रमा राम ने बताया कि अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर विभागीय के आदेश पर अनुमंडलाधिकारी के निर्देशानुसार कार्रवाई करते हुए खगौल स्थित मगध जांच घर को सील किया गया है। दानापुर के डेंटल क्लिनिक के बारे में रिपोर्ट के लिए एक दिन का समय दिया गया है।

### दानापुर विधान सभा के मतदाताओं के बीच गुरूवार से मतदाता पर्ची होगा वितरण

दानापुर विधान सभा के मतदाताओ के बीच गुरुवार से मतदाता पर्ची वितरण होगा। इसको लेकर अनुमंडलाधिकारी प्रदीप सिंह ने आदेश जारी किया है। लोकसभा चुनाव में सभी मतदाता अपना मताधिकार का प्रयोग करे। उन्हे पहचान पत्र को लेकर कोई परेशानी नही हो इसको देखते हुए समय से पूर्व सभी मतदाताओ तक मतदाता पर्ची पहुंचाने को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। बताया जाता है कि इसको लेकर बीएलओ को सोमवार से लेकर बुधवार तक मतदाता पर्ची प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है। गुरूवार से बीएलओ मतदाताओ के घर जाकर मतदाता पर्ची वितरण करना सुनिश्चित करेगे। इसके साथ ही प्रति दिन मतदाता पर्ची वितरण रिपोर्ट देगे। इसको लेकर प्रखंड कार्यालय में तैयारी की गयी है। वही बीएलओ को भी निर्देश जारी कर दिया गया है। ताकि समय रहते सभी मतदाताओ को मतदाता पर्ची उपलब्ध हो जाये।

### रेल टिकट के साथ डीजिटल स्टुडियो संचालक हुआ गिरफ्तार

फतुहा। बीते शुक्रवार को अवैध तरीके से टिकट की बिक्री करते हुए आरपीएफ फतुहा के अधिकारी एवं स्टाफ के द्वारा स्थानीय पुलिस थाना थरथरी के सहयोग से अनाधिकृत रूप से रेल के टिकट का अवैध व्यापार में लिप्त थरथरी निवासी रवि प्रभात को गिरफ्तार किया है। सक्सेस डीजिटल स्टुडियो से अवैध कारोबार में उपयोग किए जाने वाले कंप्यूटर, प्रिंटर, मोबाइल के साथ तैयार किए गए 20,000 रुपए मूल्य के 15 ई टिकट जब्त किया गया। निरीक्षक प्रभारी के निर्देशन में तैयार टीम में उप निरीक्षक रवि रंजन कुमार, सहायक उप निरीक्षक आरपी मीणा, प्रधान आरक्षी राकेश कुमार पासवान, प्रधान आरक्षी नौलेश कुमार एवं आरक्षी बबलू कुमार शामिल थे।

# गर्मी, लू के कारण होने वाले मुख्य रोग या उसके लक्षण एवं कैसे करे उसका उपचार : वैद्य (प्रो॰) दिनेश्वर प्रसाद



प्रात :किरण संवाददाता

पटना। इसके पुर्व गर्मी, धूप एवं लू के समान्य लक्षणों एवं बचाव के लिए मेरे तरफ से कुछ परामर्श दिए गए थे,जिस पर बहुत लोगों ने फेसबुक,इस्टा ग्राम युटयुब एवं फोन पर हिटवेभ से होने वाले अलग अलग प्रकार के लक्षणों को ध्यान में रखते हुए उस सब का उपचार बताने का आग्रह किया है जिसको ध्यान में रखते हुए सर्वप्रथम आंव जिसे आम भाषा में पेचीस या अंग्रेजी में डिसेन्टरी कहा जाता है यह मुख्य रूप से अनपच या भोजन से प्राप्त संक्रमण के कारण होता है, इसमें बेल,इस्फगोल, केला, भुंजा जीरा एवं नमक डाल कर दही, कुटज का मिश्रण, हिंग का मिश्रण या हिंगवाष्टक चुर्ण, अजवायन,कर्पूर,एवं पुदीना का सत्व या अर्क, थोडे-थोडे अन्तराल पर देना चाहिए।भोजन में दही भात, या जौ का दलीया,देना विशेष लाभकारी होता है दस्त यानि अतिसार जिसे अंग्रेजी भाषा में डायरिया कहा जाता है, उसमें भी समान्यतः इसी प्रकार का इलाज दिया जाता है, परन्तु इसमें शरीर में पानी की कमी होने की सम्भावना रहती है, इसलिए इसमें इन सब के साथ साथ नमक, चिन्नी एवं पानी का घोल, ग्लुकोज, ओ० आर० एस० का घोल, भिन्न भिन्न प्रकार का शर्बत सुगर के रोगियों को मिठा के जगह जलजीरा, छाछ, चावल का माड़, नारीयल का पानी इत्यादि देना चाहिए। पानी खुब यानि थोड़े थोडे अन्तराल पर पिलाते रहना चाहिए। सौंफ, गुलाब का शर्बत या पानी, बच्चों को जायफल या बेल गिरी को समय समय पर चटाते रहना चाहिए, पर तीन चार घंटे में दस्त कम न हो तो किसी डाक्टर या अस्पताल से सम्पर्क कर शरीर में पानी की कमी अर्थात डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए डेक्सटोरज इत्यादि चढ़वाने में विलम्ब नहीं करना चाहिए। इन दोनों में कभी कभी अनपच की भी स्थिति देखने को मिलती है या कभी कभी बगैर आंव या अतिसार भी अनपच हो जाया करता है, उस स्थिति में भोजन पचाने वाली दवाईयां, एवं खाने में परहेज की जरूरत होती है, जिस पर लोग ध्यान नहीं देते हैं इसलिए इन तीनों बिमारियों में समान्यतः रोटी, पराठा, पुड़ि, समोसा, लिट्टी, पकोड़े, डालडा, रिफाइंड में तला, भुना व्यंजन, किसी प्रकार का भुजा, दाल, बाटर सब्जी यथा सेम, मटर, राजमा, सोया बीन, फरसबीन, बोरो, बाकला,, कटहल, छोला, भटुरा, मांस, मछली, बासी या फ्रीज का सामान, पौकेट /जंक फुड, कोल्ड ड्रिंक, चाय, काफी, आइसक्रीम इत्यादि नहीं लेना चाहिए। निन्द, पानी, जलीय मौसमी फल सब्जी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग बेहतर होता है। छाछ, दही, निम्बू पानी में भुना हुआ जीरा एवं सेंधा या काला नमक का पाउडर आवश्यकता के अनुसार देना चाहिए। रोगियों को रखने वाला जगह ठंढा एवं स्वक्ष साफ सुथरा होना चाहिए, कपड़े के सफाई पर भी ध्यान रखना चाहिए। दौड़ा, भागी से भी बचना चाहिए। फलों में अनार, नारंगी, सहतुत जामुन इत्यादि विशेष रूप से लाभकर होता है। फिर भी लाभ नहीं मिले तो किसी शिक्षित एवं अनुभवी डाक्टर/वैद्य से परामर्श लिया जाना चाहिए। जरूरत हो तो मुझसे भी समपर्क किया जा सकता है :- मिलने का पता वैद्य प्रोफेसर दिनेश्वर प्रसाद, प्रथम तल, पाल मार्केट, पिलर न० 65 के सामने, शेखपुरा राजा बजार पटना ऐ।

# एक महिला को विषपान करने से उपचार के दौरान हुई मौत

प्रात :किरण संवाददाता



दानापुर। नगर के शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिकंदरपुर बांध निवासी मालती देवी की मौत विषपान करने से उपचार के दौरान हो गई।मौत की खबर सुनकर पहुंची शाहपुर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम कराकर मायके वालों को सौंप दिया। मनेर के लोदीपुर निवासी मृतक के पिता भरत राय ने मृतक के पति रत्नेश राय,ससुर हरी राय,सास,भैसुर को नामजद आरोपी करते हुए दहेज के लिए जहर खिलाकर मारने का आरोप लगाया है। बताया कि बारह साल पहले मालती की शादी हुई थी। मालती के तीन बच्चे होने के बाद भी 2 लाख रुपये के लिए मारपीट कर प्रताड़ित किया जाता था।एक मई को दिन में मालती को जहर खिलाने की खबर मिली थी। उपचार के नाम पर सभी पटना बाईपास रोड में ले गए जहां शनिवार को मौत हो गई। थानाध्यक्ष मनीष आनंद ने बताया कि मायके वालों दहेज को लेकर जहर खिलाकर मारने का आरोप लगाया है। छानबीन की जा रही है।

# बिक्रम के जनपारा में पांच दिवसीय श्री राम कथा शुरूआत आज से

## अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका पूज्या गौरांगी गौरी की संगीतमय प्रवचन में जुटेंगे सनातनी




प्रात :किरण संवाददाता

पटना :- गोपाल विद्यार्थी। माँ आदि शक्ति सेवा ट्रस्ट के तत्त्वावधान में बिक्रम के जनपारा गांव में आज अपराह्न 6 बजे से पांच दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा की शुरूआत होनी है, जिसे लेकर स्थानीय लोगों व आयोजकों ने सारी तैयारी पूरी कर ली है ` सुप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका, तत्वज्ञानी, ब्रह्मनिष्ठ सुश्री पुज्या पंडित गौरांगी गौरी मुखाविंद से क्षेत्रीय हजारों नव-जिज्ञासु स्त्री-पुरुषों को श्री राम कथा श्रवण का सुअवसर मिलेगा` उक्त बाबत जानकारी देते हुए आयोजन समिति के मनीष सिंह ने बताया है कि, 5 मई से 9 मई तक होने वाले पांच दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा को लेकर सारी तैयारियाँ पूरी कर ली गयी है` उन्होंने बताया कि विशेष आध्यात्मिक महत्त्व के इस कार्यक्रम में अनेक स्थानों से, हजारों की सनातनियों व श्रद्धालुओं की उपस्थिति होगी। कार्यक्रम का आरंभ पुज्या गौरांगी गौरी व आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से होगा तथा कथा के पश्चात प्रसाद वितरण के साथ उत्सव का समापन होगा। मनीष समेत आयोजकों ने बताया कि सूक्ष्म आंतरिक साधना पद्धति ह्वके प्रवर्त्तक और सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचिका पूज्या गौरांगी गौरी के मुखाविंद से कथा रसपान के अवसर पाकर बेशक स्थानीय लोगों का अंतर्मन तृप्त हो जाएगा` कथा स्थल पर सनातनियों का आगमन शनिवार के शाम से ही शुरू है।

# एडवांस लेने के बाद भी फ्लैट नहीं देने की बात सामने आई

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत एक डेवलपर्स कंपनी द्वारा तीन अधिकारियों से फ्लैट देने के नाम पर लाखों रूपए एडवांस लेने के वर्षों बाद भी फ्लैट नहीं देने की बात सामने आई है। एडवांस रूपए भी वापस नहीं करने से प्रशिक्षु बीडीओ प्रहलाद कुमार ने दानापुर थाना में एक मामला दर्ज कराया है।गोला रोड स्थित अभिनव बिहार कालोनी के डेवलपर्स कंपनी के एमडी समेत अन्य को आरोपित किया है। बाढ़ निवासी प्रहलाद कुमार ने बताया कि अभी भोजपुर में प्रशिक्षु बीडीओ है इससे पहले पटना सचिवालय में सचिवालय सहायक के पद पर कार्यरत थे।उस समय 8/9/17 को तैंतीस लाख सोलह हजार रुपए में एक फ्लैट बुक किए थे। एडवांस के रूप में छह लाख सत्तर हजार रुपए दिए थे। बताया कि सभी राशि चेक के माध्यम से दिए और रिसिविंग भी लिए थे। बावजूद आज तक फ्लैट नहीं दिया गया,अब एडवांस रूपए भी नहीं दिए जा रहे हैं। बताया कि मेरे अन्य मित्र आशीष कुमार,रवि कुमार सहायक वित्त विभाग पटना ने भी बुकिंग कराए थे। थानाध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज ने बताया कि बताया कि मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# चौधरी टोला व रामपुर का उच्च प्रवाही बोरिंग हुआ खराब, लोग बेहाल

## गेट में ताला नहीं लगने से मनमर्जी, रामपुर में सॉफ्ट टूटा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता



इस भीषण गर्मी में नगर निगम के वार्ड संख्या 51 के तहत आने वाला चौधरी टोला मोहल्ला में स्थित उच्च प्रवाही बोरिंग शुक्रवार की सुबह अचानक खराब हो गया। इसके कारण पानी को लेकर लाभान्वित होने वाले एरिया के लोग परेशान हो गए। लोग पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए गंगा नदी, आसपास के घरों में रहे बोरिंग और समरसेबल पर निर्भर हो गए। विदित हो कि घघा घाट, खान मिर्जा अखाड़ा पर, टेकारी रोड, अंबेडकर कॉलोनी एवं चौधरी टोला मोहल्ला में पांच बोरिंग जल पर्षद के द्वारा रखरखाव का काम किया जाता है। इसमें चौधरी टोला बोरिंग पर दो ऑपरेटर लगातार पदस्थापित है, फिर भी इस मोहल्ले का उच्च प्रवाही बोरिंग हमेशा खराब रहता है इस कारण से लोगों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय जनता का कहना है कि बोरिंग के गेट पर ताला नहीं लगता है। इस कारण से कोई भी व्यक्ति कभी भी मनचाहे रूप से जाकर बोरिंग चालू कर देता है। कभी-कभी तो यह पूरी रात बोरिंग चलता रहता है। इसी के कारण इसका खराब होना स्वाभाविक है। बोरिंग के नहीं चलने के कारण चौधरी टोला, टेकारी रोड, गंगा विहार कॉलोनी, आजाद लेन, वीएनआर रोड, खजुरबन्ना सहित अन्य मोहल्ले में पानी की आपूर्ति ठप पड़ी है। वार्ड 51 के पार्षद बैजू लाल दास ने बताया कि पटना जल पर्षद के अभियंताओं को सूचित किया गया है। वहां के कनीय अभियंता मनोज कुमार चौधरी, राकेश कुमार एवं धीरेंद्र कुमार दलबल के साथ पहुंच कर काम शुरू कर दिए हैं। मगर अभी बोरिंग को दुरुस्त कर चालू नहीं किया जा सका है, जिससे कि लोगों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित किया जा सके। इधर वार्ड संख्या 47 के रामपुर बोरिंग पंप में भी खराबी आ गई है। इसे अभियंता और मेकेनिकल गैंग के द्वारा ठीक किया जा रहा है। वार्ड पार्षद सतीश कुमार गुप्ता का कहना है कि रामपुर बोरिंग में शुक्रवार को कॉलम पाइप बढ़ाया गया था। इसके बाद जब मोटर को चालू किया गया, तो इसका सॉफ्ट टूट गया। इस कारण से बोरिंग बंद है। मरम्मत का काम पटना जल पर्षद की ओर से कराया जा रहा है। इस संबंध में पटना जल पर्षद के सहायक अभियंता विनोद कुमार तिवारी का कहना है कि रविवार को रामपुर और चौधरी टोला मठ दोनों उच्च प्रवाही बोरिंग को चालू कर दिया जाएगा।

# 8वीं एमपीएफआई नेशनल लेजर रन चैंपियनशिप 2024 में बिहार मॉडर्न पेंटाथॉलन को 3 स्वर्ण, 1 रजत व 5 कांस्य पदक जीता

## भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने दी शुभकामनाएं




प्रात :किरण संवाददाता

पटना :- गोपाल विद्यार्थी अमरावती महाराष्ट्र में मॉडर्न पेंटाथांलन फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा विगत 26 अप्रैल से 29 अप्रैल तक आयोजित आठवीं एमपीएफआई लेजर रन नेशनल चैम्पियशिप में बिहार मॉडर्न पेंटाथॉलन की टीम ने 3 स्वर्ण, 1 रजत और 5 कांस्य पदक जीता है` टीम की जीत पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू एवं बिहार मॉडर्न पेंटाथलान एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग कुमार, सचिव कनक कुमार, कोषाध्यक्ष सिद्धन, चेयरमैन डॉ सोनू शंकर, बिहार लाठी संघ के अध्यक्ष राजीव रंजन यादव, भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक मुकेश पासवान, अंकुर वर्मा ने बधाई एवं शुभकामनाएं व बधाई दीं है। मौके पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ठ खेल का प्रदर्शन किया और मेडल जीत कर बिहार का नाम रौशन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ सदैव प्रतिभावान खिलाड़ियों का सम्मान करती है और उनके खेल को और बेहतर करने के लिए हर संभव सहयोग करती है आगे भी यह कार्य जारी रहेगा।

# फतुहा विस के 28 बीएलओ से कारणपृच्छा, 24 घंटे में मांगा जवाब

पटना सिटी (प्राकि)। पटना साहिब लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस दौरान फतुहा विधानसभा क्षेत्र के 28 बीएलओ से कारणपृच्छा किया गया है। साथ ही 24 घंटे में जवाब देने को कहा गया है। फतुहा विधानसभा क्षेत्र की सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह डीसीएलआर अभिलाषा कुमारी सिन्हा ने बताया कि 28 बूथ लेवल ऑफिसर से कारणपृच्छा की गई है। साथ ही 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि चुनाव कार्य में बरती जा रही कोताही से इस मामले में बूथ संख्या 193 से सुषमा कुमारी, 204 से मन्नु चौधरी, 232 से मनोज कुमार, 236 से कुंज बिहारी सिंह, 237 से सतीश कुमार, 241 से श्रवण कुमार, 246 से दीनानाथ शर्मा, 130 से गायत्री कुमारी, 144 से राजकमल श्रीवास्तव, 147 से जयंती कुमारी, 148 से नजराना बानो, 265 से आलोक कुमार, 206 से पूजा कुमारी, 101 से कविता कुमारी, बूथ 106 से प्रमिला कुमारी, बूथ 230 से दिनेश प्रसाद, बूथ 42 से गीता कुमारी, बूथ 30 से संजय सिंह, 47 से राजमणि देवी, 51 से राजीव कुमार दास, 58 से सरोज कुमारी, 65 से राधा देवी, 212 से लल्लू प्रसाद, 213 से आबिद हुसैन, 223 से बृजेश सिंह, 224 से अमृति निधि, 225 से दुर्गा कुमारी और 226 से परमानंद पासवान से कारणपृच्छा की गई है।

# मतदान हेतु जागरुकता को लेकर स्कूल में श्रृंखला कार्यक्रम का हुआ आयोजन

## सहायक कर्मियों ने 1 जून को शत प्रतिशत मतदान करने की ली शपथ

प्रात :किरण संवाददाता



पटना :- गोपाल विद्यार्थी वोट देना प्रत्येक भारतीय का सबसे बड़ा उत्तरदायित्व है। स्वतंत्र भारत के नागरिक होने के नाते यह न केवल हमारा अधिकार है बल्कि यह सुनिश्चित करना भी हमारा कर्तव्य है कि हम सभी निश्चित रूप से मतदान करें। उक्त विचारों को ध्यान में रखते हुए, रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल एक महीने तक चलने वाला जागरूकता श्रृंखला अभियान चला रहा है, जिसमें नुक्कड़ नाटक, ओरिएंटेशन और छात्र नेतृत्व वाले मतदान जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम प्रत्येक पटनावासी क्क 1 जून को अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए जागरूक किया जा सके। मतदान जागरूकता की इसी श्रृंखला में शुक्रवार को स्कूल ने अपने सहयोगी कर्मचारियों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें चुनाव आयोग की यूथ आइकन और लोक गायिका सुश्री नीतू नवगीत, डीपीआरओ लोकेश कुमार झा, अरविन्द महिला कॉलेज के एचओडी व कवि डॉ. शिव नारायण ने मौजूद कर्मियों को मतदान हेतु जागरूक किया।मौके पर प्राचार्या मनीषा सिन्हा ने कहा कि हमारा मानना है कि सभी को निश्चित रूप से मतदान करना चाहिए, इन अभियानों के माध्यम से एक समूह के रूप में हम लोकतंत्र के संदेश को फैलाने में अपनी भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं। कार्यक्रम में डीपीआरओ लोकेश कुमार झा से कर्मचारियों ने कई सवाल पूछे और उन्होंने उनके सभी सवालों के जवाब के माध्यम से एक-एक वोट का महत्व समझाया। वहीं डॉ. शिव नारायण ने कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए सोच समझकर सरकार चुनने की सलाह दी। वहीं सुश्री नीतू नवगीत ने सदस्यों को प्रेरित करने के लिए अपना चुनाव गीत ह्लपटना का वोट 1 जूनह्व गाया। कार्यक्रम के अंत में 200 कर्मचारियों ने मतदान की शपथ ली और बेहतर भारत के लिए अनिवार्य रूप से मतदान करने का वादा किया।

# जिलाधिकारी ने की स्वीप अभियान की समीक्षा, पदाधिकारियों को परिणाम-आधारित कार्यक्रम चलाने का दिया निदेश

प्रात :किरण संवाददाता



पटना। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी, पटना ' शीर्षत कपिल अशोक के निदेश पर लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए पूरे ज़िला में सघन मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नॉक-द-डोर, नो-योर-बूथ तथा कास्ट-योर-वोट जैसे अभियान से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। जिला प्रशासन के द्वारा स्वीप कार्यक्रम को जन-अभियान का रूप दिया गया है जिससे शत-प्रतिशत मतदाताओं तक पहुँच बनाई जा सके। हर कार्यक्रम को मतदाता जागरूकता थीम पर आयोजित किया जा रहा है। गाँव-गाँव एवं शहर-शहर में लोगों से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने की ज़िलाधिकारी की अपील गूंज रही है। जिलाधिकारी द्वारा प्रतिदिन स्वीप कार्यक्रम की समीक्षा की जाती है । आज भी उन्होंने जूम के माध्यम से इसकी समीक्षा की तथा प्रगति का जायजा दिया। ज़िलाधिकारी ने पदाधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप तत्पर रहने का निदेश दिया। अधिकारियों को रिजल्ट-ओरिएंटेड (परिणाम-आधारित) कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए सभी सुविधा रहनी चाहिए। भीषण गर्मी के आलोक में हीटवेव मिटिगेशन प्लान का अच्छी तरह क्रियान्वयन करें। मतदान केंद्रों के आस पास सघन मतदाता जागरूकता अभियान चलाएं। विगत चुनावों में कम वोटिंग वाले बूथ पर एआरओ विशेष अभियान चलायें। सभी स्टेकहोल्डर्स को अभियान में शामिल करें। जिलाधिकारी द्वारा सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारियों को बूथ-लेवल ह्वाट्सऐप ग्रुप क्रियाशील रखने का निदेश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी को खत अभियान का लगातार पर्यवेक्षण करने का निदेश दिया। पूरे ज़िला में एक मई को मतदान सभाओं का आयोजन* किया गया ।आगे भी विभिन्न तिथियों को मतदान सभाओं का आयोजन* होगा। इसके द्वारा मतदाताओं को चुनाव के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारियों को मार्च टू बूथ कार्यक्रम तथा सेल्फी विद बूथ कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह काफी प्रभावकारी साबित होगा। मतदाताओं को उनकी बूथ की सटीक जानकारी मिलेगी। साथ ही मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध एएमएफ के बारे में भी वे अवगत होंगे। वीटीआर में वृद्धि के लिए टारगेटेड इंटरवेंशन की जाए। मल्टीडाइमेंशनल (बहुआयामी) एप्रोच अपनाया जाए। पारंपरिक माध्यमों के साथ-साथ नए एवं आधुनिक माध्यमों के द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया जाए। सभी भागीदारों को अभियान में सक्रिय रूप से शामिल की जाए। चैम्बर ऑफ कॉमर्स, आईएमए, विद्यालयों के संघों, सोशल मीडिया इंफ्ल्यूएंसर्स, रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, केमिस्ट एसोसियेसन, शॉपकीपर्स एसोसिएशन, खिलाड़ियों के संगठनों आदि सभी की मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। मतदाताओं से आह्वान करते हुए कहा है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में आप सभी गर्व से वोट डालें। लोकतंत्र की जननी के तौर पर सुप्रतिष्ठित राज्य के हमारे ऐतिहासिक जिला में मतदान प्रतिशत कम-से-कम राष्ट्रीय औसत के अनुरूप (68 प्रतिशत) हो। इसबार हमारे प्यारे ज़िलावासी मतदान का रिकॉर्ड स्थापित करें। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम; चुनाव का पर्व, देश का गर्व; जैसे मतदान जागरूकता को प्रेरित करने वाले नारों से गाँवों एवं नगर क्षेत्रों में स्वीप-कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी तथा कर्मीगण लोगों को वोट देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत डोर-टू-डोर विजिट किया जा रहा है। मेंहदी प्रतियोगिता, रंगोली, शपथ-ग्रहण, स्लोगन, रैली, संगोष्ठी, पद यात्रा, खेल इत्यादि कार्यक्रमों से मतदाताओं को अपने वोट का प्रयोग करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। ज़िला प्रशासन के विभिन्न विभागों जैसे नगर निकाय, आईसीडीएस, कल्याण, जीविका, शिक्षा, खेल सहित अन्य सभी विभागों द्वारा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में युवा एवं महिला मतदाताओं सहित सभी मतदाताओं से सक्रिय भागीदारी निभाने तथा मतदान के दिन सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव में मतदान करने हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी, पटना श्री शीर्षत कपिल अशोक के अपील संदेश के साथ पटना में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है।

# श्री अकाल तख्त से जारी आदेश को चुनौती देना पटना साहिब के लिए अनैतिक



पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

श्री अकाल तख्त साहिब के पंज प्यारों के द्वारा छह दिसंबर, 2022 को नौ बिंदुओं पर हुकुमनामा जारी किया गया था। बाद में तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के पंज प्यारों ने आपात बैठक कर उस आदेश को लागू करने से इनकार ही नहीं किया, बल्कि यहां के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि जब तक यहां के प्रबंधकीय बोर्ड किसी मसले को श्री अकाल तख्त साहिब रेफर नहीं करते हैं, उस पर सुनवाई नहीं की जा सकती और न ही कोई आदेश जारी किया जा सकता है। इसके बाद श्री अकाल तक साहिब, तख्तश्री दमदमा साहिब और तख्तश्री केसगढ़ साहिब के पंज प्यारों के द्वारा पत्र जारी किया गया। दरअसल पिछले दिनों तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के एडिशनल हेड ग्रंथी गुरदयाल सिंह ने अपने ऊपर संगतों के उठते सवाल को लेकर सोशल मीडिया पर एक पत्र जारी किया था। इसमें श्री अकाल तख्त साहिब के द्वारा छह दिसंबर, 22 को जारी आदेश को यहां के पंज प्यारों के द्वारा अस्वीकार किया गया था। इसी के बाद तख्तश्री कमेटी के उस समय के कार्यकारी अध्यक्ष जगजोत सिंह एवं उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने संयुक्त हस्ताक्षर से एक पत्र जारी किया था। इसमें कहा गया था कि जिन पांच सिंह साहिबानों ने फैसला लिया है, वह सही नहीं है। कारण कि इसमें दो-तीन ग्रंथी ऐसे शामिल किए गए हैं, जो प्रबंधकीय बोर्ड के द्वारा पंज प्यारों के रूप में मान्य नहीं हैं। श्री अकाल तख्त साहिब के द्वारा छह दिसंबर, 22 को श्री अकाल तख्त साहिब से पांच सिंह साहिबानों द्वारा तखतश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के संबंध में जो फरमान जारी किया गया, उसे पूरा खालसा पंथ सर माथे स्वीकार करता है। उसे चुनौती देना अनैतिक है और आदेश का उल्लंघन है। पटना साहिब तख्तश्री हरिमंदिर जी के ग्रंथी सिंह यह अवज्ञा न करो। नौ दिसंबर, 22 को जारी पत्र में पंज प्यारे के भाई जितेंद्र सिंह, भाई बिक्रमजीत सिंह, भाई संदीप सिंह, भाई सुखजीत सिंह और भाई अमरजीत सिंह के हस्ताक्षर हैं। इसके अलावा तख्तश्री दमदमा साहिब के पंज प्यारे भाई गुरविंदर सिंह, भाई गुरप्रीत सिंह, भाई केवल सिंह, भाई हरजीत सिंह और भाई अमनदीप सिंह के द्वारा भी एक पत्र जारी किया गया। इसमें कहा गया कि हर सिख श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को स्वीकार करता है। तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के कुछ ग्रंथी सिंह के द्वारा श्री अकाल तख्त साहिब की महानता और सर्वोच्चता को चुनौती देना सिख परंपरा का अपमान है। श्री अकाल तख्त साहिब और पंज सिंह साहिब के फैसले को तख्तश्री पटना साहिब के पंज प्यारों के द्वारा चुनौती दिया जा रहा है।

# श्री अकाल तख्त से ज्ञानी गुरदयाल सिंह साजिशकर्ता करार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

श्री अकाल तख्त साहिब, तख्तश्री दमदमा साहिब और तख्तश्री केसगढ़ साहिब के पंज प्यारों के द्वारा तख्तश्री पटना साहिब के पंज प्यारों के द्वारा नौ दिसंबर, 22 को लिए गए फैसले पर सख्त पत्र जारी किया गया था। दरअसल छह दिसंबर को जारी पत्र में तख्तश्री पटना साहिब के दो सिंह साहिबानों पर कड़ा आदेश जारी किया गया था। इसमें वरीय ग्रंथी गुरदयाल सिंह को पंज प्यारे से हटा कर तख्तश्री पटना साहिब परिसर से अन्यत्र ड्यूटी लगाने और कार्यकारी जत्थेदार सह कार्यकारी मुख्य ग्रंथी ज्ञानी बलदेव सिंह को पांच वाणियों का पाठ पंज प्यारे की मौजूदगी में सुनाने को कहा गया था। साथ ही इसकी पूरी वीडियोग्राफी करने के बाद इसे श्री अकाल तख्त साहिब भेजने को कहा गया था। इसके बाद प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी के दबाव के बाद किसी तरह से ज्ञानी गुरदयाल सिंह राजगीर स्थित श्री शीतल कुंड गुरुद्वारा में बतौर ग्रंथी ज्वाइन किए, मगर करीब दो माह बाद ही कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह के आदेश पर उन्हें तख्तश्री पटना साहिब वापस बुला लिया गया। यही नहीं, उन्हें बतौर इनाम एडिशनल हेड ग्रंथी बना दिया गया। यही नहीं, जब भी प्रमुख मसले को लेकर श्री अमृतसर साहिब में पांच तख्त साहिब के जत्थेदारों की बैठक बुलाई जाती रही, तो एक-दो बार को छोड़कर हमेशा एडिशनल हेड ग्रंथी ज्ञानी गुरदयाल सिंह ही जाते रहे हैं। एक बार तो श्री अमृतसर साहिब से तख्तश्री कमेटी के महासचिव इंद्रजीत सिंह को कहा गया कि आपके यहां ज्ञानी गुरदयाल सिंह से योग्य कोई दूसरा पंज प्यारे सिंह साहिबान में कोई नहीं हैं, जो बराबर विवादित व्यक्ति को ही आप लोग भेज देते हैं। मगर ताज्जुब इस बात की रही कि श्री अकाल तख्त साहिब के द्वारा 6 दिसंबर, 22 को जारी आदेश पत्र में ज्ञानी गुरदयाल सिंह को साजिशकर्ता और षड्यंत्रकारी बताया गया।

# मोदी की गारंटी के कारण एनडीए को जनता का अपार समर्थन : विजय

## बोलें- सनातन के संतानों के मान-सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा प्रतिबद्ध

- तिलमिला गए हैं राजद कांग्रेस के लोग

पटना, प्रात : किरण संवाददाता



उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राजद-कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि जात और धर्म के नाम पर भटकाना छोड़कर वे सुचिता और सुशासन पर बहस करें। पटना हवाई अड्डा पर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि राजद-कांग्रेस हिंदु-मुसलमान मुद्दे को उछालकर मुसलमानों को भयभीत करने में लगी है। उन्हें डर दिखाकर उनका वोट लेना इनका लक्ष्य है। माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद-कांग्रेस की इस छद्म योजना के बारे में जन सभाओं में मुसलमानों को बार-बार आगाह किया है। श्री सिन्हा ने कहा कि सनातन के संतानों के मान-सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा प्रतिबद्ध है। राज्य के लोगों ने राजद-कांग्रेस का तांडव 2023 में रामनवमी के दिन देखा था। ये सरकार में थे। रामनवमी जुलुस पर बिहारशरीफ, सासाराम, दरभंगा, भागलपुर सहित अनेक स्थानों पर उपद्रवियों ने आक्रमण किया। उपद्रवियों को सजा नहीं दी गयी। उल्टे पीड़ितों के साथ ही शासन-प्रशासन की बर्बरता दिखी। नेता प्रतिपक्ष के रूप में हम उन स्थानों का दौरा कर सनातन के संतानों का आंसू पोछा और दिलासा दी। अभी 2024 में कुछ दिन पूर्व रामनवमी संपन्न हुआ। कहीं उपद्रव नहीं हुआ क्योंकि राजद-कांग्रेस सत्ता से बाहर हैं। श्री सिन्हा ने कहा कि नरेंद्र मोदी की गारंटी और उनके द्वारा भ्रष्टाचार पर प्रहार के कारण राज्य में उन्हें अपार जन समर्थन मिल रहा है। यह देखकर राजद-कांग्रेस के लोग तिलमिला गए हैं। भ्रष्टाचार पर बोलने के समय इनकी बोलती बंद हो जाती है। जनता इनके कारनामों से उब चुकी है। श्री सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में सबका साथ-सबका विकास और सबका प्रयास का नारा दिए जाने के कारण सभी जात, धर्म, समुदाय और समूहों को लाभ पहुँच रहा है। सभी के हित के लिए एवं सभी के उन्नति के लिए प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों में समावेश किया है। उनका भाव समदर्शी है। संतुष्टीकरण नीति के कारण देश में एन.डी.ए के पक्ष में आंधी चल रही है। इंडी गठबंधन इसके उलट अभी भी तुष्टीकरण का सहारा ले रहा है। 4 जून को लोकसभा चुनाव का परिणाम आने पर इनका जमीन्दोज होना तय है।

# नीतीश कुमार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास को नई गति दी : उमेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता



जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा शनिवार को गोपालगंज लोकसभा से एनडीए प्रत्याशी डॉ आलोक कुमार सुमन एवं सिवान लोकसभा से विजयलक्ष्मी कुशवाहा के नामांकन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार को देशभर में कुशासन और जंगलराज की संज्ञा दी जाती थी। 2005 से पहले का बिहार कैसा था और आज का बिहार कैसा है, इससे हम सभी परिचित हैं। जंगलराज के उस काले दौर में कोई वापस लौटना नहीं चाहता है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन राजद सरकार के गोद में बैठे अपराधियों ने सिवान को जंगलराज का अड्डा बना दिया था। यहाँ की मताएं-बहनों ने 15 सालों तक अपनी जिंदगी घुटन में बिताने पर मजबूर रहीं लेकिन 2005 में जब श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में नई सरकार बनी तो सिवान में शांति और सुशासन का सूर्योदय हुआ। श्री कुशवाहा ने कहा कि श्री नीतीश कुमार ने माफियाराज को जड़ से समाप्त कर सिवान सहित पूरे बिहार को भयमुक्त बनाया। आज घर की बहन-बेटियाँ निर्भीक होकर स्कूल-कॉलेज जाती हैं और अपने सपनों को पूरा कर रही हैं। बिहार में आधी आबादी के लिए जो कार्य हुए, उसका देश और दुनिया में कोई मुकाबला नहीं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास को भी नई गति प्रदान की। आज बिहार जंगलराज के अंधकार से निकलकर तरक्की के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। नीतीश सरकार ने समाज के सभी वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के 18 वर्षों के कार्यकाल में सम्पूर्ण बिहार ने विकास के सुनहरे दौर को देखा है तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आत्मनिर्भर और विकसित भारत का स्वप्न साकार करने में लगे हैं। श्री कुशवाहा ने कहा कि राजद-कांग्रेस ने अपने-अपने शासनकाल में जनता को सिर्फ ठगने का काम किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता की आँखों में धूल झोंकने वाली राजनीतिक दलों से आगाह रहने की जरूरत है। विपक्षी पार्टियां सिर्फ अपने स्वार्थ की राजनीति करती है। उनकी प्राथमिकता सिर्फ परिवार तक सीमित है। जबकि हमारे नेता देशवासियों को अपना परिवार मानते हैं। उन्होंने कहा कि यह सभा हमलोगों के लिए संकल्प-सभा है। इस बार एनडीए का 400 पार का लक्ष्य हासिल करना है और उस लक्ष्य में बिहार का योगदान सभी 40 लोकसभा सीटों का होगा। 2019 में एक सीट की कसर रह गई थी। इस बार वो पूरी हो जाएगी।

# तेजप्रताप को राजद ने किया दरकिनार, चुनाव प्रचार के लायक भी नहीं समझा: मंगल

## जगदा बाबू से हुए विवाद ने पूर्व मंत्री को पार्टी में हाशिये पर पहुंचाया

पटना, प्रात : किरण संवाददाता



सूबे के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने लालू परिवार के अंदर चल रही राजनीतिक दांव- पेंच पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि परिवार हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली लालू जी की पार्टी घर की राजनीति में ही सिमटती जा रही है। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव एनडीए के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। वह चुनावी जंग में नरेंद्र मोदी को चुनौती दे रहे हैं। मगर दूसरी तरफ उनके परिवार में ही राजनीतिक महत्वाकांक्षा की जंग चल रही है। जहां तेजप्रताप जी को लोकसभा का टिकट नसीब नहीं हुआ। उसके बाद अभी तो आलम ये है कि तेजप्रताप जी को चुनाव प्रचार से भी दूर कर दिया गया। ये पटकथा राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के इशारे पर रचा गया। जिसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी जगदा बाबू का पूर्ण सहयोग किया। श्री पांडेय ने कहा कि वंशवाद की राजनीति के धुरंधर श्री लालू जी ने अपने दोनों बेटों तेज प्रताप और तेजस्वी को राजनीति में उतारा। मगर छोटे बेटे तेजस्वी जी को राजनीतिक विरासत सौंप, अपने बड़े लाल को दरकिनार कर दिया। ऐसा क्यों हुआ। राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद जी लगातार ये समझाने में सफल रहे कि तेजप्रताप राजनीति के लायक नहीं। यही वजह बनी कि तेजप्रताप जी की उनसे टकराहट हुई। अब तो जगदा बाबू ने उन्हें पार्टी में दरकिनार कर दिया। वहीं जगदा बाबू ने अपना वर्चस्व दशार्ते हुए लोकसभा चुनाव में भी तेजप्रताप जी से अपना बदला चुनाव प्रचार से दूर रखकर ले लिया। उन्हें चुनाव प्रचार से मगर लालू जी एवं तेजस्वी जी, तेजप्रताप का साथ छोड़ जगदा बाबू के साथ हैं।

श्री पांडेय ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में तेजस्वी जी अपना भी फायदा देख रहे हैं। उन्हें लगता है कि श्री तेजप्रताप सक्रिय राजनीति में मुझसे आगे न निकल जाए। ऐसी सोच रखने वाली परिवारवादी पार्टी के ये नेता जनता हित का क्या ख्याल रखेंगे। पूर्व मंत्री श्री तेज प्रताप, अपने सगे भाई तेजस्वी जी के समानांतर राजनीतिक ताकत या फिर पार्टी में अपनी वजूद की लड़ाई लड़ते रहे। मगर उन्हें पार्टी न तो अपने एजेंडे में शामिल करती है और न ही चुनाव प्रचार के लिए प्राथमिकता में रखती है। तेजप्रताप जी को पूर्णतः जगदा बाबू के इशारे पर नजरअंदाज कर दिया गया। यही राजद जैसी पार्टी की चाल व चरित्र है।

## प्रधानमंत्री खुद अपने अतीत का ध्यान नहीं रखते : गगन

पटना। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि प्रधानमंत्री शनिवार को दरभंगा में कह रहे थे कि जरुरी है कि हम अतीत का ध्यान रखें। पर वे खुद अतीत में दरभंगा एम्स के बारे में कही अपनी बातों को भूल गए हैं। इसी प्रकार सभी को 2022 तक पक्का मकान देने की बातों को भी भूल गए हैं और आज फिर तीन करोड़ पक्का मकान देने का सपना दिखा कर चले गए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि 15 सितम्बर 2020 को हीं प्रधानमंत्री जी ने ट्वीट कर दरभंगा में एम्स निर्माण की बात कही थी चुकी बिहार में विधानसभा का चुनाव होने वाला था। 28 अक्टूबर 2020 को वे बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के सिलसिले में जब वे दरभंगा आये थे तो अपने भाषण में उन्होंने कहा था कि अगले वर्ष मैं दरभंगा एम्स का उद्घाटन करने के लिए हीं दरभंगा आऊंगा। इतना हीं नहीं 2 अगस्त 2023 को पं बंगाल के एक कार्यक्रम में तो उन्होंने बजाप्ता यह दावा भी कर दिया था कि दरभंगा में एम्स खुल चुका है। आज फिर 28 अक्टूबर 2020 को दरभंगा में कही अपनी उन्हीं बातों को दूहरा कर चले गए। आज दरभंगा में उन्होंने यह भी कहा कि तीन करोड़ पक्का मकान गरीबों के लिए बनाया जाएगा। जबकि अतीत में कही अपनी उन बातों को वे भूल गए जब उन्होंने कहा था कि 2022 तक सभी के मकान पक्के बन जाएंगे। राजद प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री दूसरों को तो अतीत का ध्यान रखने को कहते हैं पर खुद अतीत में कही अपनी बातों को भूल जाते हैं।

# पिछड़े-अतिपिछड़ों व दलितों का आरक्षण क्यों घटाना चाहते हैं तेजस्वी: राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता



जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने आज अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि आरक्षण के कपूर्री मॉडल पर तेजस्वी यादव द्वारा दिए गये बयान से यह साफ हो गया है वह दलितों तथा पिछड़े-अतिपिछड़े समाज का आरक्षण घटाना चाहते हैं। वह जान लें कि 14 करोड़ बिहारी मर-मिट जायेंगे लेकिन आरक्षण घटाने के उनके मंसूबों को कभी कामयाब नहीं होने देंगे।

अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा कि कपूर्री ठाकुर जी के समय केवल दलित समाज को आरक्षण मिला करता था। लेकिन कपूर्री ठकुर जी पिछड़े-अतिपिछड़े समाज की व्यथा को समझा और पहली बार उन्हें आरक्षण देने का क्रांतिकारी काम किया। उस समय उन्होंने पिछड़े समाज को 8 प्रतिशत और अतिपिछड़े समाज को 12 प्रतिशत का आरक्षण दिया था। बाद में कांग्रेस और राजद की सरकारें आयीं, लेकिन उनका पूरा ध्यान परिवार की तिजोरी भरने पर लगा रहा। उन्होंने न तो किसी नये वर्ग को आरक्षण दिया और न ही दलितों-पिछड़ों-अतिपिछड़ों के आरक्षण को बढाया।

आंकड़े देते हुए जदयू प्रवक्ता ने लिखा कि कपूर्री ठाकुर के बाद यह नीतीश कुमार ही थे जिन्होंने बदलते वक्त को समझा कौर पिछड़े व अतिपिछड़े समाज के आरक्षण को बढ़ाकर क्रमशः 12 व 18 प्रतिशत कर दिया। बाद में जातिगत गणना करवा कर नीतीश सरकार ने इसे और बढ़ाते हुए पिछड़ा समाज के आरक्षण को 18 व अतिपिछड़ा समाज के आरक्षण को 25 प्रतिशत कर दिया। इसी तरह नीतीश सरकार ने दलितों को मिल रहे 15 प्रतिशत आरक्षण को भी बढ़ाकर पहले 16 प्रतिशत किया और अब जातिगत गणना के बाद इसे 20 प्रतिशत करने का निर्णय ले लिया।

उन्होंने लिखा कि नीतीश सरकार के कारण ही आज बिहार में 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया जा चुका है जो देश में सर्वाधिक है। समाज के शोषितों-वंचितों-पीड़ितों को उनका हक देने की दिशा में तेजी से काम हो रहे हैं। लेकिन तेजस्वी चाहते हैं कि इन सब पर ब्रेक लग जाए। उनके बयान से स्पष्ट है कि दलितों-पिछड़ों व अतिपिछड़ों के आरक्षण को 20, 18 व 25 प्रतिशत से घटा कर फिर से 15, 8 व 12 प्रतिशत कर देना चाहते हैं। तेजस्वी को बताना चाहिए कि आखिर उन्हें दलितों-पिछड़ों व अतिपिछड़ों के सशक्तिकरण से क्या समस्या है। क्यों वह उन्हें वापस जंगलराज वाले समय में घसीटना चाहते हैं?

# बिहारियों से हो रही है पीएम मोदी को चिढ़ : अखिलेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता



कांग्रेस के प्रदेशअध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण में बिहारियों के बारे में की गई टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। प्रधानमंत्री के बयान को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी के दिल में बिहारियों के प्रति हमेशा से चिढ़ रही है और किसी न किसी बहाने वे इसको दशार्ने से भी नहीं चुकते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बिहार में आकर बिहार की जनता के जख्म को कुरेदने और उनको भड़काने का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने बयान में महाराष्ट्र में बिहार और उत्तरप्रदेश के लोगों के साथ हुए दुर्व्यवहार के लिए इंडिया गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। जबकि हकीकत यह है कि बिहारियों के प्रति तब नफरत फैलाने वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे आज भारतीय जनता पार्टी की गोद में खेल रहे हैं। इससे पहले भी मोदी बिहारियों के डीएनए पर सबाल खड़ा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री बिहार के साथ सौतेला व्यवहार करते रहे हैं। बातें बहुत की मगर किया कुछ नहीं। डा सिंह ने कहा कि अब बिहार की जनता देश के उनसे जानना चाहती है कि दस वर्षों में उनकी उपलब्धि क्या रही। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2019 में बिहार की जनता ने 40 में से 39 सीटें प्रधानमंत्री जी की झोली में डालने का काम किया था, लेकिन बिहार की उपलब्धी को इन पांच वर्षों में जनता को बताने के लिए प्रधानमंत्री जी के पास कुछ भी नहीं है। इन्होंने न केवल बिहार को बल्कि पूरे देश को धोखा देने का काम किया है।यहां तक कि प्रधानमंत्री ने बिहार के अलग-अलग जगहों पर बंद पड़े कल-कारखानों को शुरू करने के अलावा राज्य में अन्य नये उद्योगों के शुरूआत की भी बात बिहार की जनता से किया था। लेकिन उनके वादे ढाक के तीन पात से ज्यादा कुछ भी नहीं रहे। डा सिंह ने यह भी कहा कि देश के प्रधानमंत्री जी के रिपोर्ट कार्ड में केवल अल्पसंख्यक और बहुसंख्यकों के बीच खाई पैदा करने एवं देश के लोगों को आपस में तोड़ने के अलावा कोई उपलब्धी के शब्द नहीं हैं। अब बिहार की जनता उनके फरेब को समझ चुकी है और इस बार के चुनाव में मुंहतोड़ जबाव देगी।

# घबराहट में उपहास की भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं पीएम : एजाज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता



बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा तेजस्वी प्रसाद यादव को बिहार का शहजादा कहने पर आपत्ति प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह की भाषा प्रधानमंत्री के मुंह से बोला जाना स्पष्ट करता है कि उनको कहीं न कही बेचैनी और बौखलाहट है जो तेजस्वी प्रसाद यादव की लोकप्रियता को पचा नहीं पा रहे हैं। इस तरह के बयान से प्रतीत होता है और ऐसा लगता है कि इस तरह की भाषा बोलकर वो कहीं न कहीं आम जनता और नौजवानों को मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। जबकि बिहार की जनता और नौजवान मुद्दों से भटकने वाले नहीं है और लोग प्रधानमंत्री की सभा में नहीं आकर स्पष्ट रूप से संदेश दे रहे हैं कि धर्म और भ्रम की राजनीति को बिहार की जनता पसंद नहीं करती है। बिहार की जनता प्रधानमंत्री से जानना चाहती है कि हर साल दो करोड़ नौकरी देने की बात करने वाले नौकरी नहीं देकर श्री तेजस्वी जी को शहजादा कहकर स्वयं का मजाक क्यों बनवा रहे हैं।

एजाज ने आगे कहा कि नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव उस पिता श्री लालू प्रसाद जी के पुत्र हैं जिसने संघर्षों और गरीबी में जिंदगी बिताकर शोषितों, वंचितों पिछड़ों, अतिपिछड़ों, दलितों, आदिवासियों एवं अल्पसंख्यकों के प्रति सामाजिक न्याय की अवधारणा की मजबूती दी और लोगों को गले लगाने का जो सीख दिया उसी को आगे बढ़ाते हुए तेजस्वी प्रसाद यादव ने 17 महीने के कार्यकाल में आर्थिक न्याय के माध्यम से हर वर्ग के नौजवानों के चेहरे पर मुस्कुराहट दी, उनका भविष्य बेहतर किया साथ ही साथ 75 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था को बढ़ाकर लोगों को हक और अधिकार दिया। आज प्रधानमंत्री को आरक्षण व्यवस्था को नौवीं अनुसूची में केन्द्र सरकार के द्वारा शामिल किये जाने पर बात करनी चाहिए थी। साथ ही महंगाई, युवाओं के रोजगार, शिक्षा व्यवस्था को महंगी किये जाने पर तथा हम दो और हमारे दो के बढ़ावा पर चर्चा करनी चाहिए थी और बताना चाहिए था कि लोगों के साथ इनकी सरकार दस सालों के बाद भी न्याय क्यों नहीं कर सकी।

इन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री आपने दरभंगा में एम्स के निर्माण की घोषणा की थी, क्या आपने उस एम्स के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की या सिर्फ बातों की जुमलाबाजी करके जनता को भरमाने का काम किया। कोविड कार्यकाल में देश में स्वास्थ्य व्यवस्था किस तरह की थी यह बताने की आवश्यकता नहीं है और पूरा देश परेशान रहा। लेकिन आप उस परेशानी को चर्चा में लाने की जगह अपना बखान करते रहे। बिहार के मजदूर किन परेशानियों में बिहार आये उसमें आप अपने गठबंधन के नेता नीतीश कुमार के संबंध में एक शब्द भी नहीं कहे। जबकि उस समय आप भी नीतीश जी के साथ बिहार में सत्ता के साझेदार थे। इधर-उधर की बात करने वाले प्रधानमंत्री आप बिहार का जिसे शहजादा कह रहे हैं वो आपके लिए उपहास का विषय हो सकता है लेकिन बिहार के आम-आवाम और जनता के लिए नौकरी मैन और रोजगार देने वाला क्रांतिकारी सोच का नेता यूथ ऑइकॉन श्री तेजस्वी प्रसाद यादव हैं, जिसको जनता का जनविश्वास मिला हुआ है और आप उस नौजवान से मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं जिस कारण ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

# एनडीए को अबकी बार ऐतिहासिक विजय मिलेगी : सम्राट

- भाजपा के पास नीति और नेतृत्व, इंडी गठबंधन के पास पीएम का चेहरा तक नहीं

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के उप मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश सम्राट चौधरी शनिवार को तूफानी चुनावी दौरे के क्रम में महाराजगंज पहुंचे। यहां वे महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र से एनडीए समर्थित भाजपा उम्मीदवार जनार्दन सिंह सिग्रीवालके नामांकन में शामिल हुए।चौधरी ने कहा कि जनता का यह जोशो-खरोश इस बात का प्रमाण है कि फिर एक बार मोदी सरकार तय है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण महाराजगंज कह रहा है देश को फिर से चाहिए मोदी जी का राज। उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जिस प्रकार भाजपा के प्रत्याशी सिग्रीवाल को इस सभा में जन आशीर्वाद देने पहुंचे है उससे साफ है कि एनडीए को अबकी बार ऐतिहासिक विजय मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज भाजपा के पास साफ नीति है तो सफल नेतृत्व भी है। उन्होंने कहा कि अगर एनडीए के प्रत्याशी को वोट दीजिएगा तो यह मोदी जी को मिलेगा, लेकिन अन्य प्रत्याशियों को वोट दीजिएगा तो किसे मिलेगा? उप मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि इंडी गठबंधन वालों के पास न नीति है न नेतृत्व है। उन्होंने कहा कि भारत अब अपने गौरवशाली इतिहास को फिर से देख रहा है। आज देश फिर से विश्व गुरु बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ चला है। अब बिहार को फिर से लालटेन युग की जरूरत नहीं है।

**लोकतंत्र और संविधान का इंडी गठबंधन कर रहा है अपमान :**

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कांग्रेस के नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी और सपा नेत्री मारिया आलम के ह्यवोट जिहादह्ण की अपील पर कहा कि इंडी गठबंधन अब ह्यजिहादियोंह्ण के समर्थन से चुनाव लड़ना चाह रहा है। इस अपील के साथ ही इंडी गठबंधन के नापाक इरादे और साजिश का पदार्फाश हो चुका है। कांग्रेस के किसी भी नेता ने इस कुत्सित अपील का विरोध न करके एक तरह से अपना समर्थन दिया है। बिहार के मतदाताओं को एकजुट और सावधान रहने की जरूरत है। श्री चौधरी ने कहा कि बेशर्मी के हद तक मुस्लिम तुष्टिकरण के बावजूद कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर चुनाव को केन्द्रित करने की खतरनाक चाल चल रही है। एक ओर कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन के दलों की कोशिश एससी, एसटी, ओबीसी और सामान्य श्रेणियों को विभाजित करने की है तो दूसरी ओर वह धर्म के आधार पर मुसलमानों से वोट की अपील कर पूरे सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न और देश में अराजकता का माहौल बनाना चाह रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति की वजह से ही पाकिस्तानी नेता भी राहुल गांधी के समर्थन में खुल कर बयान दे रहा है। कांग्रेस पाकिस्तान से आने वाले बयान से गदगद है। ये वहीं कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल हैं जिन्हें श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर बनने से परेशानी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खुलेआम बयान दे रहे है कि वे प्रभु श्रीराम को हरायेंगे। मगर खरगे यह नहीं बता रहे हैं कि वे किसे जीतायेंगे।

# दर्द के बहाने लोगों को गुमराह न करें तेजस्वी : सेतु

पटना। जदयू के प्रदेश महासचिव और मीडिया पैनलिस्ट ओम प्रकाश सिंह सेतु ने राजद नेता तेजस्वी यादव को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुथकामनाएं देते हुए नसीहत दी है कि यदि कमर में दर्द है तो आराम करें और नहीं. करना है तो कम से कम इसको लेकर राजनीति न करें। नेता विपक्ष लोगों को गुमराह न करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत जदयू -भाजपा के सभी नेता देश के विकास और जनता के हित की चिंता औतर उनकी उम्मीदों और सपनों को पूरा करना ही है। नीतीश कुमार ठंड, गर्मी और बरसात की परवाह न करते हुए, विकास यात्रा, न्याय यात्रा, विश्वास यात्रा के जरिए लोगों के बीच जा चुके हैं। श्री सेतु ने कहा है कि लालू -राबड़ी राज के दौरान किसानों और खेती की क्या हालत बिहार में थी, उसके बारे में भी तेजस्वी जी बताएं। जंगलराज से भयभीत होकर कितने मजदूर, किसान, कारोबारी और डाक्टर बिहार से पलायन कर गए, इसके बारे में भी बताना चाहिए। तब बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की क्या हालत थी, इसके बारे में भी लोगों को खासकर आज की युवा पीढ़ी को बताएं। लालू परिवार ने अपने स्वार्थ में जितने गरीबों की आह ली है, वह जाया नहीं जाने वाला। तेजस्वी यादव के माता-पिता के जंगलराज के दौरान कई बेगुनाह जान से हाथ धो बैठे। उनके परिजनों ने जो उनसे उम्मीद लगा रखी थी, जो सपने देख रखे थे, वह सारे बुझ गए। उनके दर्द के बारे में भी तेजस्वी जी को कुछ कहना चाहिए। श्री सेतु ने कहा है कि तेजस्वी यादव लोगों को बताएं कि किस तरह उनके पिता लालू प्रसाद ने अपने रेलमंत्री रहते जमीन लिखवाकर युवाओं को रेलवे में नौकरी दी। इसे लेकर पूरा लालू परिवार कानून के शिकंजे में है और दिल्ली की अदालत में हाजिरी बजा रहा है। यदि आप गलत तरीके से कमाई करेंगे तो उसका खामियाजा भी जरूर भुगतना पड़ेगा।

# जनता ने युवाओं के संकल्प के पीछे अपनी ताकत लगा दी है : शिवानंद

- बोलें-बादशाह समझने वाले प्रधानमंत्री को तख़्त से उतार देना युवा नेताओं का संकल्प

पटना। दिल्ली और पटना के युवा नेताओं का संकल्प है कि अपने को बादशाह समझने वाले प्रधानमंत्री को दिल्ली के तख़्त से उतार देना है। बादशाह की घबराहट समझी जा सकती है। क्योंकि देश की जनता ने युवाओं के संकल्प के पीछे अपनी ताकत लगा दी है। प्रधानमंत्री जी को एहसास हो गया है कि दिल्ली के तख़्त पर उनके गिनती के दिन रह गए हैं।

देश बेरोजगारी और महंगाई से त्रस्त है। देश आगे नहीं पीछे जा रहा है। लेकिन इन सबसे बेखबर हमारे प्रधानमंत्री एक से बढ़कर एक पोशाक और पगड़ी पहन कर जनता को अपना प्रवचन सुना रहे हैं। लेकिन देश इनके सम्मोहन से बाहर निकल चुका है। पिछले दस वर्षों के मोदी जी के शासन में लोगों की दुर्दशा हो गई है। इसलिए अब इनकी दाल गलने वाली नहीं है।

लालू यादव हों या तेजस्वी या अन्य पार्टियों के नेता , बिहार के लोग सबको जानते हैं। लेकिन अब सबको पता चल चुका है कि मोदी जी आम आदमी के प्रधानमंत्री नहीं है। यह धन्नासेठों, पूँजीपतियों और कारपोरेट वालों की सरकार है। मोदी जी के दस वर्षों के राज में उन्हीं की चाँदी रही है। देश के बाकी लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। चार जून को जब वोटों की गिनती होगी तब बिहार की जनता का जवाब आपको मिल जाएगा। उसके बाद आपके सर पगड़ी नहीं दिखाई देगी।

# झंझारपुर में त्रिकोणात्मक संघर्ष, महागठबंधन की राह मुश्किल

## लोकसभा चुनाव : चुनावी मैदान में 10 प्रत्याशी बहा रहे हैं पसीना

पटना, प्रात : किरण संवाददाता



प्रत्येक वर्ष बाढ़ की कहर झेलने वाले बिहार में मधुबनी के झंझारपुर में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर खूब चर्चा है। झंझारपुर से चुनावी मैदान में उतरे 10 प्रत्याशी अपनी बढ़त बनाने को लेकर इस गर्मी में पसीना बहा रहे हैं। वहीं संबंधित पार्टियां भी पूरा जोर लगाए हुए है।

लोग भी चुनाव के समीकरण के जोड़ घटाव की चर्चा कर रहे हैं। कोसी, कमला सहित कई नदियों से घिरे इस संसदीय क्षेत्र में कुल 10 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इस चुनाव में एनडीए की ओर से जदयू ने एक बार फिर रामप्रीत मंडल को मैदान में उतारा है, जबकि महागठबंधन की ओर से विकासशील इंसान पार्टी के सुमन कुमार महासेठ चुनावी रण में ताल ठोक रहे हैं। मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों के बीच माना जा रहा था, लेकिन बहुजन समाज पार्टी ने गुलाब यादव को चुनावी अखाड़े में उतारकर सभी दलों की रणनीति को गड़बड़ा दिया है। पिछले चुनाव में झंझारपुर लोकसभा क्षेत्र से जदयू के रामप्रीत मंडल ने 6 लाख से अधिक मत हासिल कर राजद के प्रत्याशी गुलाब यादव को करीब तीन लाख मतों से हराया था। इस चुनाव में जब महागठबंधन से यह सीट विकासशील इंसान पार्टी के हिस्से चली गयी, तो गुलाब यादव पिछली हार का बदला लेने बसपा में जा पहुंचे और यहां की लड़ाई को त्रिकोणात्मक बना दिया। मिथिलांचल के झंझारपुर लोकसभा क्षेत्र की चुनावी राजनीति मिथिला के अन्य जिलों से अलग मानी जाती है। यहां की सियासत पिछड़ा और अति पिछड़ा के समीकरण के ईद-गिर्द घूमती रही है। इसी वजह से माना जाता है कि सियासी रणनीति इसी समीकरण के हिसाब से तय किये जाते हैं। यहां मतदाताओं ने करीब सभी मुख्य दलों को मौका दिया है। पहले यह क्षेत्र मधुबनी लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आता था। 1972 में झंझारपुर लोकसभा क्षेत्र अस्तित्व में आया। 1972 में गठन के बाद पहली बार यहां से जगन्नाथ मिश्र सांसद बने। उसके बाद से इस क्षेत्र का अधिकांश बार नेतृत्व पिछड़े या अति पिछड़े समाज के लोग ही करते रहे हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 19.86 लाख के करीब है। खजौली, बाबूबरही, राजनगर, झंझारपुर, फुलपरास और लौकहा विधानसभा क्षेत्र वाले इस लोकसभा क्षेत्र के लोगों की टीस झंझारपुर को जिले का दर्जा देने को है। इस क्षेत्र के लोग पांच दशक से झंझारपुर को जिला बनाने की मांग कर रहे हैं। फुलपरास को झंझारपुर से अलग कर अनुमंडल बना दिया गया। आरोप लगे कि झंझारपुर के बदले फुलपरास को जिला बनाने की साजिश है। इसका भारी विरोध हुआ। झंझारपुर सीट का सबसे अधिक पांच बार प्रतिनिधित्व कर चुके फुलपरास निवासी देवेंद्र यादव इस बार मौका नहीं मिलने पर नाराज हैं। इधर, जदयू और महागठबंधन के नेताओं से बातचीत से स्पष्ट है कि जदयू के प्रत्याशी मंडल को जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर भरोसा है, वहीं महागठबंधन के प्रत्याशी राजद के वोट बैंक पर सवार अपनी चुनावी नैया पार करने की जुगत में हैं। हालांकि महागठबंधन के गणित को झंझारपुर से विधायक रहे गुलाब यादव ने मैदान में उतरकर गड़बड़ा दिया है।

# पीएम मोदी को अपने 10 वर्षों के शासनकाल का उपलब्धियों को बताना चाहिए: अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के रिपोर्ट कार्ड झांकने के पहले अपने 10 वर्षों के शासनकाल का उपलब्धियों को गिनाते हुए रिपोर्ट कार्ड जारी करना चाहिए। और बिहार की जनता को बताना चाहिए कि कि 2014 और 2019 में भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में जो वायदे किए थे उसमें कितना पूरा हुआ। श्री यादव ने कहा कि प्रत्येक साल दो करोड़ नौकरी, विदेशों से कालाधन लाएंगे, प्रत्येक नागरिक के खातों में 15-15 लाख रुपए देंगे, महंगाई कम करेंगे, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करेंगे, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने सहित कई वायदे किए थे। उस पर कितना अमल हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मात्र सत्रह माह की महागठबंधन सरकार में पांच लाख नौकरियां दी। सभी विभागों की रिक्तियों को भरने के आदेशानुसार तीन लाख से अधिक नौकरियां प्रक्रियाधीन करवाई। जो काम एनडीए सत्रह साल में नहीं कर पाया वो सत्रह महीनों में तेजस्वी यादव जी ने कर दिखाया। राजद प्रवक्ता ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी के 26 मिनट के भाषणों में महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी सहित जनसरोकार से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर एक शब्द नहीं बोले, इससे साफ जाहिर होता है कि नरेंद्र मोदी जी को जनता और जनता से जुड़े मुद्दों से कोई मतलब नहीं है।

# कामरेड ब्रजकुमार पाण्डेय नहीं रहें, शोक की लहर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिवमंडल ने पार्टी के वरिष्ठ नेता डा. ब्रज कुमार पाण्डेय के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है उनका निधन आज 04 मई को अहले सुबह हो गया। का॰ ब्रजकुमार पाण्डेय भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पुरानी पीढ़ी के वरिष्ठ नेता थे। बिहार विश्व विद्यालय के राजनीतिक विज्ञान के वे ख्याति प्राप्त व्याख्याता थे। पाण्डेय जी अखिल भारतीय शांति एकजुटता संगठन की बिहार इकाई के अध्यक्ष, अखिल भारतीय सांस्कृतिक सहयोग एवं मैत्री संघ (इस्कफ) बिहार के पूर्व महासचिव तथा बिहार राज्य प्रगतिशील लेखक संघ के वर्त्तमान अध्यक्ष थे। आज 04 मई को अहले सुबह तीन बजे के लगभग उनका निधन हाजीपुर के समता कॉलोनी स्थित निवास पर हो गया। वे 90 वर्ष के थे। उनका जन्म 16 जनवरी, 1937 को बक्सर जिला के ब्रह्मपुर प्रखंड के गायघाट गांव में हुआ था। वे बक्सर जिला के ही मूल निवासी थे और डुमरांव के खिरौली में उनकी शादी हुई थी। उन्हें दो पुत्र एवं एक पुत्री हुई थी। बड़े पुत्र का पूर्व में ही आकस्मिक निधन हो गया था। छोटा पुत्र मनोज पाण्डेय, पुत्री स्मृति गौतम, धर्मपत्नि शांति पाण्डेय एवं दामाद पी एन कॉलेज परसा के प्रिंसिपल डा. पुष्पराज गौतम उनके परिवार के रूप में अब रह गये हैं। डा. ब्रजकुमार पाण्डेय एक विद्वान लेखक थे। उनकी सामाजिक आर्थिक एवं वैचारिक विषय पर 80 के लगभग पुस्तकें प्रकाशित है। पार्टी के राज्यसचिव का. रामनरेश पाण्डेय सहित राज्य सचिवमंडल ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि पाण्डेय जी के निधन से बिहार के सम्पूर्ण कम्युनिस्ट और जनवादी-धर्मनिर्पेक्ष एवं प्रगतिशिल आंदोलन को बड़ी क्षति हुई है जो अपूरणीय है। राज्य सचिवमंडल ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है

## संक्षिप्त खबरें

### मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरपुर। बोचहा प्रखंड अंतर्गत आदी गोपालपुर पंचायत के वार्ड नंबर 5 में प्रखंड विकास पदाधिकारी बोचहा एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी बोचहा की उपस्थिति एवं देखरेख में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत शपथ एवं हर घर दस्तक का कार्यक्रम किया गया। विदित हो कि लो वोटर टर्न आउट वाले मतदान केंद्रों को टारगेट कर मतदाताओं को जागरुक एवं प्रेरित करने का अभियान सतत रूप से जारी है। इसी तरह का अभियान प्रखंडाधीन अन्य पंचायतों में आईसीडीएस एवं जीविका के माध्यम से चलाए जा रहे हैं। जीविका के द्वारा भी मोतीपुर मीनापुर पारु साहिबगंज आदि क्षेत्र में रंगोली शपथ एवं घर-घर भ्रमण कर मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरुक एवं प्रेरित किया गया।

### स्क्रूटनी में 8 नामांकन रद्द,14 स्वीकृत

हाजीपुर। प्रेक्षक श्री आशुतोष ए. टी. पेडनेकर एवं सभी अभ्यर्थियों की उपस्थिति में आज निवार्ची पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीणा के कार्यालय प्रकोष्ठ में कुल प्राप्त 22 नामांकनों की स्क्रुटनी की गई। स्क्रुटनी के बाद आठ नामांकन पत्र को अस्वीकृत किया गया तथा 14 अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र को स्वीकृत किया गया।

### स्कूटनी में दो अभ्यर्थी का नामांकन रद्द

मुजफ्फरपुर। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान आज मुजफ्फरपुरं संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से दो अभ्यर्थियों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। दोनों निर्दलीय उम्मीदवार थे जिनका नाम संजीव रंजन उर्फ टुनटुन सिंह एवं गणेश कुमार मंडल बताया गया है।मुजफ्फरपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में स्क्रुटनी के बाद अब 26 उम्मीदवार रह गए हैं।बताते चलें कि कि 6 मई के 3ः बजे अपराह्न तक नाम वापसी का समय है।

### पेपर लीक और अग्निवीर का पोस्टर दिखा जताया विरोध

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत जेपीएनएस ग्राउंड नरहन परिसर में मुख्यमंत्री का ज्योंहीं संबोधन शुरू हुआ कि ध्यानाकर्षण के लिए युवा वर्ग हल्ला मचाते हुए पिहकारियां मारने लगे। इनके हाथों में पेपर लीक, अग्निवीर, महंगाई, गैस सिलेंडर की कीमत, राशन रुपी मुर्गी का दाना छींटने आदि के पोस्टर थे। सीएम के संबोधन का कवरेज छोड़ मीडिया कर्मियों के कैमरे जब इस पर चमकने लगे तो सुरक्षा कर्मियों ने युवाओं के हाथ से पोस्टर छिन ली। कुछ महिलाएं भी इन युवाओं का दबे स्वर समर्थन करते दिखे। इसके लेकर एनडीए कार्यकताओं के जुबां पर तरह-तरह की बातें होती रही।

### निर्दलीय प्रत्याशी ने क्षेत्र में किया जनसंपर्क

कल्याणपुर, समस्तीपुर। समस्तीपुर सुरक्षित लोकसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी कल्याणपुर प्रखंड के जिला परिषद सदस्य क्षेत्र संख्या एक के रवि रोशन ने प्रखंड क्षेत्र के आम मतदाताओं से जनसंपर्क कर आशीर्वाद मांगा। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी क्षेत्र के मथुरापुर कल्याणपुर टारा सहित कई अन्य पंचायत में भी मतदाताओं से जनसंपर्क कर आशीर्वाद मांगा। उन्होंने अपने जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र का माटी क्षेत्र का बेटा कहते हुए मतदाताओं से आशीर्वाद मांगते हुए देखे गए।

### रंगदारी नहीं देने पर महिला व उसकी पुत्री के साथ मारपीट

बेनीपुर(दरभंगा)। बहेड़ा थाना क्षेत्र के तरौनी गांव में वेवा महिला रेखा देवी पर गांव के ही कुछ दबंग लोगों ने जमीन खाली करवाने तथा रंगदारी नहीं देने पर मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित महिला ने बताया कि उनके पुत्री कंचन कुमारी ,काजल कुमारी भतीजी मनीषा कुमारी पर भी जानलेवा हमला कर 30 मई को घायल कर दिया। सभी घायलों का इलाज बहेड़ा पीएचसी में किया गया। पीड़ित ने गांव के अभिरंजन यादव, मोहित यादव, अमितेश यादव ,अरविंद यादव, संदीप यादव आदि पर पचास हजार रुपया रंगदारी नहीं देने के कारण मारपीट कर घायल कर दिया।वेवा ने बताया कि मेरे निजी जमीन पर अवैध कब्जा करना चाह रहे हैं ।वहीं घर में घुसकर लूटपाट कर पांच हजार रुपया नगर सहित आवश्यक कागजात भी ले लिया। इस घटना के विरुद्ध बहेड़ा थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

# परिवारवाद नहीं विकास के नाम पर वोट करें : नीतीश

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता



विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत जेपीएनएस के मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोगों के यहां भाजपा में कोई परिवारवाद नहीं है। हम लोगों के लिए पूरा बिहार एक परिवार है, इसके लिए काम करते हैं। किसी तरह के डर का वातावरण नहीं है। अब, हम लोगों को छोड़कर उन लोगों को वोट करिएगा तो आप लोगों को नाश कर देगा। हम लोगों ने बिहार के लिए बहुत काम किया है। लड़कियों के लिए पोशाक योजना, साईकिल योजना, इंटर पास करने पर 25 हजार रुपए, स्नातक पास करने पर 50 हजार रुपए किया तो छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ी है। पंचायत चुनाव में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण, सड़कों, पुल-पुलिया का निर्माण, स्वास्थ्य की सुविधाएं, हर घर शौचालय याद रखिएगा। मदरसा बनवा दिया और 8 हजार से अधिक कब्रिस्तान की घेराबंदी करवा दी। अब, सबके आगे बढ़ने और पढ़ने के लिए और विकास के लिए सबका काम किया है। ना सिर्फ कब्रिस्तान की घेराबंदी की है बल्कि, 60 वर्ष पुराने मंदिरों का भी घेराबंदी किया है। यहां भी चोरी हो जाता था। जीविका दीदियों की संख्या एक करोड़ इकतीस लाख है। इसको और आगे बढ़ाएंगे। गरीब परिवार की महिलाएं बोलना सीख गई हैं। सात निश्चय योजना से काम हुआ है। विधानसभा चुनाव तक पंचायत सरकार भवनों का निर्माण करवाया लिया जाएगा। जहां कमी रह गई है, उसे भी पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और अब पंचायत सरकार हो गई है। हमलोगों ने 7 निश्चय बनाया तो हर हर घर पानी और बिजली पहुंच गई है। बाढ़ पीड़ितों को मदद कर रहे हैं। पहले ऐसा नहीं होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी पार्टी के लोगों को बुलवा कर जाति आधारित गणना करवाई। एससी, एसटी, ईबीसी और बीसी की संख्या बढ़ी। इसका आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत तक किया। बाकि, 10 प्रतिशत अपर कास्ट के लिए है तो सबकी सुविधा के लिए कुल 75 प्रतिशत कर दिया। लोगों को गणना के आधार पर आर्थिक स्थिति का अध्ययन किया। इससे यह पता चला कि 94 लाख परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। हम लोगों ने तय कर दिया सरकार के तरफ हर परिवार में कम से कम दो लाख रुपए उनके घर पर पहुंचा दें। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर जिला और उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए तो हम लोग काम करते हीं रहे हैं। इंजिनियरिंग कालेज, मेडिकल कालेज, पोलिटेक्निक, महिला आईटीआई, आवासीय विद्यालय, छात्रावास आदि पर काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने लालू प्रसाद यादव का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए कहा कि बियाह किया और नौ गो कर दिया। उसके बाद पत्नी, बेटा, बेटी और परिवार को आगे बढ़ाया। कहा कि कुछ दिनों के लिए ऐसे झूठे-फरेबी लोगों के साथ चले गए थे। अब कभी उनके साथ नहीं जाएंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर भी कटाक्ष किया कि जब वह साथ थे तब गड़बड़ करते थे। इसलिए उनको हटा दिए। मुख्यमंत्री ने केन्द्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए एनडीए प्रत्याशी नित्यानंद राय के पक्ष में वोट करने की अपील की। जेपीएनएस ग्राउंड नरहन परिसर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार की सभी 40 लोकसभा सीटें और देश में 400 लोकसभा सीटें अबकी बार जीतने का दावा किया। कहा कि वर्ष 1995 से हम भाजपा के साथ हैं। सभा की अध्यक्षता अशोक पटेल व संचालन अरविंद कुमार कुशवाहा कर रहे थे। वहीं बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार का अनुकरण पूरे देश करता है। नीतीश और नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। केंद्र और राज्य सरकार ने ऊंची जातियों में भी गरीबों की पहचान की है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना चला कर सभी तबकों को लाभ दिया है। सभी क्षेत्रों में विकास हो रहा है। सबको याद होगा पहला जमाना क्या था और आज क्या है ? उन्होंने क्षेत्र के विकास, देश और राज्य के विकास के लिए एनडीए उम्मीदवार नित्यानंद राय को भारी बहुमत से विजई बनाने की अपील की।

## विश्व हाथ स्वच्छता दिवस के अवसर पर एएनएम स्कूल में हैंड हाइजीन पर एक प्रशिक्षण आयोजित



समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस के अवसर पर शनिवार को समस्तीपुर के एएनएम स्कूल में ह्यहैंड हाइजीन के लिए कोर कॉन्सेप्टः हेल्थकेयर पर्सनल के लिए साफ हाथह्न पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। पिरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप के संयुक्त प्रयास से आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य सभी एएनएम छात्रों को हाथों की स्वच्छता के महत्व और सही तरीके से हाथ धोने की आवश्यकता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में एएनएम स्कूल में पढ़ाई कर रही दूसरी वर्ष की 40 छात्राओं ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण की शुरूआत हेल्थकेयर पर्सनल और रोगी की सुरक्षा के लिए प्रभावी हैंड हाइजीन की महत्वता के बारे में बताया गया। जिसमें यह चर्चा की गई कि हैंड हाइजीन क्यों महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सेवा संबंधी संक्रमणों को जो जीवाणु होते हैं, वे हेल्थकेयर पर्सनल के हाथों पर भी प्रसारित हो सकते हैं। हाथ हाइजीन संक्रमण के प्रसार को रोकने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण तरीका है। उसे चर्चा की गई कि प्रत्येक 100 मरीज में से चार को हेल्थकेयर संबंधी संक्रमण होता है। कार्यक्रम में उन सतहों के बारे में बात की गई जो साफ दिखते हैं लेकिन होते नहीं और जिसके कारण बैक्टीरिया दिनों तक रोगी की देखभाल उपकरण और अन्य सतहों जैसे बेड रेल, आईवी पंप आदि पर जीवाणु सुरक्षित रह सकते हैं। यदि आप केवल पर्यावरणीय सतहों को छूते हैं तो सतह को छूने के बाद और बाहर निकलते समय हाथ हाइजीन का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। बताया गया कि मरीज को छूने से पहले और बाद में, एक साफ व एसेप्टिक प्रक्रिया प्रदान करने से पहले, शरीरीय तरल पदार्थ के सीधे संपर्क के बाद, मरीज के आसपास की सतहों को छूने के बाद हैंड हाइजीन करना चाहिए। वहीं इसके अलावा अल्कोहल आधारित हाथ रब, हाथ धोना, एंटीसेप्टिक हाथ वॉश, सर्जिकल हाथ हाइजीन व एंटीसेप्सिस और अंत में एल्कोहल आधारित हाथ रब के लाभ के बारे में बात हुई और हाथ धोने के 6 तरीके के बारे में बताया गया।

## 35 लाख रुपए लोन की राशि गबन करने के आरोप में बैंक ने ऋणकर्ता के विरुद्ध दर्ज कराया एफआईआर

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

लोन की राशि का डायवर्सन करके बैंक के साथ धोखाधड़ी करने व आम जनता की धनराशि का दुरुपयोग करने के आरोप में बैंक के द्वारा एफआईआर दर्ज कराया गया है। मामला नगर थाना क्षेत्र के पुरानी पोस्ट ऑफिस रोड स्थित मेसर्स बरखा एंड ब्रदर्स के प्रोपराइटर का है।

जहां इसके विरुद्ध एसबीआई समस्तीपुर मुख्य शाखा के प्रबंधक के द्वारा नगर थाना में आवेदन देकर लोन की रकम की वापसी को लेकर मामला दर्ज कराया गया है। बैंक शाखा के मुख्य प्रबंधक विवेकानंद ठाकुर के द्वारा नगर थाना में दिए आवेदन में कहा गया है कि मेसर्स बरखा एंड ब्रदर्स के प्रोपराइटर को 28 जनवरी 2021 में सामान्य स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत चावल, भोज्य एवं पेय पदार्थ के थौक व्यवसाय के लिए 15 लाख रुपए का कैश क्रेडिट लोन दिया गया था। जिसे बाद में 35 लाख रुपए कर दिया गया था। ऋणकर्ता को प्रत्येक महीने के आखिरी दिनों में स्टॉक रिपोर्ट बैंक को सबमिट करना होता है। बैंक के द्वारा 15 मार्च 2024 को ऋणकर्ता के स्टॉक वेरीफिकेशन में पता चला कि हाइपोथेकेशन स्टॉक का ऋणकर्ता के द्वारा बिक्री कर दिया गया है। इस कारण बैंक को नुकसान हुआ है। बैंक ने इसे लोन की राशि का डायवर्सन करके बैंक के साथ धोखाधड़ी करने एवं आम जनता की धनराशि का दुरुपयोग करने का मामला पाते हुए लोन की राशि की वसूली करने व ऋणकर्ता के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने को लेकर नगर थाना में मामला दर्ज कराया है।

## उत्तर बिहार के जिलों में आज से मौसम बदलाव की सम्भावना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भीषण गर्मी की तपिश झेल रहे उत्तर बिहार के लोगों के लिए राहत भरी खबर है।कल से मौसम में बदलाव की सम्भावना है।मौसम सम्बंधी यह जानकारी ग्रामीण कृषि मौसम सेवा डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी अगले 5 दिनों तक के मौसम पूवार्नुमान में दी गई है।मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनो का औसत अधिकतम एव क्रमशः 39.5 एवं 18.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 50 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर हवा की औसत गति 15.4 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 10.2 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवा घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सु दोपहर में 38.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।मौसम विज्ञान विभान जारी 4 से 8 मई, तक के पूवार्नुमान के अनुसार, पूवार्नुमानित के अवधि में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में अगले 1-2 दिनों में हल्के से मध्यम बादल आ सकते है। अनुकूल मौसमीय परिस्थितियाँ बनने के कारण 5 मई के बाद जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा मेघ गर्जन के साथ हो सकती है। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बर्षा की सम्भावना है। वर्षा के समय हवा की गति तेज रहने की सम्भावना है।इस अवधि में 6 मई से अधिकतम तापमान में गिरावट आ सकता है यह 35-37 डिग्री सेल्सियस के है। जबकि न्यूनतम तापमान 22-25 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।पूवार्नुमानित अवधि में औसतन 20 से 25 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है। किसानों को सलाह दी गई है कि

इस मौसम को देखते हुए कृषि कार्यों में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। गेहूं अरहर तथा रवी मक्का क काम सावधानी पूर्वक करें। कटी हुई गेहूँ की दौनी कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित कर लें। फिलहाल खड़ी फसलो में हुए स्थगित रखें या वर्षा न होने की स्थिति में करें। कीटनाशकों का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।

## जिला प्रशासन ने मतदाता जागरूकता रथ को किया रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला प्रशासन दरभंगा द्वारा मतदाता जागरूकता रथ को रवाना किया गया। जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग अंतर्गत संचालित बुनियाद केंद्र के संजीवनी सेवा वाहन, मोबाइल थेरेपी वैन को मतदाता जागरूकता एवं मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित करने के लिए रवाना किया गया। मोबाइल थेरेपी वैन के साथ दिव्यांगजनों की एक रैली भी निकाली गई। रैली में भाग लेने वाले सभी दिव्यांगजनों द्वारा साइकिल के माध्यम से रैली निकालकर एवं जिला के विभिन्न पदाधिकारी और जिला के स्वीप आइकॉन श्री मणिकांत झा जी ने भी रैली में भाग लिया । रैली में उपस्थित दिव्यांगजनों द्वारा सभी दिव्यांगजन एवं अन्य मतदाताओं से वोट करने के लिए अपील किया गया। बुनियाद केंद्र द्वारा संचालित मोबाइल थेरेपी वैन को प्रचार प्रसार एवं मतदाता जागरूकता के लिए रवाना किया गया। एवं वह अपने निर्धारित शेड्यूल के अनुसार विभिन्न प्रखंडों एवं 40 प्रतिशत से कम भी आर टी वाले क्षेत्रों में भ्रमण कर वहां के मतदाताओं से वोट करने के लिए अपील करेगी। जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी दरभंगा द्वारा जारी किये गए अपील संदेश को अधिक मतदाताओं तक पहुंचाने के काम के लक्ष्य के साथ यह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता दरभंगा, जिला स्वीप आइकॉन मणिकांत झा ,उप निर्वाचन पदाधिकारी दरभंगा, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, उपनिदेशक बाल संरक्षण इकाई, श्रम अधीक्षक, दरभंगा, जिला प्रबंधक बुनियाद केंद्र दरभंगा एवं अन्य पदाधिकारी, स्वीप कोषांग सभी कर्मी , सामाजिक सुरक्षा एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के सभी कर्मी के साथ-साथ बुनियाद केंद्र के भी सभी कर्मी उपस्थित थे।

## मतदाता सूची से जीवित व्यक्ति को किया मृत घोषित

कल्याणपुर, प्रात : किरण संवाददाता

कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के सैदपुर पंचायत के मुखिया और मुखिया पति सहित कई अन्य जीवित मतदाता का मतदाता सूची से जीवित व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। इस मामले को लेकर सैदपुर पंचायत के मुखिया मिंटू देवी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को आवेदन देकर मामले की जांच कर उक्त बीएलओ के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग किया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी को दिए गए आवेदन में सैदपुर पंचायत के मुखिया मिंटू देवी ने बताया है कि मेरा नाम मिंटू देवी और पति अजय कुमार ग्राम बसवारी वार्ड नंबर 1 पोस्ट सैदपुर थाना चकमेहसी प्रखंड कल्याणपुर जिला समस्तीपुर का स्थाई निवासी हूं। वर्तमान में मैं सैदपुर पंचायत के मुखिया हूं। मेरे तथा मेरे पति का नाम मतदाता सूची से ग्रामीण राजनीति के कारण ब बीएलओ के द्वारा नाम हटवाकर मतदाता सूची से वंचित रखा गया है। उसने जिला निर्वाचन पदाधिकारी से इस मामले की जांच कर बीएलओ पर उचित कानूनी कार्रवाई करते हुए मेरा एवं मेरे पति का नाम मतदाता सूची में जोड़ने का मांग किया है। हम लोग अपने मत का प्रयोग कर सके। वहीं इस मामले में बीएलओ से दूरभाष पर संपर्क नहीं होने के कारण इनका पक्ष नहीं जाना जा सका। वहीं बीडीओ देवेंद्र कुमार ने भी दुरभाष पर बात नहीं होने के कारण उनका पक्ष नहीं जाना जा सका।

## ट्रेन में हुए लाखों रुपए के जेवर चोरी मामले में रेल पुलिस ने शहर के गोला रोड से एक स्वर्ण दुकानदार को उठाया



- 28 अप्रैल को गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन में दलसिंहसराय के पास उत्तर प्रदेश के एक यात्री का जेवरों से भरा बैग हुआ था चोरी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

गाड़ी संख्या 13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस चलती ट्रेन से समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय आउटर सिग्नल के पास एक यात्री से स्वर्ण आभूषण व रुपयों से भरा लेडीज पर्स की छिनतई मामले में रेल पुलिस ने नगर थाना पुलिस की मदद से शुक्रवार की देर शाम शहर के गोला रोड स्थित एक स्वर्ण दुकान में छापेमारी कर दुकानदार को पूछताछ के लिए उठाया है। वहीं रेल पुलिस से उसके निशानदेही पर शहर के गोला रोड स्थित एक-दो जगहों पर छापेमारी भी की है और कई अन्य लोगों से पूछताछ भी किया है। बताया गया कि घटना बीते 28 अप्रैल को गाड़ी संख्या 13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस चलती ट्रेन में हुई थी। घटना को लेकर ट्रेन यात्री उत्तर प्रदेश के सिदार्थनगर जिले के जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र के कटहना के स्व. धर्मदंत मिश्रा के पुत्र जय नंदन मिश्रा के द्वारा रेल थाना बरौनी के माध्यम से समस्तीपुर रेल थाना में एफआईआर दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि 28 अप्रैल को गाड़ी संख्या 13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन में दलसिंहसराय आउटर सिग्नल के पास एक अज्ञात बदमाश के द्वारा उनके परिवार का एक लेडीज पर्स लेकर कूद गया था। उन्होंने बताया था कि उनके पर्स में दो सोने का मंगलसूत्र, एक सोने का हार, एक जोड़ी सोने का कंगन, एक जोड़ी सोने का झुमका, पांच पीस सोने का अंगूठी व पांच हजार रुपए नगद था। मिली जानकारी के अनुसार रेल पुलिस ने दर्ज मामले का अनुसन्धान करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार किया था। उसी के निशानदेही पर व मोबाइल को ट्रैक करते हुए शहर के गोला रोड से एक स्वर्ण दुकानदार को उठाया है। वहीं इस संबंध रेल थानाध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद आलोक ने बताया कि बीते 28 अप्रैल को गाड़ी संख्या 13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस में दलसिंहसराय आउटर सिग्नल के पास जेवर चोरी की घटना हुई थी। उसी घटना में एक बदमाश की निशानदेही पर शहर के गोला रोड से एक स्वर्ण दुकानदार को पूछताछ के लिए उठाया गया है।

## मिथिलांचल वासियों को पीएम से पूछना चाहिए कि एम्स कब बना : तेजस्वी यादव



प्रात : किरण संवाददाता

सिंहवाड़ा( दरभंगा ) ।बिहार में लोक सभा चुनाव की सरगर्मी के बीच नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उप मुख्य मंत्री तेजस्वी यादव लगातार सक्रिय हैं।शनिवार को दरभंगा के मब्बी स्थित शिव गार्डेन परिसर में तेजस्वी यादव ने कहा प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी से मिथिलांचल की जनता को पूछना चाहिए कि एम्स दरभंगा शोभन बलिया में एम्स का निर्माण हुआ कि नहीं।दस वर्ष के कार्यकाल में मोदी ने बेरोजगारी,मंहगाई, गरीबी किसी से छूपी नही है।आम लोगों को 15 लाख हजार बैंक के खाते में देने की बात झूठी साबित हो रही है।17 महीने के अपने कार्यकाल में पांच लाख युवक को सरकारी सेवा प्रदान कर रोजगार से जोड्ने का काम महागठबंधन सरकार ने किया है।आइएनडीआइए गठबंधन की सरकार बनने के बाद गैस सिलेंडर के मूल्य को आधा कर दिया जाएगा। सरकार बनते ही एक करोड़ युवाओं को नौकरी दी जाएगी।उन्होंने कहा बिहार के सभी 40 लोक सभा चुनाव में सभी सीट पर हम जीतने जा रहे हैं। विकास शील इंसाफ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी ने संविधान बचाने के साथ अपने हक व अधिकार के लिए आम लोगों से महागठबंधन के पक्ष में वोट देने की अपील की।मौके पर दरभंगा लोक सभा प्रत्याशी ललित यादव, राजद के पूर्व जिला अध्यक्ष उमेश राय,अति पिछडा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य बिनोद भगत,राजद अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष साबीर हुसैन लड्डू ,राजद जिला महासचिव राहुल झा,राजद पंचायतीराज के प्रखंड अध्यक्ष मुकेश यादव ,मुकेश यादव सहित अन्य मौजूद थे।

## उत्पाद मामले में 5 वर्ष सश्रम कारावास व एक लाख रुपए जुमार्ने की सजा

प्रात : किरण संवाददाता

अनन्य विशेष उत्पाद न्यायाधीश न्यायालय संख्या दो समस्तीपुर संजय कुमार द्वितीय के द्वारा शनिवार को समस्तीपुर रेल थाना कांड संख्या 57/2023 में अभियुक्त मधुबनी जिले के झंझारपुर थाना क्षेत्र के मझऊरा वार्ड 14 निवासी बद्री दास के पुत्र रामजीवन दास को दोषी पाते हुए उत्पाद अधिनियम की धारा 30 (ए) में दोषी पाते हुए 5 वर्ष सश्रम कारावास व एक लाख रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई गई है। बताया गया के 3 मार्च 2023 को रामजीवन दास को 375एमएल के विदेशी शराब शराब के साथ समस्तीपुर जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक से गिरफ्तार किया गया था। बरामद शराब के आधार पर मद्य निषेध अधिनियम के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विजेंद्र ठाकुर एवं सरकार की ओर से विशेष अपर लोक अभियोजक रमेश प्रसाद सिंह ने न्यायालय के समक्ष अपना-अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

## मतदान केंद्र का क्षतिग्रस्त खिड़की बदलने का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। उत्क्रमित मध्य विद्यालय नंदापट्टी मतदान केंद्र का औचक निरीक्षण 3 मई की देर शाम को केंद्रीय निर्वाचन आयोग के सामान्य प्रेक्षक डॉ जोगा राम ने किया तथा बूथ संख्या 146, 147 पर खिड़की का पल्ला क्षतिग्रस्त को शीघ्र बदलवाने का आदेश बीडीओ सह सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार को दिया। आधिकारिक सूत्रों का मुताबिक इसके पूर्व प्रेक्षक ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय माधोपुर बूथ संख्या 39, उच्च विद्यालय बहेड़ा मतदान केंद्र 104, आईटीआई बेनीपुर 110 आदि केंद्र पर वोटरों की मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। बेनीपुर, अलीनगर, गौराबोराम विधानसभा क्षेत्र के अन्य बूथों का औचक निरीक्षण कर संबंधित सहायक निर्वाचन अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिया। प्रेक्षक के साथ लाइनिंग ऑफिसर प्रांजल गुप्ता आदि भी थे।

## इन्द्रशेखर मिश्र की 8 वीं पुण्यतिथि पर अधिवक्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित



प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला बार एसोसिएशन दरभंगा के पूर्व महासचिव स्वर्गीय इन्द्रशेखर मिश्र की 8 वीं पुण्यतिथि पर अधिवक्ताओं ने शनिवार को श्रद्धांजलि सभा वकालतखाना भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित कर उन्हें नमन किया।बार एसोसिएशन का अध्यक्ष रविशंकर प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अधिवक्ता श्याम बिहारी राय ने इन्दु बाबू के महासचिव कार्यकाल की उपलब्धियों को स्वरचित गीत के माध्यम से लयबद्ध गाकर श्रद्धांजलि निवेदित किया। बार एसोसिएशन के महासचिव कृष्णकुमार मिश्रा, बिरेन्द्र कुमार सिंह, बिजय नारायण चौधरी,चन्द्रधर मल्लिक, अमरेन्द्र नारायण झा, अनिल कुमार सिंह, बिनय चंद्र चौधरी ह्नबिनोदह्व, राजीव रंजन ठाकुर, मुरारी लाल केवट, बुलन कुमार झा, संतोष कुमार सिन्हा, प्रमोद कुमार ठाकुर, हिरानंद मिश्र, मनोज कुमार मिश्र, अचलेन्द्र नाथ झा, कमलाकांत झा, अनिल प्रसाद, हेमंत कुमार, रमणजी चौधरी, भवनाथ मिश्र समेत सैकड़ों अधिवक्ताओं ने इन्दु बाबू के तैल चित्र पर पुष्पांजलि कर नमन किया ।अधिवक्ता अरुण कुमार चौधरी ने कहा कि अधिवक्ता संघ की समृद्धि के लिए वे चिन्तनशील रहते थे। आज भी उनके बताये मार्ग और न्याय अतिथियों और वकीलों के हितों के लिए उनके द्वारा किए गए पत्राचार को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इन्दु बाबू के पुत्र अधिवक्ता अनिल कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

## जेनरल आब्जर्वर ने किया निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के जेनरल ऑब्जर्वर श्री बी पी चौहान द्वारा निर्वाचन व्यय अनुश्रवन कोषांग एवं एमसीएमसी कोषांग का निरीक्षण किया गया। एमसीएमसी में प्रतिनियुक्त कर्मियों द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कर्मियों ने उम्मीदवारों द्वारा समाचार पत्रों में दिए जा रहे विज्ञापन , व्यय कोषांग को भेजे जा रहे प्रतिवेदन , पेड न्यूज तथा टेलीविजन चैनलों द्वारा की जा रही है मॉनिटरिंग के बारे में फीडबैक प्राप्त किया। मौके पर उपस्थित एमसीएमसी के नोडल पदाधिकारी प्रमोद कुमार को कोषांग के नियमित रूप से संचालन एवं मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। इसी प्रकार से निर्वाचन व्यय अनुश्रवन कोषांग के अधिकारियों एवं कर्मियों से सेल द्वारा संचालित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही मुजफ्फरपुर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत संचालित चेक पोस्ट , तथा लगे सीसीटीवी एवं मॉनिटरिंग के कार्यों का फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने कोषांग के नियमित रूप से सफल संचालन का निर्देश दिया। मौके पर उपस्थित नोडल पदाधिकारी को नियमित रूप से मॉनिटरिंग करते रहने का निर्देश दिया।

## ई. रविन्द्र सिंह को अनाज से तौला गया

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। आज पंच-सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमोद कुमार निराला के नेतृत्व मे भगवानपुर प्रखंड के अंजनी गाँव मे सभी वर्गों के किसानों ने भिक्षाटन कर समाजसेवी सह महनार विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी ई0 रविन्द्र सिंह को अनाज से तौला तथा इस धर्म युद्ध मे विजय प्राप्ति के लिए आशिर्वाद दिया। सभी स्थानीय लोगों ने ई0 रविन्द्र सिंह के हाथो को मजबूत कर साथ देने का वादा किया । इस मौके पर महंथ परशुराम शर्मा, संतोष कुमार सिंह, कृष्ण मुरारी शर्मा, लखन पासवान, लालबाबु पासवान,मोहन पासवान, सिंकंदर साह,प्रेम गुप्ता, कुन्दन सोनार,रामनाथ ठाकुर, ई0 अमन.कुमार, ब्रहमेश्वर साह,दिपु सहनी ,सुकिन्द्र सहनी ,सोधन प्रजापति ,महेश पंडित, विनय कुमार झा, मृत्युंजय झा आदी लोग मौजूद थे

## हुजूर डीलर नही दे रहा खाने को अनाज

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर ।शनिवार को जिलाधिकारी मौरा पहूंचे थे जहां उनकी मुलाकात मौरा गांव निवासी 75 वर्षीय जनकबा देवी से हुई ।जनकबा देवी ने जिलाधिकारी से फफकते हुए बताया की हुजूर डीलर हमरा अनाज नैय दे है, हमर घर में कमवे वाला कोय नैयह, एगो बेटवा है ऊहो पागल है ।जबकि हमरा पास राशन कार्ड है,इतना कहते जी जनकबा फूट फूट कर रोने लगती है। डीएम वयो वृद्ध जनकबा की बात सुन तत्क्षन एसडीओ अभय कुमार तिवारी को डीलर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उनोन्हे कहा की गरीब गुरबा को सरकार अनाज उपलब्ध करा रही है ।तो इन्हे क्यों नही मिल रहा है ।एसडीओ अभय कुमार तिवारी द्वारा आन द स्पाट एमओ गिद्धौर को फोन लगा जनकबा देवी व उनके स्वजनो को अविलंब राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। व किस परिस्थिति में इन्हे डीलर द्वारा राशन नही दिया जा रहा है ।इसकी रिपोर्ट की मांग एमओसे की। व कहा की अनाज वितरण मामले में अगर पीडीएस दुकानदार की धांधली पाई गई तो उनका भी लाइसेंस रद्द कर दुकानदार पर विभागीय कार्रवाई की जाएगा।

## संक्षिप्त खबरें

### लोक सभा चुनावः सामान्य, पुलिस और व्यय प्रेक्षक पहुंचे हाजीपुर

हाजीपुर। लोक सभा आम चुनाव, 2024 के मद्देनजर 21-हाजीपुर (अ0जा0) संसदीय क्षेत्र के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक और व्यय प्रेक्षक हाजीपुर आ चुके हैं। श्री आशुतोष ए.टी. पेंडनेकर हाजीपुर निर्वाचन क्षेत्र के लिए सामान्य प्रेक्षक हैं। श्री वासन विद्यासागर नायडू पुलिस पर्यवेक्षक हैं। व्यय प्रेक्षक श्री रमेश एम हैं। इन तीनों आब्जर्वर का आगमन जिला मुख्यालय हाजीपुर में हो चुका है। सामान्य प्रेक्षक श्री आशुतोष ए0 टी0 पेडनेकर का आवासन जिला अतिथि गृह प्रथम तल, कमरा सख्या-01 में है। उनके मिलने का समय सुबह 9 बजे से 10 बजे तक है। उनसे 9414515477, 9430014253 पर संपर्क किया जा सकता है। वहीं पुलिस प्रेक्षक श्री वासन विद्यासागर नायडू का आवासन जिला अतिथि गृह प्रथम तल, कमरा संख्या-06 में है। उनसे 8125497603, 9430013471 पर संपर्क किया जा सकता है। वे मिलने हेतु जिला अतिथि गृह, हाजीपुर में सुबह 10 से 11 बजे के बीच उपलब्ध रहेंगे। जबकि व्यय प्रेक्षक श्री रमेश एम का आवासन जिला अतिथि गृह के प्रथम तल, कमरा संख्या -4 में है।

# इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो एक करोड़ लोगों को दी जाएगी नौकरी : तेजस्वी

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) एचएस कालेज उदाकिशुनगंज में एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र में अगर महागठबंधन की सरकार बनी तो देश में अगस्त माह से एक करोड़ युवाओं को नौकरी दी जाएगी। रसोई गैस पांच सौ रुपए एवं दो यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी देश में धर्म के नाम पर हिंदू - मुस्लिमों को बांटने में लगी है। अगर देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी की सरकार बनी तो संविधान और लोकतंत्र दोनों खतरे में चला जायेगा। इसे बचाने के लिए धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक सरकार इंडिया गठबंधन की सरकार बनाना होगा। तभी हम देशवासी सुरक्षित रह पायेंगे। दुनिया का अगर कोई सबसे झूठा प्रधानमंत्री कोई है तो उसका नाम है नरेंद्र मोदी। उन्होंने वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जनता से किये वायदे को पूरा किया? कालाधन वापस हुआ? बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिला? रसोई गैस सिलेंडर के दाम कम हुए? डीजल - पेट्रोल के कीमतों में कमी आई? नही ना। उन्होंने कहा हम देश में नौकरी, शिक्षा, बेरोजगारी के मुद्दों की बात करते हैं। हमने सरकार में महज 17 माह डिप्टी सीएम रहते हुए 5 लाख लोगों को नौकरी दी। आंगनबाड़ी सेविका, टोला सेवकों, आशा कार्यकताओं को दुगुनी मानदेय दिया। हमने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान इसी धरती पर कहा था बिहार में राजद गठबंधन की सरकार बनेगी तो पहली बैठक में दस लाख लोगों को नौकरी दी जाएगी। हमारी बिहार में सरकार नहीं बनी फिर भी एनडीए गठबंधन में टूट के बाद नितीश चाचा के साथ 17 महीने के सरकार में रहकर उपमुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे पहले पांच लाख नौकरियां दी। अगर इस बार केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो एक करोड़ नौकरी देकर देश से बेरोजगारी को भगा दिया जायेगा।यह हमारा दृढ़ संकल्प है। इसीलिए मधेपुरा से इंडिया गठबंधन के साझा प्रत्याशी डॉ. कुमार चंद्रदीप के लालटेन छाप पर 7 तारीख को बटन दबाकर अपार मतों से विजयी बनाकर लोकसभा भेजने का काम महान जनता करेगी। मौके पर वीआईपी पार्टी के संरक्षक सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी ने अपने संबोधन में कहा कि अच्छे दिन आयेंगे, सभी के खाते में 15-15 लाख रुपए जायेंगे, गया क्या? भाजपा जूमलेबाजों की पार्टी है। भाजपा हमारे विधायकों को तोड़ा, मुझे मंत्री मंडल से बेदखल किया। आज हम समाजिक न्याय की धर्म निरपेक्ष लालू जी के साथ चट्टानी एकता के साथ खड़े हैं। इस बार इंडिया गठबंधन के सभी उम्मीदवार भारी मतों से विजयी होंगे। विपक्षी के अभी से पसीने उतरने लगे हैं। मधेपुरा में राजद प्रत्याशी कुमार चंद्रदीप को अतिपिछड़ा जाति का भरपूर समर्थन मिल रहा है। मौके पर पूर्व मंत्री सह एमएलसी रामचंद्र पूर्वे ने कहा कि मधेपुरा बीपी मंडल की धरती है। यहां राजद का परचम लहरेगा। देश के महान हस्ती भी मधेपुरा की धरती को नमन करता है। इसीलिए इस धरती के लाल कुमार चंद्रदीप को भारी मतों से लालटेन छाप पर बटन दबाकर अपार मतों से विजयी बनायें। मौके पर औरंगाबाद के राजद प्रत्याशी अभय कुशवाहा, प्रेम गुप्ता, सीपीआई नेता प्रमोद प्रभाकर, इंजिनियर प्रभाष यादव, पूर्व जिप अध्यक्ष सुनीला देवी समेत दर्जनों नेताओं संबोधन कर राजद प्रत्याशी के लिए वोट मांगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद जिलाध्यक्ष जयकांत यादव, मंच संचालन राजद प्रखंड अध्यक्ष गजेन्द्र राम व युवा प्रखंड अध्यक्ष रमण यादव ने संयुक्त रूप से किया।

## तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी ने किया राजद प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा

### पीएम मोदी पर जमकर साधा निशाना

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान जोरों पर है। सभी दलों के नेता अपनी-अपनी पार्टियों के उम्मीदवारों के पक्ष में रैलियां कर रहे हैं। वहीं इस क्रम में बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सह राजद नेता तेजस्वी यादव और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने मधेपुरा के घेलाढ आदर्श डिग्री कॉलेज परिसर में राजद प्रत्याशी डॉक्टर कुमार चंद्रदीप के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर तेजश्वी यादव ने जमकर पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा मोदी विश्व में पहला प्रधानमंत्री है जो झूठ बोलने का डिग्री हासिल किया है। वो गोबर को हलवा बना देते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षो से देश में प्रधानमंत्री है लेकिन नरेंद्र मोदी जैसा विश्व में झूठा प्रधानमंत्री कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि कमाई, दवाई, पढ़ाई, सिंचाई, सुनवाई और कारवाई जैसे मुद्दों पर जनता चुनाव लड़ रही है। जनता के जिंदा मुद्दों पर तो प्रधानमंत्री बात ही नहीं करना चाहते।सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी और भाजपा सरकार पर जमकर प्रहार किया। तेजस्वी यादव ने कहा हमारी सरकारी यानी इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो एक करोड़ युवाओं को रोजगार और हर रक्षा बंधन पर बहनों को एक लाख सहयोग राशि देंगे और 500 में गैस सिलेंडर मिलेगा। 1.25 करोड़ का विशेष पैकेज देंगे। दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी देश में धर्म के नाम पर हिंदू - मुस्लिमों को बांटने में लगी है। अगर देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी की सरकार बनी तो संविधान और लोकतंत्र दोनों खतरे में चला जायेगा। इसे बचाने के लिए धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक सरकार इंडिया गठबंधन की सरकार बनाना होगा। तभी हम देशवासी सुरक्षित रह पायेंगे। दुनिया का अगर कोई सबसे झूठा प्रधानमंत्री कोई है तो उसका नाम है नरेंद्र मोदी। उन्होंने वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जनता से किये वायदे को पूरा किया? कालाधन वापस हुआ? बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिला? रसोई गैस सिलेंडर के दाम कम हुए? डीजल - पेट्रोल के कीमतों में कमी आई? नही ना। उन्होंने कहा हम देश में नौकरी, शिक्षा, बेरोजगारी के मुद्दों की बात करते हैं। अगर इस बार केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो एक करोड़ नौकरी देकर देश से बेरोजगारी को भगा दिया जायेगा। यह हमारा दृढ़ संकल्प है। आज हम समाजिक न्याय की धर्म निरपेक्ष लालू जी के साथ चट्टानी एकता के साथ खड़े हैं। इस बार इंडिया गठबंधन के सभी उम्मीदवार भारी मतों से विजयी होंगे। विपक्षी के अभी से पसीने उतरने लगे हैं। राजद का परचम लहरेगा।

## लोकसभा चुनाव को लेकर रक्सौल बॉर्डर पर शुरू चौकसी

### रक्सौल जंक्शन पर डॉग स्क्वाड से हो रही प्रतिबंधित समानों की जांच

प्रात : किरण संवाददाता,
सुबोध कुमार पांडे

रक्सौल। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर रक्सौल बॉर्डर के क्षेत्रों में सुरक्षा ब्यवस्था को सख्त कर दिया गया है।चुनाव आयोग के निर्देश पर इसके लिए सीमावर्ती क्षेत्र में जांच तेज कर दी गई है। चुनाव में प्रतिबंधित सामानों की संभावित आवागमन को ध्यान में रखते हुए भारत-नेपाल की प्रमुख सीमा रक्सौल रेलवे स्टेशन पर प्रशासन मुस्तैदी से निगरानी कर रहा है। जिससे चुनाव में किसी प्रकार की बाधा न पड़े।रक्सौल जंक्शन पर आरपीएफ, जीआरपी व एसएसबी की संयुक्त अभियान में डॉग स्क्वायड टीम के द्वारा जांच की गई। इसकी जानकारी देते हुए जीआरपी इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों का सामना जांच किया गया। वही सकुर्लेटिंग एरिया में भी डॉग स्क्वायड टीम के द्वारा जांच की गई। उन्होंने बताया कि जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा। कोई भी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाएगी।रेल परिक्षेत्र के अलावे अन्य जगहों पर भी सतर्कता और चौकसी बढ़ा दी गई है। जिससे चुनावी माहौल में किसी प्रकार की गड़बड़ी नही हो सके ।

## पूर्व शिक्षा मंत्री ने किया एनडीए पर जुबानी हमला और पप्पू यादव पर कसा तंज

- एनडीए गठबंधन 400 सीट की जुमलेबाजी ही रह जायेगी, 200 सीट में सिमट जाएगी

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा पूर्णियां चुनाव के बाद मधेपुरा में पप्पू फेक्टर हॉबी हो रहा है। राजद उम्मीदवार पर संकट के बादल मंडराने लगी है। वहीं बिहार सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री सह राजद विधायक प्रो. चंद्रशेखर ने एनडीए गठबंधन पर जमकर जुवानी हमला बोला तो वही पप्पू यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा जो स्वयं अपनी जमानत मधेपुरा में नहीं बचा सके वो एनडीए को क्या समर्थन करेंगे।दरअसल अपने विवादित बयानों से मशहूर बिहार के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर ने एक बार फिर एनडीए गठबंधन पर जुवानी हमला किया है उन्होंने मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के राजद उम्मीदवार प्रो. कुमार चंद्रदीप के जीत का दावा करते हुए एनडीए के साथ साथ मधेपुरा के पूर्व सांसद सह पूर्णियां के निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव पर भी बड़ा हमला बोला है, साथ हीं प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि पुरा बिहार यह मान चुका है कि तेजस्वी यादव एक ऐसे नेता हैं जो कहते हैं वो करते हैं। वहीं विपक्षी झूठ का पुलिंदा बांधते हैं, ये सरकार न तो नौकरी पर बोल रही है, न तो महँगाई पर और न हीं सीमा-सरहद पर बोलने की जहमत उठा रही है। उन्होंने एनडीए के चार सौ पार के आंकड़े पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें दो सौ सीट भी नहीं मिलने जा रही है। वहीं पूर्व सांसद पप्पू यादव के द्वारा मधेपुरा में एनडीए प्रत्याशी दिनेश चंद्र यादव को समर्थन देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि एनडीए से तो पप्पू यादव का पुराना रिश्ता है। पूर्णियां चुनाव में भी उन्होंने कहा कि मुझे आरएसएस, बीजेपी सबका समर्थन प्राप्त है। लेकिन पप्पू यादव और उनके समर्थकों को यह बताना चाहता हूँ कि जो स्वयं अपनी जमानत मधेपुरा में नहीं बचा सके। इसलिए उनके समर्थन को कोशी की जनता खारिज कर देगी।

## चलों सब मिलकर करें मतदान नुक्कड़ नाटक के जरिए कलाकारों ने किया जागरूक

- समावेशी कार्यक्रम के तहत सृजन दर्पण के कलाकारों ने 7 मई को मतदान करने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिला मुख्यालय के कृष्णापुरी मुहल्ला में समावेशी कार्यक्रम के तहत सामाजिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में चर्चित संस्था सृजन दर्पण के कलाकारों द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने हेतु छात्र -छात्राओं के बीच संगोष्ठी सहित रंगकर्मी विकास कुमार द्वारा लिखित एवं निर्देशित ह्यचलों सब मिलकर मतदान करेंह्ल नामक नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश ओम ने कहा मतदान लोकतंत्र का आधार है। संविधान द्वारा आम आदमी को प्रदत्त यही वह शक्ति है जिसके जरिए हम अपने शासक को चुन सकते हैं एवं उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं। गीत नृत्य और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने यही बताने का प्रयास किया कि हमें अपने मताधिकार का न केवल प्रयोग करना चाहिए बल्कि अपने इर्द-गिर्द के लोगों को भी मतदान करने के लिए जागरूक करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्था सचिव बिकास कुमार ने कहा कि सभी मतदाता 7 मई को अपने बूथ पर सबसे पहले मतदान करें फिर जलपान करें। उन्होंने कहा कि देश के हर व्यक्ति जब अपने इस महापर्व में कर्तव्य का पालन करेंगे तो स्वतः लोकतंत्र मजबूत होगा। संस्था के सक्रिय सदस्य विधा सागर ने कहा मतदान भी एक प्रकार की राष्ट्र सेवा है इस लिए राष्ट्र मतदान करें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मोहल्ला वासी सहित छात्र छात्राओं मौजूद थे।

## मौरा पहूंचे डीएम दो दिनों के अंदर शुद्ध पेयजल बहाल करने का दिया निर्देश

### महादलित टोलों में ऑन द स्पॉट आधा दर्जन से अधिक चापाकल की हुई मरम्मती

- ग्रामीणों ने कहा घर तक नही पहूंचता है टंकी का पानी
- डीएम ने पीएचईडी विभाग के पदाधिकारियों की लगाई फटकार

प्रात : किरण संवाददाता

शनिवार की दोपहर जिलाधिकारी राकेश कुमार जिले के आधा दर्जन से अधिक अधिकारियों के साथ जल संकट से जूझ रहे मौरा पंचायत अंतर्गत मौरा गांव पहूंचे। डीएम के साथ एसडीओ अभय कुमार तिवारी,सीएस कुमार महेंद्र प्रताप सिंह,कार्यपालक अभियंता पीएचईडी शिवशंकर दयाल व सीओ आरती भूषण साथ चल रहे थे।मौके पर डीएम राकेश कुमार द्वारा मौरा गांव के वार्ड नंबर 7 में नल जल योजना का जायजा लिया।इस दौरान पंचायत के मुखिया धनराज यादव, उप मुखिया आरती कुमारी,महादेव मंडल व निशिकांत मंडल ने डीएम को उक्त वार्डो में नल जल योजना के फेल होने की बात बताई।ग्रामीणों की बात सुनते ही डीएम ने कार्यपालक अभियंता शिवशंकर दयाल को नल जल योजना के क्षतिग्रस्त पाईप लाईन को दो के दिनों के अंदर दुरुस्त कर उक्त वार्डो में पेयजल की सुविधा बहाल करने का निर्देश दिया।ग्रामीणों की पेयजल समस्या को देखते हुए डीएम राकेश कुमार कहा की आप लोग निश्चिंत रहे,दो दिनों के अंदर आप लोगो के घरों तक शुद्ध पेयजल पहूंचा दिया जाएगा। उनोन्हे कहा की जिन वार्डो में नल जल योजना का पानी हर घर तक नही पहूंच पा रहा है। उनोन्हे पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा की उक्त वार्डो के पानी टंकी में लगे मोटर की क्षमता को बढ़ाएं,खासकर महादलित टोलों में पेयजल को ले उत्पन्न हुए संकट को युद्ध स्तर पर कार्य कर इसे निपटाए।किसी भी हाल में ग्रामीण इलाको में बना पानी टंकी बंद नही रहना चाहिए।महादलित टोलो के ग्रामीणों ने का चापाकल खराब रहने की शिकायत डीएम से की। डीएम ने मौके पर ही आधा दर्जन से अधिक बंद पड़े चापाकलो को ठीक कर रिपोर्ट करने की बात जेई से कही।इस दौरान डीएम नदी में गढ्ढा खोद पानी ले जाने पर संज्ञान लेते हुए। बरनार नदी में बने दर्जनों गड्ढों को भी देखा। व मौके पर मौजूद पीएचईडी विभाग के जेई ओमप्रकाश कुमार पर बिफर पड़े। कहा की किसी भी हाल में ग्रामीण नदी का दूषित जल सेवन न करें,इसकी जवावदेही आप की बनती है। हर हाल में गांव वासियों को पानी टंकी दुरुस्त करा शुद्ध पेयजल मुहैया कराया जाए।नही तो आप पर कार्रवाई तय है।मौके पर ग्रामीण अशोक सिंह,साकिंद्र मांझी,वार्ड सदस्य पुतुल मांझी,जीवलाल यादव,प्रमोद यादव,देवेंद्र यादव सहित दर्जनों महिला व पुरुष ग्रामीण मौजूद थे।

## पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से चमकी बुखार से बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

### ग्रामीणों को दी जा रही है चमकी को धमकी देने की सिख

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी।जिले में चमकी बुखार को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से सक्रिय होकर कार्यक्रम चला रही है।वहीं जिले में अब जनप्रतिनिधि भी लोगों को जागरूक करने में शामिल हो सक्रिय भूमिका निभा रहें है।मोतिहारी सदर प्रखंड में सेंटर फॉर कैटालिजिंग चेंज और स्वास्थ्य विभाग के साथ ही उप मुखिया प्रभावती देवी पंचायत कटहां ने अपने वार्ड के साथ ह्लचमकी को धमकीह्ल पर समुदायक चौपाल का आयोजन किया।चौपाल में शाहिद सिद्धिकी, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, कटहां के द्वारा चमकी बुखार होने के कारण, लक्षण और बचाव पर समुदाय के लोगो को जागरूक किया गया।वहीं उप मुखिया प्रभावती देवी ने उपस्थित लोगो को चमकी से होने खतरा से पहले ही बच्चों को सुरक्षित रखने की अपील की, बच्चों को कड़ी धुप में घरों से न निकलने और किसी भी प्रकार बच्चो में को चमकी जैसी हरकत दिखने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में ले जाने या आशा को सूचित कर बच्चे को अस्पताल तक पहुंचाने के अपील की।चौपाल में सी श्री जिला समन्वयक आदित्य राज और प्रखंड समन्वयक सारिका ने उपस्थित लोगों को लीफलेट के माध्यम से चमकी से बचाव के तरीके बताए।जिले के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया की चमकी को धमकी देने को लेकर जिले के चमकी प्रभावित क्षेत्र समेत अन्य प्रखंड क्षेत्र में लोगों को जागरूक करते हुए बच्चों को धूप में न जाने देने,रात को खाली पेट सोने न देने, एवं रात्रि में , खाना जरूर खिलाने की बातें बताई जा रहीं है। उन्होंने बताया की चमकी बुखार की जानकारी के लिए सभी प्रखंड में कंट्रोल रूम संचालन हो रहा है।उन्होंने बताया की चमकी के लक्षण होने पर देरी बिलकुल भी न करें, तुरंत सरकारी अस्पताल लेकर आए।चमकी प्रभावित मरीजों के लिए एंबुलेंस के साथ मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के वाहनों को टैग किया गया है। एंबुलेंस नहीं मिलने पर किसी वाहन से हॉस्पिटल ले जाएं। हॉस्पिटल द्वारा किराया का भुगतान किया जाएगा।जिले के सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिँह ने बताया कि अप्रैल से जुलाई तक बढ़ते तापमान में एईएस / जेई का खतरा होता है। इससे बचाव के लिये अभिभावक अपने बच्चे की धूप से बचाएं। रात को किसी भी हालत में भूखे नहीं सोने दें। दिन में एक बार ओआरएस घोल कर जरूर पिलाएं। बच्चे को कच्चा लीची नहीं खाने दें। बच्चा अगर घर में भी है तो घर की खिड़की व दरवाजा बंद नहीं करें।कमरा हवादार रहने दें। रात में हल्का मीठा जरूर दें, बच्चों पर ध्यान दें. किसी प्रकार की दिक्कत हो तो तुरंत सरकारी अस्पताल लेकर आए।

## नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनना अनिवार्य : चिराग

प्रात : किरण संवाददाता

चौसा (मधेपुरा) प्रखंड मुख्यालय स्थित जनता हाई स्कूल मैदान पर शुक्रवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि देश के विकास को बढ़ाने के लिए नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना चाहि। उन्होंने कहा कि भारत के आदरणीय लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अतक प्रयास से करीब पांच सौ वर्षों तक टेंट में विराजमान रहने वाले भगवान श्री राम का देश स्तर पर भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया और जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर भारत में एक नया इतिहास रचे है। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्व. रामविलास पासवान के अथक प्रयास से ही देश के लगभग 81 करोड लोगों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराए जा ही रही और और प्रधानमंत्री के सौजन्य से गरीब महिलाओं को उज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन देकर देश में विकास की रफ्तार को बढ़ाया है। देश स्तर पर प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड योजना लागू किए जाने के बाद प्रत्येक बीपीएल परिवार के तहत गुजर बसर करने वाले लोगों को पांच लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर भारत में एक नया इतिहास रचे है। प्रधानमंत्री जन धन योजना और किसान सम्मन निधि योजना लागू किए जाने से देश के किसान समृद्ध हो रहे हैं। मंत्री जमा खान ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री माननीय नीतीश कुमार के कार्यकाल में विभिन्न समुदाय के गरीबी रेखा के तहत गुजर बसर करने वाले लोगों के लिए दर्जनों योजनाएं संचालित की जा रही है। बिहार में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री पोशाक और साइकिल तथा एमडीएम सहित कई योजनाएं से छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो रही है। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि पिछले 15 सालों की बात करें तो बिहार में लोगों को किसी भी रास्ते में बदहाल सड़कों से आवाजाही करने के लिए एक बार सोचना पड़ता था। लेकिन आज के परिवेश में बिहार का ऐसा कोई भी जिला और गांव नहीं है जहां बेहतर सड़क का निर्माण नहीं कराया जा सका है। बिहार विधानसभा उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने कहा कि कोसी नदी पर विजय घाट में पक्का पुल का निर्माण कराया गया। कलासन में आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेज का निर्माण कराया गया है जिससे विकास को रफ्तार मिला है। चुनावी सभा की अध्यक्षता जदयू के चौसा प्रखंड अध्यक्ष मनोज प्रसाद ने की। सभा में लोजपा के प्रदेश महासचिव चंदन सिंह, लोजपा जिलाध्यक्ष दिनेश पासवान, भाजपा अध्यक्ष अरुण मंडल, मुर्शीद आलम, मनौवर हुसैन, सूर्य कुमार पटवे, अबू साले सिद्दीकी, कुंदन कुमार बंटी, शिवकुमार यादव, नवल किशोर जयसवाल, कैलाश पासवान, जय प्रकाश यादव, कौशल यादव, पुलकित पासवान, संतोष यादव, गोपाल यादव, सुभाष चौधरी, रामलखन, फरीद आलम, नित्तम गांधी ने भी संबोधित किया।

## नहीं रहे राजनीति विज्ञान साहित्य संस्कृति के पितामह डॉ बी के पांडेय

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। प्रतिष्ठित पूर्व प्राध्यापक और एक सौ प्रकाशित पुस्तकों के बहुचर्चित लेखक डा ब्रजकुमार पांडेय का निधन हो गया। हाजीपुर के समता कालोनी में अपने आवास पर शुक्रवार की देर रात को उन्होंने अंतिम सांस ली।उनकी उम्र करीब सत्तासी वर्ष थी। ब्रजकुमार पांडेय मूलतः बक्सर जिले के निवासी थे।वह करीब साढ़े तीन दशक तक स्थानीय आरएन कालेज में राजनीति शास्त्र के वरिष्ठ प्राध्यापक रहे।उनका संबंध देशभर के सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों से था।वह हाजीपुर की सबसे पुरानी साहित्यिक संस्था किरण मंडल और प्रगतिशील लेखक संघ की बिहार प्रदेश इकाई के अध्यक्ष थे। उनके निधन से समूचे हाजीपुर में ही स्मारिकाओं का संपादन किया था। उन्होंने बिहार विधान परिषद के इतिहास से संबंधित पुस्तक की दो खंडों में रचना की थी।इनके अतिरिक्त राजनीति शास्त्र और समाजशास्त्र पर उनके द्वारा लिखी गयीं एक सौ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी थीं।उनकी अंतिम पुस्तक ह्य वैचारिक विमर्श के पहलू ह्य और उनके लेखकीय अवदान पर प्रकाशित पुवफस्तक ह्य जनपक्ष का पुरुषत्व ह्य (संपादक डा शैलेन्द्र राकेश) का विमोचन बीते तेईस अप्रैल को पटना विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डा तरुण कुमार, कथाकार डॉ संतोष दीक्षित, प्रिंसिपल डा तारकेश्वर पंडित ने किरण मंडल के साहित्यिक आयोजन मधु पर्व में किया था।डा ब्रजकुमार पांडेय ने उस कार्यक्रम की अध्यक्षता भी की थी और अपना सुविचारित भाषण भी दिया था।वह स्वस्थ थे ,उनकी स्मरण शक्ति और लेखकीय सक्रियता आश्चर्यचकित करती थी। उनके निर्देशन में दर्जनों लोगों ने शोध कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की थी। उन्हें जीवित विश्वविद्यालय माना जाता था। डा ब्रजकुमार पांडेय ने अपने अनेक छात्रों को प्राध्यापक और राजनेता बनाया। हाजीपुर के बौद्धिक की शाम कोनहारा घाट पर ले जाया गया। उनके पुत्र रवि नारायण ने उन्हें मुखाग्नि दी।

## अक्षय तृतीया से पूर्व राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश को बिहार में लागू करने की मांग

रक्सौल जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के सहयोगी संगठन प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर ने राज्य सरकार से बाल विवाह के खिलाफ राजस्थान हाई कोर्ट के निर्णय को बिहार में लागू करने की मांग की है।यह भी सुनिश्चित करने की मांग की गई है कि अक्षय तृतीया के दौरान कहीं भी बाल विवाह नहीं होने पाए। प्रदेश में बाल विवाहों की रोकथाम सुनिश्चित करने के राजस्थान हाई कोर्ट के फौरी आदेश के बाद पूरे देश में इस तरह की आवाजें उठने लगी है कि उनके राज्य में भी इसी तरह के सख्त कदम उठाए जाएं। हाई कोर्ट का यह फौरी आदेश ह्यजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस की जनहित याचिका पर आया है। इन संगठनों ने अपनी याचिका में इस वर्ष 10 मई को अक्षय तृतीया के मौके पर होने वाले बाल विवाहों को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी।हाई कोर्ट ने बाल विवाह को रोकने में पंचों व सरपंचों को जवाबदेही निर्धारित किया है।प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर के मोतिहारी जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ने बताया कि राजस्थान हाई कोर्ट का यह आदेश ऐतिहासिक है जिसके दूरगामी नतीजे होंगे। देश में शायद पहली बार ऐसा हुआ है जब पंचायती राज प्रणाली को यह शक्ति दी गई है।

## बाल ह्रदय योजना बनी जीवनदायिनी, 84 बच्चों को मिली जिन्दगी, 04 फिर अहमदाबाद को रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत मुख्यमंत्री बाल ह्रदय योजना राज्य के आर्थिक रूप से गरीब ह्रदय रोग से ग्रसित बच्चों के लिए जीवनदायिनी है। इसके तहत वैशाली जिले के विभिन्न प्रखंड की आरबीएसके टीम द्वारा 0 से 18 वर्ष के बच्चों का स्वास्थ्य जांच आंगनवाड़ी केंद्र और सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों मे जाकर किया जाता है। इसी का परिणाम है कि पूर्ण इलाज और जीने की उम्मीद छोड़ चुके पीड़ित बच्चे पूरी तरह स्वस्थ्य हो रहे है और बच्चों को नया जीवन मिल रहा है, और उनके चेहरे पर नई मुस्कान आ रही हैं। अब तक 84 बच्चों का सफल ऑपरेशन हुआ है और उन्हें जीवनदान मिला है। वहीं वैशाली जिला से बाल ह्रदय योजना अंतर्गत 4 बच्चों प्रिन्स कुमार - बिदुपुर, प्रकाश कुमार - हाजीपुर देवांश, राज - महुआ और सूरज कुमार - लालगंज प्रखंड से शुक्रवार को श्री सत्य साईं ह्रदय अस्पताल अहमदाबाद सर्जरी हेतु, डॉ श्यामनंदन प्रसाद सिविल सर्जन वैशाली, डॉ कुमार मनोज जिला कार्यक्रम प्रबंधक वैशाली, श्रीमती निभा रानी सिन्हा डीसीएम वैशाली एवं डॉ शाइस्ता, डीइआईसी मैनेजर कम कोऑर्डिनेटर आरबीएसके की उपस्थिति मे जिला स्वास्थ्य समिति, वैशाली से 102 एम्बुलेंस के माध्यम से राज्य स्वास्थ्य समिति पटना और फिर पटना एयरपोर्ट के लिए शुभकामनाओं के साथ रवाना किया गया।

सम्पादकीय

## वोट जेहाद के मायने

दुनिया के सबसे प्राचीन लोकतंत्र अमरीका और सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में आजकल जेहाद की गूंज है। संदर्भ और कारण अलग-अलग हैं। अमरीका के संदर्भ में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमरीका में जेहाद नहीं चाहिए। अमरीका में यूनिवर्सिटीज का इस्लामीकरण नहीं होना चाहिए। कुछ यूनिवर्सिटी ऐसी हैं, जिनके परिसरों में युवा शक्ति गाज़ा के फलस्तीनियों के पक्ष में आंदोलित हैं। वे हमास जैसे आतंकी संगठन के समर्थक या प्रतिनिधि हो सकते हैं। आश्चर्य है कि गाज़ा के मुसलमानों के हालात और इज़रायल के हमलों पर अधिकतर इस्लामी देश अब खामोश हैं, लेकिन अमरीका की यूनिवर्सिटीज में आंदोलन जारी हैं। माइक पर नमाज पढ़ी जा रही है। परिसरों में नौजवानों ने तंबू तक गाड़ कर अवरोधक खड़े कर लिए हैं। यह अमरीका के लोकतंत्र की संस्कृति नहीं है। इन आंदोलनों को खत्म किया जाना चाहिए। हमने देखा है कि जब यूरोप ने जेहाद के लिए अपने दरवाजे खोले, तो क्या हुआ? पेरिस को देख लो। लंदन में देख लो। वे अब पहचानने लायक नहीं हैं। हम अमरीका के साथ ऐसा नहीं होने देंगे। हमारे पास अविश्वसनीय संस्कृति और परंपरा है। बहरहाल भारत में आम चुनाव का मौसम है। लोकसभा के लिए मतदान के चरण जारी हैं, लेकिन मारिया आलम खां ने वोट जेहाद के जरिए मुसलमानों का आह्वान किया है। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की भतीजी हैं। सम्पन्न और शिक्षित परिवार से हैं। फिर भी इतनी सांप्रदायिक और देश-विरोधी सोच की हैं, उनका आह्वान सुनकर हैरानी हुई। जेहाद सिर्फ नारेबाजी तक सीमित नहीं था, बल्कि मारिया ने मौजूदा सत्ता के प्रति जिन शब्दों का इस्तेमाल किया है, वे बेहद नफरती और आपत्तिजनक भी हैं। सवाल है कि क्या भारत में हिंदू, मुसलमान, ईसाई, पारसी आदि के अलगाववादी आह्वानों पर ही चुनाव लड़े जा सकते हैं? चुनाव आपसी समभाव, सौहार्द और भाईचारे के भाव के साथ नहीं हो सकते? भारत तो संवैधानिक तौर पर पंथनिरपेक्ष देश है। दरअसल इस तरह जेहाद की बात करना आपराधिक मानसिकता है। मारिया जैसे लोग चाहते हैं कि एक-एक मुसलमान घर से निकले और अपने तय मुस्लिम उम्मीदवार के पक्ष में ही वोट सुनिश्चित करे। मुसलमानों को देश के संसाधनों पर भी पहला हक चाहिए। सरकारी नौकरियों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी ठेकों, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आरक्षण चाहिए। कांग्रेस 2009 से अपने चुनाव घोषणा पत्रों में ऐसे आरक्षण या समान अवसर मुहैया कराने का आश्वासन देती आ रही है। उससे पहले भी ऐसी ही सोच रही होगी, लेकिन हमने खंगाल कर नहीं देखा। यह दीगर है कि मई, 2014 से कांग्रेस केंद्रीय सत्ता के बाहर है, लेकिन वह मुस्लिम अल्पसंख्यकों के पर्सनल लॉ, पोशाक, खान-पान और वक्फ के वर्चस्व को भी पूरी स्वतंत्रता दिए जाने की सुनिश्चित घोषणा कर चुकी है।

## वोट जिहाद से डर गए महाबली

राकेश अचल

मजबूरी है 4 जून तक बेतुकी सियासत के साथ आपके साथ बने रहना। बीते रोज कांग्रेस ने गांधी परिवार की पारम्परिक कहें या पुश्तैनी सीट से राहुल गांधी को अपना उम्मीदवार बनाकर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दीं। भाजपा वैसे ही तमाम मुद्दों के हाथ से फिसलने के बाद हलकान है और विपक्ष के पाले में आकर खेलने या खेला करने के लिए विवश है। ऊपर से बकौल भाजपा कांग्रेस के शाहजादे ने एक और तुरुप चल दी। भाजपा राहुल गांधी को शाहजादा क्यों कहती है, ये बात भी शोध की जरूरत है। मुझे तो राहुल किसी भी कोण से शाहजादे नजर नहीं आते। बहरहाल अब भाजपा राहुल को अमेठी से चुनाव न लड़ने के लिए रणछोड़े बनाने पर उतारू है।

भाजपा जिसे जो चाहे सो बना देती है। उसके पास शायद बंगाल का काला जादू है। भाजपा ने पहले राहुल को पप्पू बनाया, बेचारे राहुल पप्पू बन भी गये। जब पूरा देश पप्पू बन सकता है तो राहुल किस खेत की मूली हैं? लेकिन ये राहुल ही थे जो अपने ऊपर चस्पा किये गए पप्पू के लेबिल को खींचकर उतारने में कामयाब रहे और उन्होंने फेंकू के सामने खुद को मुकाबले में ला खड़ा किया। भाजपा की मुसीबत सचमुच राहुल और उनकी कांग्रेस ही है। बाकी दलों से तो भाजपा निबट भी ले किन्तु कांग्रेस से निबटना उसके लिए अभी तक मुमकिन नहीं हुआ। कांग्रेस को निबटने में भाजपा ने अपने बहुमूल्य दस साल बर्बाद कर लिये। इस समय का इस्तेमाल भाजपा अगर देश को बनाने में करती तो मुमकिन है कि आज उसे हांफना न पड़ता। कांग्रेस ने राहुल को रायबरेली से प्रत्याशी बनाकर भाजपा की तमाम रणनीति को नाकाम कर दिया।

आप जानते हैं कि उत्तर प्रदेश को जीते बिना भाजपा का तीसरी बार सत्ता में वापस आने का सपना पूरा नहीं हो सकता। 2019 में भाजपा ने जैसे -तैसे अमेठी से राहुल गांधी को पराजित कर यूपी से बाहर करने में कामयाबी हासिल कर ली थी, लेकिन भाजपा तमाम कसबल के बावजूद रायबरेली से श्रीमती सोनिया गाँधी को नहीं हरा पाई थी। राहुल ने इसीलिए वायनाड से चुनाव लड़ा। भाजपा ने राहुल की सांसदी छीनने के लिए दूसरे हथकंडे भी अपनाये थे, सांसदी छीन भी ली थी किन्तु माननीय बड़ी अदालत आड़े आ गयी। अब राहुल ने उत्तर प्रदेश में दोबारा वापसी दर्ज कराकर भाजपा की नींद हराम कर दी है। राहुल की उत्तर प्रदेश वापसी का मतलब भाजपा की आधी ताकत राहुल को संसद जाने से रोकने में खर्च करना है। भाजपा ने अमेठी से तो राहुल को बेदखल कर दिया था लेकिन रायबरेली से शायद ये मुमकिन न हो। मैंने शायद शब्द का इस्तेमाल किया है, क्योंकि मै किसी भी चीज को असम्भव नहीं मानता, क्योंकि अभी देश में मोदी जी हैं जो कुछ भी मुमकिन कर सकते हैं। भाजपा कांग्रेस और राहुल से किस कदर परेशान है इसका उदाहरण खुद प्रधानमंत्री मोदी जी के भाषण हैं। मोदी जी ने उत्तरप्रदेश से दूर अपने गृहराज्य गुजरात के टाटा मैदान में कांग्रेस के उस वोट जिहाद को लेकर अपनी चिंता जताई जो पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने चलाने की बात कही थी। खुर्शीद न कांग्रेस हैं और न कोई मौलवी। वे एक जननेता हैं और उन्होंने जिस वोट क्रांति की बात कही है उसे लेकर भाजपा की यानि माननीय प्रधानमंत्री तक की नींद उड़ गयी है। चुनाव प्रचार में हिन्दू-मुसलमान का जुमला उछलने के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग के नोटिस की परवाह किये बिना मोदी जी और उनकी पूरी पार्टी देश के बाहुसंख्यक हिन्दुओं को अल्पसंख्यक मुसलमानों से डराने की कोशिश कर रही है। वोट जिहाद ने तो भाजपा को और भयभीत कर दिया है और अब भाजपा ने इसे भी चुनावी मुद्दा बना लिया है।

भारतीय जनता पार्टी की ह्यमहा विजय संकल्प सभाह्न को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ह्यह्यकांग्रेस आपकी संपत्ति वोट जिहाद में शामिल लोगों को बांटना चाहती है लेकिन मोदी सुनिश्चित करेगा कि गरीबों, दलितों और आदिवासियों का देश की संपत्ति पर पहला अधिकार हो. पृथ्वी पर किसी भी ताकत को हमारे संविधान को बदलने या उससे छेड़छाड़ की अनुमति नहीं दी जाएग। सवाल ये है की मोदी ये सब सुनिचित किस हैसियत से करेंगे? क्या वे भारत के भाग्यविधाता हैं।? क्या उन्हें देश ने तीसरी बार जनादेश दे दिया है? या उन्होंने खुद जनादेश हड़पने की पूरी तैयारी कर ली है? ह्न। मोदी जी तीसरी क्या चौथी बार प्रधानमंत्री बनें हमें क्या फर्क पड़ने वाला है, लेकिन उनके दम्भ और उसके पीछे छिपे भय को देखकर मुझे और मेरे जैसे तमाम संवेदनशील लोगों को मोदी जी पर अब दया आने लगी है।

मोदी जी आदिकाल से गांधी परिवार विहीन देश और कांग्रेस विहीन संसद देखना चाहते है। वे देश की अठारहवीं सांसद को अपने सपनों की संसद बनाना चाहते हैं लेकिन बना नहीं पा रहे। संसद के सर्वोच्च सदन में कांग्रेस की प्रमुख श्रीमती सोनिया गाँधी पहले ही पहुँच चुकी है। यानि कम से कम छह साल तक तो कांग्रेस की उपस्थिति संसद में रहना ही है और अब राहुल गांधी भी वायनाड के साथ ही रायबरेली से चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतर चुके हैं। अर्थात राहुल कहीं न कहीं से संसद में प्रवेश पा जायेंगे। ऐसे में न कांग्रेस विहीन भारत बन पायेगा और न कांग्रेस विहीन संसद। मोदी जी को अपना सपना पूरा करने के लिए मुमकिन है कि एक जन्म और लेना पड़े !

राहुल गांधी रणछोड़ हैं या नहीं ये मै नहीं कह सकता। क्योंकि यदि इस तरह की कोई सूची बनाई जाएगी तो भाजपा के आदि पुरुष माननीय श्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी सबसे बड़े रणछोड़ माने जायेंगे। अटल जी तो पूरे जीवन इधर से उधर भागते रहे। यूपी के बलरामपुर से विदिशा, ग्वालियर और लखनऊ तक। उन्होंने 1985 में अपने गृहनगर ग्वालियर से हारने के बाद कभी ग्वालियर की ओर मुंह नहीं किया। वैसे हम सनातनी हैं। हम अपने इष्ट को भी रणछोड़ के नाम से बुलाते हैं। हमारे रणछोड़ के इलाके से आजकल श्रीमती हेमामालिनी चुनाव लड़ती हैं। इसलिए मेरी दृष्टि में रणछोड़ होना भी बुरी बात नहीं है। रणछोड़ भी रणनीति का ही एक अंग है, जैसे खुद मोदी जी का गुजरात से उत्तर प्रदेश आकर चुनाव लड़ना। मै राहुल को रणछोड़ तब मानता जब वे संसद का चुनाव लड़ने के बजाय पिछले दरवाजे से यानि राज्य सभा के जरिये संसद में प्रवेश करते। लेकिन राहुल ने ऐसा नहीं किया।

# भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती उत्पादों की मांग

इससे, ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर निर्मित होने लगे हैं एवं ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कुछ कम हुआ है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के खंडकाल में शहरों से ग्रामीण इलाकों की ओर शिफ्ट हुए नागरिकों में से अधिकतर नागरिक अब ग्रामीण क्षेत्रों में ही बस गए हैं एवं अपने विशेष कौशल का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को प्रदान कर रहे हैं। हाल ही में जारी किए गए कुछ सर्वे प्रतिवेदनों के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग की एक नई कहानी लिखी जा रही है क्योंकि अब विभिन्न उत्पादों की मांग ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। उपभोक्ता वस्तुओं एवं ऑटो निमार्ता कम्पनियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही के समय में उपभोग की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं एवं दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों (ट्रैक्टर सहित) की मांग में तेजी दिखाई दे रही है, जो कि वर्ष 2023 में लगातार कम बनी रही थी। यह संभवतः रबी फसल के सफल होने के चलते भी सम्भव हो रहा है। उक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी हाल ही में सम्पन्न अपनी द्विमासिक मोनेटरी पॉलिसी की बैठक में रेपो दर में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की है, ताकि बाजार, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार में, उत्पादों की मांग विपरीत रूप से प्रभावित नहीं हो, ताकि इससे अंततः वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के आर्थिक विकास की दर भी अच्छी बनी रहे। भारत में पिछले कुछ समय से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादों की मांग, शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध मांग की तुलना में कम ही बनी रही है। परंतु, वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही के बाद से इसमें कुछ परिवर्तन दिखाई दिया है



**प्रहलाद सबनानी**
**लेखक, पत्रकार, स्तंभकार**



भारत में आज भी लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है एवं अपने जीवन यापन के लिए मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र पर ही आश्रित रहती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार किये जा रहे विकास कार्यों के चलते इन क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत व्यय की जाने वाली राशि में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। इससे, ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर निर्मित होने लगे हैं एवं ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कुछ कम हुआ है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के खंडकाल में शहरों से ग्रामीण इलाकों की ओर शिफ्ट हुए नागरिकों में से अधिकतर नागरिक अब ग्रामीण क्षेत्रों में ही बस गए हैं एवं अपने विशेष कौशल का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को प्रदान कर रहे हैं।

हाल ही में जारी किए गए कुछ सर्वे प्रतिवेदनों के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग की एक नई कहानी लिखी जा रही है क्योंकि अब विभिन्न उत्पादों की मांग ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। उपभोक्ता वस्तुओं एवं ऑटो निमार्ता कम्पनियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही के समय में उपभोग की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं एवं दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों (ट्रैक्टर सहित) की मांग में तेजी दिखाई दे रही है, जो कि वर्ष 2023 में लगातार कम बनी रही थी। यह संभवतः रबी फसल के सफल होने के चलते भी सम्भव हो रहा है।

उक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी हाल ही में सम्पन्न अपनी द्विमासिक मोनेटरी पॉलिसी की बैठक में रेपो दर में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की है, ताकि बाजार, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार में, उत्पादों की मांग विपरीत रूप से प्रभावित नहीं हो, ताकि इससे अंततः वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के आर्थिक विकास की दर भी अच्छी बनी रहे। भारत में पिछले कुछ समय से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादों की मांग, शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध मांग की तुलना में कम ही बनी रही है। परंतु, वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही के बाद से इसमें कुछ परिवर्तन दिखाई दिया है एवं अब ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई देने लगी है। यह तथ्य विकास के कुछ अन्य सूचकांकों से भी उभरकर सामने आ रहा है। जनवरी-फरवरी 2024 माह में दोपहिया वाहनों की बिक्री में, पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान की बिक्री की तुलना में, 30.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है, जो हाल ही के कुछ वर्षों में अधिकतम वृद्धि दर मानी जा रही है। दोपहिया वाहनों की बिक्री ग्रामीण इलाकों (लगभग 10 प्रतिशत) में शहरी इलाकों (लगभग 7 प्रतिशत) की तुलना में अधिक रही है। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले रोजगार के अवसरों की मांग में भी फरवरी-मार्च 2024 माह के दौरान 9.8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध हो रहे हैं। इसी प्रकार, ट्रैक्टर की बिक्री में भी जनवरी-फरवरी 2024 माह के दौरान 16.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में कुल 892, 313 ट्रैक्टर की बिक्री हुई है जो पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है।

भारत के मौसम विभाग द्वारा जारी की गई भविष्यवाणी के अनुसार, वर्ष 2024 के मानसून मौसम के दौरान भारत में मानसून की बारिश के सामान्य से अधिक रहने की प्रबल सम्भावना है। इससे भारत के किसानों में हर्ष व्याप्त है क्योंकि मानसून के अच्छे होने से खरीफ की फसल के भी बहुत अच्छे रहने की सम्भावना बढ़ गई है। मौसम विभाग के सोचना है कि इस वर्ष अल नीनो के स्थान पर ला नीना का प्रभाव दिखाई देगा। अल नीनों के प्रभाव में देश में बारिश कम होती है एवं ला नीना के प्रभाव में देश में बारिश अधिक होती है। साथ ही, भारतीय किसान अब तिलहन, दलहन एवं बागवानी की फसलों की ओर भी आकर्षित होने लगे हैं। दालों, वनस्पति, फलों एवं सब्जियों के अधिक उत्पादन से किसानों की आय में वृद्धि दृष्टिगोचर है। केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न खाद्य उत्पादों की बिक्री के लिए ई-पोर्टल के बनाए जाने के बाद से तो भारतीय किसान अपनी फसलों को वैश्विक स्तर पर सीधे ही बेच रहे हैं और अपने मुनाफे में वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। भारतीय खाद्य पदार्थों की मांग अब वैश्विक स्तर पर भी होने लगी है एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में भी नित नए रिकार्ड बनाए जा रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग सामान्यतः अच्छे मानसून के पश्चात अच्छी फसल एवं विभिन्न सरकारों, केंद्र एवं राज्य सरकारों, द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों पर किए जा रहे खर्चों में बढ़ौतरी के चलते ही सम्भव होती है। केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की गई विकास की विभिन्न योजनाओं पर व्यय में लगातार वर्ष दर वर्ष वृद्धि की जा रही है एवं इसके लिए केंद्रीय बजट में भी बढ़े हुए व्यय का प्रावधान प्रति वर्ष किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं इन इलाकों में विभिन्न उत्पादों की मांग भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

नीलसन द्वारा किए गए एक सर्वे के यह बताया गया है कि जनवरी एवं फरवरी 2024 माह में भारत में विभिन्न उत्पादों की शहरी क्षेत्रों में मांग 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग 2.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। विशेष रूप से फरवरी 2024 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग में वृद्धि लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। रबी की फसल के भी अच्छे रहने की सम्भावना बलवती हुई है जिसके कारण किसानों की मनोदशा भी सकारात्मक बन रही है और यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश की आर्थिक वृद्धि दर को बलवती करने के मुख्य भूमिका निभाने जा रही है। आज देश की लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है यदि ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों की मनोवृत्ति सकारात्मक हो रही है तो निश्चित ही वित्तीय वर्ष 2024-25, आर्थिक विकास की दृष्टि से अतुलनीय परिणाम देने वाला वर्ष साबित होने जा रहा है।

# पशु जीवन के साथ भी हो गरिमापूर्ण व्यवहार

पशु क्रूरता में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के जानबूझकर, दुर्भावनापूर्ण कार्य और कम स्पष्ट स्थितियाँ शामिल हैं जहाँ किसी जानवर की जरूरतों की उपेक्षा की जाती है। जानवरों के खिलाफ हिंसा को आपराधिक हिंसा और घरेलू दुर्व्यवहार की उच्च संभावना से जोड़ा गया है। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया है : लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है ; इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें, अन्य बातों के अलावा, एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है ....



**डॉ. सत्यवान सौरभ**
(लेखक वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार हैं



दंड संहिता में संशोधन करके, जानवरों को अनावश्यक दर्द या कष्ट देने और जानवरों को मारने या गंभीर रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए सजा बढ़ा दी गई। इसमें क्रूरता के विभिन्न रूपों, अपवादों और किसी पीड़ित जानवर के खिलाफ कोई क्रूरता होने पर उसे मार डालने की चर्चा की गई है, ताकि उसे आगे की पीड़ा से राहत मिल सके। अधिनियम का विधायी इरादा ह्लजानवरों को अनावश्यक दर्द या पीड़ा पहुंचाने से रोकनाह्न है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। यह अधिनियम जानवरों पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा पहुंचाने के लिए सजा का प्रावधान करता है। यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है। पहले अपराध के मामले में, जुमार्ना जो दस रुपये से कम नहीं होगा, लेकिन जो पचास रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पिछले अपराध के तीन साल के भीतर किए गए दूसरे या बाद के अपराध के मामले में जुमार्ना पच्चीस रुपये से कम नहीं होगा। जिसे एक सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है या तीन महीने तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए जानवरों पर प्रयोग से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करता है। यह अधिनियम प्रदर्शन करने वाले जानवरों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन करने वाले जानवरों के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित प्रावधानों को स्थापित करता है।

प्रतिशोध (किए गए अपराध का बदला लेने के लिए दी गई सजा), निवारण (अपराधी और आम जनता को भविष्य में ऐसे अपराध करने से रोकने के लिए दी गई सजा), सुधार या पुनर्वास (अपराधी के भविष्य के व्यवहार को सुधारने और आकार देने के लिए दी गई सजा), कानून का खराब कार्यान्वयन और इसके द्वारा निर्धारित कम दंड से पीसीए अधिनियम अत्यंत अप्रभावी प्रतीत होता है। अधिनियम के तहत अधिकांश अपराध जमानती हैं (आरोपी अधिकार के तौर पर पुलिस से जमानत मांग सकता है) गैर-संज्ञेय (जिसका अर्थ है कि पुलिस स्पष्ट अनुमति के बिना न तो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर सकती है और न ही जांच कर सकती है या गिरफ्तारी कर सकती है। पीसीए अधिनियम के तहत जुमार्ने के रूप में निर्धारित राशि वही है जो इसके पूर्ववर्ती, पीसीए अधिनियम 1890 में निर्धारित है। जुमार्ना महत्वहीन है (कई मामलों में 10 से कम) क्योंकि 130 से अधिक वर्षों में उनमें संशोधन नहीं हुआ है। कानून को इस तरह से लिखा गया है कि मामले से निपटने वाली अदालत को आरोपी पर कारावास या जुमार्ना लगाने के बीच चयन करने का विवेक है।

यह पशु क्रूरता के अपराधियों को अधिकांश मामलों में केवल जुमार्ना अदा करके पशु क्रूरता के सबसे क्रूर रूपों से बच निकलने की अनुमति देता है। कानून में स्वयं सामुदायिक सेवा के लिए कोई प्रावधान नहीं है जैसे कि सजा के रूप में पशु आश्रय में स्वयंसेवा करना, जो संभावित रूप से अपराधियों को सुधार सकता है। जानवरों के लिए पाँच मौलिक स्वतंत्रताओं का समावेश, दंडों में वृद्धि और विभिन्न अपराधों के लिए जुमार्ने के रूप में भुगतान की जाने वाली धनराशि, नए संज्ञेय अपराधों को जोड़ना, मसौदा विधेयक में पशु क्रूरता के मामले से निपटने वाली अदालत के लिए दो विकल्पों के रूप में कारावास और जुमार्ने का प्रावधान जारी रखा गया है। पशुओं को मौलिक अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान किये गये हैं। अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) व्यक्तियों को दिए गए हैं। व्यक्ति का अर्थ है मनुष्य या मनुष्यों के संघ, जैसे निगम, साझेदारी, ट्रस्ट आदि अनुच्छेद 48 गायों, बछड़ों और अन्य दुधारू और माल ढोने वाले मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्ल में सुधार करना, अनुच्छेद 48ए पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए अधिनियम), 1960 जानवरों के प्रति क्रूरता का कारण बनने वाले कई प्रकार के कार्यों को अपराध मानता है। यह चिकित्सा उन्नति सुनिश्चित करने की दृष्टि से प्रयोगों के लिए जानवरों के उपयोग की छूट देता है। भले ही विधेयक का मसौदा कानून बन जाए, फिर भी अपराधियों के लिए मामूली जुमार्ना भरना और अत्यधिक क्रूरता के कुछ कृत्यों के लिए कारावास से बचना संभव होगा। अपनी सीमाओं के साथ, मसौदा विधेयक का अधिनियमन भारत में पशु कानून के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। भारत को दुनिया के सभी देशों के लिए एक महान उदाहरण स्थापित करना चाहिए। हमें एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए, इसलिए नहीं कि मुझे लगता है कि हम श्रेष्ठ हैं लेकिन क्योंकि हमने किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं अधिक अहिंसा के बारे में बात की है, इसलिए जितना अधिक हम इसके बारे में बात करेंगे, इसे व्यवहार में लाने की जिम्मेदारी उतनी ही अधिक होगी। नई सरकार को यह जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए ताकि पीसीए अधिनियम (1960) में संशोधन अंततः दिन के उजाले को देख सके। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया हैः लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है; इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें, अन्य बातों के अलावा, एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

# चुनावी समय में सोशल मीडिया बना चाणक्य

डा. निधि शर्मा

आज के समय में वही उम्मीदवार जनता का पसंदीदा बन जाता है जो सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंच बनाता है क्योंकि जो दिखाता है वही बिकता है, इसी बाजार की रणनीति को आज सभी राजनीतिक पार्टियां अपना रही हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि विज्ञापन को जांचने व परखने के लिए कई जांच एजेंसियां व प्रतियोगी कंपनियां अन्य कंपनियों के खिलाफ भ्रामकता के आधार पर कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकती हैं। इसका हालिया उदाहरण देखने को मिला कि सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को भ्रामक विज्ञापन देने के लिए फटकार लगाई और इसके साथ-साथ इस कंपनी के खिलाफ याचिकाकर्ता इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को भी आड़े हाथों लिया। कोर्ट ने एलोपैथी डॉक्टरों द्वारा मरीजों को कथित तौर पर महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखने पर नाराजगी जताई है। इस मुद्दे से कोर्ट का जनता के शरीर पर पडवाले नकारात्मक असर का चिंतन तो उजागर होता है, लेकिन हर दिन सोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाले कटेंट का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर पडे वाले नकारात्मक प्रभाव की जिम्मेवारी कौन लेगा? इन दिनों चुनावी समय में तो हर राजनीतिक पार्टी स्वयं भी और इंफलुएंसर के माध्यम से देश के हर तबके तक पहुंचने के लिए प्रभावी सामग्री का प्रयोग अनिवार्य रूप से कर रही है।

यह सामग्री कितनी सही है और कितनी गलत, इसके लिए न तो कोई सरकारी मशीनरी है और न ही कोई एजेंसी। हालांकि चुनाव आयोग सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव प्रसार संबंधित सामग्री को जांचने के लिए हर जिले व राज्य स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम के माध्यम से मॉनिटरिंग कर रहा है, लेकिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में सामग्री साधारण न होकर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस से भी बनाई जा रही है जिससे निपटना बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसके अलावा चुनाव आयोग तो आचार संहिता लागू होने के बाद से ही एक्टिव हुआ है, लेकिन राजनीतिक पार्टियां पिछले एक साल से अपने प्रचार-प्रसार में जुट गई हैं। यह बात इससे सिद्ध होती है कि यह वर्ष शुरू होते ही चुनावों को देखते हुए देश की राजनीतिक पार्टियों ने पहले 2 से 3 महीनों में मेटा एवं गूगल विज्ञापन में 102.7 करोड़ खर्च कर दिए। वहीं भाजपा पिछले एक साल से सरल नाम की ऐप के जरिए जनता से संपर्क बनाने में लगी हुई है, जिसे लगभग 2.9 मिलियन लोग गूगल प्ले स्टोर के जरिए डाउनलोड कर चुके हैं। वहीं विपक्षी गठबंधन भी सामाजिक न्याय, किसान, युवा व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म से उठाकर बड़ा अभियान चला रहा है। लेकिन फिर सवाल सिर्फ इतना है कि इन पार्टियों द्वारा दी जा रही सूचना कितनी विश्वसनीय है? सोशल मीडिया के प्रति दीवानगी इतनी है कि डिजिटल सलाहकार फर्म केपियोस के मुताबिक दुनिया भर में 520 करोड़ लोग सोशल मीडिया की अलग-अलग साइट्स का प्रयोग करते हैं जिनकी संख्या सालाना 3 से 4 प्रतिशत बढ़ रही है। वहीं हमारे देश में आईआईएस रोहतक के एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 62 प्रतिशत युवा जानकारी के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म उपयोग करते हैं जिनमें से एक पुरुष औसतन स्क्रीन पर 6 घंटे 45 मिनट और महिला 7 घंटे 5 मिनट व्यतीत करती है। यानी कि सोशल मीडिया ही सूचना का मुख्य स्त्रोत बन चुका है। इस संदर्भ में सूचना का प्रवाह और उसकी संरचना मानवीय व्यवहार पर प्रभाव डाल रही है। चुनावी समय में पार्टियां अन्य समय से दुगनी रफ्तार के साथ अपने ऑनलाइन सामग्री के माध्यम से जनता को जोडे की कोशिश करती हैं। जिस पार्टी की गति जितनी नवनीतम और तेज होती है वो उसी गति से नए वोटर व समर्थन हासिल करने में कामयाब हो जाती है। खास बात यह है कि इन सोशल मीडिया साइट्स के मालिक इस समय में नियंत्रण करने के बजाय मूकदर्शक बन जाते हैं क्योंकि यह समय पैसा बनाने का है। इस बिंदु पर न तो कोई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानून उन्हें नियंत्रण कर सकने में सक्षम है। इस मौके का फायदा उठाकर पार्टियां अनियंत्रित तरीके से नियोजित वर्ग में किसी भी तरीके से अपनी पहुंच बढ़ाती हैं और उनके आईटी सैल जनता की भावनाओं को अपने पक्ष में करने की पूरी कोशिश करते हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### नेपाली शराब पुलिस ने किया जब्त

ढाका,(पुर्वी चम्पारण)-कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र के जटवलिया गांव के समीप पुलिस ने दो बाइक पर लादे शराब सहित दो बाइक को जब्त किया है।हालाकि दोनो बाइक सवार पुलिस वाहन को देख भागने में सफल रहे। उक्त मामले में नेपाल निर्मित सौफी, बीयर और अंग्रेजी शराब जब्त की गई है। खबर की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष राकेश कुमार राय ने बताया की जब्त बाइक के मालिक पर केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वही फरार तस्कर की भी गिरफ्तारी जल्द होगी।

### मुखिया संजय रजक की मोटरसाइकिल छीनी

इसुआपुर ।प्रखंड की रामचौरा पंचायत के मुखिया तथा स्थानीय थाना क्षेत्र क बंगरा गांव निवासी संजय कुमार रजक की मोटरसाइकिल अज्ञात अपराधियों ने छीन ली है। वहीं मोटरसाइकिल पर सवार एक अन्य समर्थक की मोबाइल भी छीन ली गई है। घटना के संबंध में मुखिया और उनके समर्थक सुम्हां गांव के शिवकुमार सिंह के पुत्र बिट्टू कुमार ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें कहा गया है कि वे दोनों देर रात न्योता करके लौट रहे थे। इस दौरान बिट्टू कुमार मुखिया को उनके घर पर छोड़कर अपने घर सुम्हां गांव लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में सुम्हां तथा रामचौरा गांवों के बीच एक पुलिया पर बैठे चार-पांच अपराधियों ने उन्हें रोककर मुखिया की मोटरसाइकिल छीन ली। वहीं बिट्टू कुमार का मोबाइल भी छीन लिया।

### 23 कोलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

बनकटवा पु च बेलदरवा एसएसबी के जवानों ने शनिवार की दोपहर सीमावर्ती क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर पिलर संख्या 383/4 के लगभग 700 मीटर दूरी पर जामुनभार गांव से एक कारोबारी को तेईस किलो गांजा (नशीली पदार्थ ) के साथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी देते एसएसबी 71वीं बटालियन के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी की नेपाल से भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे एक तस्कर नशीली पदार्थ गांजा लेकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर गए जिसपर एसएसबी द्वारा नाका लगा कर करवाई कर एक तस्कर को दबोच लिया गया।बताया कि उक्त तस्कर की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के नौतन गांव निवासी बाबूलाल पिता हारगेन महतो के रुप में किया गया कागजी प्रक्रिया पूरा कर तस्करों को नशीले पदार्थ के साथ आदापुर थाना पुलिस को सौप दिया गया।

### स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को किया जागरूक

इसुआपुर । आगामी 25 मई को महाराजगंज लोकसभा में होने वाले चुनाव के मधेनजर प्रखंड के 13 पंचायतों में स्वीप कार्यक्रम के तहत डोर टु डोर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सेविका, सहायिकाओं के द्वारा प्रतिदिन 10 से 15 घरों का भ्रमण किया जा रहा है। वहीं मतदाताओं को मतदान की अनिवार्यता बताई जा रही है। बेहतर सरकार चुनने की भी बात कही जा रही है। सीडीपीओ चंद्रकांति कुमारी ने बताया कि मतदाता जागरूकता के लिए पूर्व से ही प्रत्येक बूथ पर मतदाता पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में बीएलओ, राजस्व कर्मचारी तथा पंचायत सचिव द्वारा भी अहम भूमिका निभाई जा रही है।

### मशरक थाना में लगा जनता दरबार,दो नये मामले दर्ज

मशरक थाना परिसर में शनिवार को भूमी संबधी विवादों के निपटारे को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में सीओ सुमंत कुमार , बड़ा बाबू रवि कुमार और थाना पुलिस मौजूद रहीं। मौके पर सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि जनता दरबार में दो नया मामला दर्ज कराया गया जिसे जांच के लिए रजिस्टर्ड कर लिया गया वहीं एक मामला पहले से लंबित था जिस पर सुनवाई की गयी जिसका निपटारा अगले जनता दरबार में किया जाएगा।

### परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत नई किट का किया वितरण

मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर नई पहल किट का वितरण आशा कार्यकताओं को किया गया। आशा कार्यकताओं के द्वारा पोषक क्षेत्र में नव विवाहित दंपतियों को नई पहल किट का वितरण कर परिवार नियोजन के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रभारी डॉ संजय कुमार ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण तथा 2 बच्चों तक परिवार सीमित रखने के लिए किट का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि नई पहल किट में एक जूट बैग, विवाह पंजीकरण फार्म, जागरुकता पेंपलेट, एक छोटा बैग, तौलिया, कंघी, बिंदी, नेलकटर, दो सेट रूमाल व एक छोटा शीशा शामिल होगा। इसके अतिरिक्त बैग में गर्भ निरोधक गोलियां एवं प्रेग्नेंसी जांच किट भी शामिल है। मौके पर बीसीएम लव कुश कुमार, बीएमसी कुमुद रंजन, स्वास्थ्य प्रबंधक अमित कुमार समेत आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

# पुरानी पेंशन के लिए एकजुट रहें रेलकर्मी : रमेश मिश्रा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। डॉ ए एच अंसारी मंडल अध्यक्ष पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ ने बताया कि रमेश मिश्रा , जोनल सचिव एनएफआईआर , नई दिल्ली सह केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ वाराणसी से छपरा रेल कर्मचारियों की समस्याओं से रूबरू होने के लिए आए। उन्होंने रेलवे के प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों से मिलकर रेलवे बोर्ड एवं केन्द्र सरकार की कर्मचारी विरोधी रवैए से अवगत कराया। जोनल सचिव ने सभी कार्य स्थलों का सघन दौरा किया। साथ में पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ के केन्द्रीय सहायक मंत्री एस आर सहाय , शाखा मंत्री अमिताभ गौतम एवं कोषाध्यक्ष प्रेम नाथ सिंह भी थे। जोनल सचिव रमेश मिश्रा एक-एक रेल कर्मचारियों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। जोनल सचिव एनएफआईआर रमेश मिश्रा सुबह से छपरा के इंजीनियरिंग हट , कैरेज डिपो , डीजल लाबी एवं स्टेशन पर कार्यरत परिचालन तथा कमर्शियल कर्मचारियों के बीच में एक - एक कर्मचारी की समस्याओं से अवगत हुए। उन्होंने रेल कर्मचारियों की समस्याओं को डीआरएम , जीएम और रेलवे बोर्ड स्तर पर उठाने का आश्वासन दिया और उसके निदान कराने की बात कही। केन्द्र सरकार की मजदूर और कर्मचारी विरोधी नीतियों के बारे में सभी कर्मचारियों को विस्तार से बताया। उन्होंने रेलवे कर्मचारियों से पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ के साथ चट्टानी एकता के साथ जुड़ने और संघ को मजबूत करने का आह्वान किया। रेल कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में रेल कर्मचारियों को एनपीएस समाप्त कर ओपीएस लागू करना , 18 माह का बकाया मँहगाई भत्ता भुगतान करना , रेलवे में खाली पड़े पदों को शीघ्र भरना , रेलवे आवासों का मरम्मत करना , रेलवे कर्मचारियों का शोषण बंद करना , लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर से अधिकतम 8 घंटे ड्यूटी कराना एवं ट्रैक मेंटेनरों की मूलभूत सुविधाओं को मुहैया कराना आदि ज्वलंत समस्याओं की उन्होंने चर्चा की। कर्मचारियों को संबोधित करने वालों में एस आर सहाय , प्रेम नाथ सिंह , अमिताभ गौतम , प्रसुन कुमार सिंह प्रतिमा कुमारी , मनोहर सिंह राना , संतोष कुमार , सुंदर कुमार यादव , रंजीत कुमार , दीपक दूबे , अमरजीत शर्मा , मनोज शर्मा , लक्ष्मी , ट्विंकल , दिलीप , संजय बैठा , ललन प्रसाद , नवनीत कुमार , सुनील कुमार द्वितीय , जी सी दूबे , अजय यादव , राकेश कुमार आदि हैं।

# शिव शक्ति इंडस्ट्रीज द्वारा हुआ फॉर्मर मीट का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। बड़े ही दुःख की बात है कि हमारे पास संसाधन होते हुए भी अन्यत्र राज्यों से चिकेन की आयात चंपारण में करते हैं, जबकि जरूरी है कि हमारे यहां इसकी फार्मिंग हो और हम इसका निर्यात करें और खुद के लिए उपज करें। उक्त बातें रक्सौल के मझरिया स्थित मुर्गी दाना उत्पादक शिव शक्ति इंडस्ट्रीज के एम.डी संजय गुप्ता ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने बताया कि पूरे चंपारण में शिव शक्ति इंडस्ट्रीज अकेला हैं, जहां से 45 प्रतिशत उत्तरप्रदेश, 25 प्रतिशत झारखंड एवं इसके अलावा बंगाल के कुछ क्षेत्रों के साथ अन्यत्र जाता है। अगर गुणवत्ता की बात करें तो कई सारी कंपनिया लगभग 6 ब्रांड बनाते हैं और हमारी कंपनी सिंगल ब्रांड की उत्पादन करती है, जो हर मौसम के लिए अनुकूल है। आश्चर्य की बात तो ये है कि चिकेन का चारा हमलोग यहां से भेजते हैं और चिकेन उधर से आता है, जबकि जरूरी है कि यहां के फार्मरों को जागरूक करने की, जो खुद यहां चिकेन का उत्पादन करें। उन्होंने बताया कि आज फॉर्मर मीट का अयोजन किया गया है और उन्हें सम्मानित किया गया है। शिवशक्ति इंडस्ट्रीज के पास खुद के डॉक्टर हैं, जो फार्मरों के यहां नियमित विजिट करते हैं। डॉ. सिकरी के द्वारा नियमित रूप से इसकी जांच की जाती रहती है। उन्होंने बताया कि शुरू में महीने के महज 10 टन निर्यात था और अब 125 टन का निर्यात हो रहा है, जो आगे और बढ़ेगा। मौके पर कंपनी के निदेशक राजू गुप्ता, मो. अली एवं पवन कुशवाहा के साथ अन्य लोग मौजूद थे।

# बीडीओ ने लोकसभा चुनाव को लेकर सेक्टर पदाधिकारी के साथ की बैठक

परसाः-प्रखंड कार्यालय स्थित अम्बेडकर भवन सभागार में बीडीओ दीपक कुमार सिंह ने लोकसभा चुनाव को लेकर सेक्टर पदाधिकारी के साथ बैठक किया। जहां उन्होंने निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सभी सेक्टर पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।बीडीओ ने कहा कि सभी सेक्टर पदाधिकारी आवंटित मतदान केंद्र का भ्रमण कर मूलभूत सुविधा की जांच कर दो दिनों के अंदर एएमएफ संबंधी प्रतिवेदन उपलब्ध करायें।प्रखंड के सभी पंचायत में जहां-जहां भी मतदान केंद्र है।वहां रैंप, बिजली, पानी, फर्नीचर, शौचालय की उपलब्धता आवश्यक रूप से होना है।साथ ही इन आवश्यकताओं में कहीं कोई कमी या त्रुटि हो तो इसकी सूचना निश्चित रूप से प्रखंड कार्यालय को दें।उन्होंने कहा कि सभी की जिम्मेदारी है की चुनाव को लेकर मतदान केंद्र पर सभी तैयारी पूर्ण रहे।सेक्टर पदाधिकारी भेदय और क्रिटिकल मतदान केंद्र को चिह्नित करने के लिए क्षेत्र भ्रमण करेंगे। साथ ही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के दौरान जो नए मतदाता जुड़े हैं।उन सभी को ईपिक वितरण करने का कार्य सुनिश्चित करेंगे।इसी कड़ी में बीडीओ ने सेक्टर पदाधिकारियों से 80 से अधिक उम्र के मतदाता व दिव्यांग मतदाताओं की सूची दो दिन में तैयार करने का आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बीडीओ ने बताया कि सभी सेक्टर पदाधिकारियों को अपने क्षेत्र में वैसे मतदान केंद्रों को चिह्नित कर खास नजर रखने को कहा गया है, जहां के मतदाताओं को प्रत्याशी विशेष के पक्ष में डराने- धमकाने की आशंका रहती है।मौके पर एमओ राणा रंजीत सिंह,नगर प्रबंधक नरोत्तम कुमार,पीओ कर्ण कुमार,श्रम पदाधिकारी अशोक कुमार, बीसीओ दयानन्द प्रसाद,जेई राहुल कुमार,मधुरेश कुमार,रामेंद्र प्रसाद सिंह सहित सभी सेक्टर पदाधिकारी मौजूद थे।

# एसएसबी, नप अध्यक्ष और प्रखंड प्रमुख अग्नि पीड़ितों के मदद में आगे आये

प्रात : किरण संवाददाता

ढांका ,(पुर्वी चम्पारण)-गोरगावा अग्नि पीड़ित परिवारों को मदत में एस एस बी सहित जनप्रतिनिधियों ने आगे बढ़ पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता कर रही है। शनिवार को एस एस बी कुंडवा चैनपुर के द्वारा 22 पीड़ित परिवारों को दो दो हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की ।वहीं नगर परिषद ढाका के सभापति इम्तेयाज अख़्तर द्वारा पच्चास पीड़ित परिवारों के बिच गोरगावा पहुंच कर पेंटी का वितरण किया ।जिसमें परिवार के लोग कुछ समान आदी रख सके ।ढाका प्रमुख किरण चौधरी के परिजनों द्वारा पच्चास पीड़ित परिवारों के बिच गैस चुल्हा वितरण किया जिससे पीड़ित परिवार को काफी सहायता मिली। विदित हो की 25अप्रैल को गोरगावा में एक साथ लगभग चार दर्जन लोगों का आशियाना जल कर एक साथ राख हो गया था।जिसके बाद स्वयं सेवी, समाजसेवी और अन्य लोगों द्वारा सहायता की जा रही है। सरकार के स्तर से भी सहायता मिल रही है।जिससे पीड़ित परिवारों की जिंदगी पटरी पर लौट सके।

# विश्वविद्यालय के खातों पर लगे रोक को हाईकोर्ट ने हटाया

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर : जयप्रकाश विश्वविद्यालय सहित बिहार के सभी विश्वविद्यालयों के एकाउंट्स पर शिक्षा विभाग के अपर सचिव के आदेश अनुसार लगाए गए रोक को हाई कोर्ट के द्वारा हटा दिया गया है। अब विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों के वेतन भुगतान एवं आर्थिक मामलों का निष्पादन यथाशीघ्र हो जाएगा। मिली सूचना अनुसार उक्त आशय का पत्र बिहार शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव के द्वारा राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के नाम पत्र जारी करते हुए सूचित किए हैं कि विश्वविद्यालय के पदाधिकारी के अवरुद्ध वेतन को चालू करने तथा विश्वविद्यालय के खाते के संचालक पर रोक को हाई कोर्ट के आदेश अनुसार हटा दिया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र में विभागीय कार्यालय पत्रांक-324 दिनांक-28.02.2024 एवं पत्रांक-451 दिनांक-15.03.2024 के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में दायर विभिन्न वाद यथा सी०डब्ल्यू० जे०सी० संख्या-7084/2024 (मगध विश्वविद्यालय बनाम राज्य सरकार एवं अन्य) तथा अन्य सादृश्य मामले में सुनवाई के क्रम में माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा दिये गये निदेश दिनांक 03.05.2024 के आलोक में विभागीय पत्रांक-1810 दिनांक-03.05.2024 द्वारा विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों की बैठक दिनांक-06.05.2024 को होटल मौर्या, गाँधी मैदान, पटना में आयोजित की गई है जिसमें आप समेत सभी संबंधित पदाधिकारी भाग लेंगे। उक्त के आलोक में विभागीय पत्रांक-324 दिनांक-28.02.2024 तथा पत्रांक-451 दिनांक 15.03.2024 को निरस्त किया जाता है। इस आदेश की प्रतिलिपि संबंधित बैंकों को भी भेजी जा रही है।

# बिहार प्रगति लेखक संघ के अध्यक्ष का निधन,शोक की लहर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सीपीआई के राज्य कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र सौरभ तथा जिला सचिव रामबाबू सिंह ने एक संयुक्त बयान जारी कर डा ब्रजकुमार पांडेय के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। ज्ञातव्य है की आज ही तड़के तीन बजे उनका निधन हो गया। डा ब्रजकुमार पांडेय बिहार प्रगति शील लेखक संघ के प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय शांति एकजुटता संगठन के प्रदेश महासचिव तथा कई सांस्कृतिक संगठनों से जुड़े थे। उनका घर तो भोजपुर शाहाबाद इलाकेमे था किंतु हाजीपुर मे रहते थे। हाजीपुर मे ही वे कालेज प्राध्यापक रहे। उनके निधन से एक समाज विश्लेषक, मार्क्सवादी चिंतक तथा कलम का एक सिपाही हमलोगो के बीच से उठ गया। हमलोगों के अलावे छपरा के दर्जनों लोगो के साथ उनका आत्मीय लगाव था। सीपीआई की सारण जिला इकाई की ओर से डा पांडेय के निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित है और उनके शोक संतप्त परिवार को गहरी संवेदना प्रेषित है।

# उत्तर बिहार के गंगा समग्र केसह संयोजक व मुखिया संघ अध्यक्ष ने की नर्मदेश्वर महादेव के कथा मंच का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज। कोठियां-नरांव नरांव के नरांव टोला स्थित नर्मदेश्वर महादेव मन्दिर परिसर मे चल रहे 1008 रुद्र महायज्ञ मे दिनों-दिन रौनक बढती जा रही है।कोठियां, धनौडा, नरांव, मुसेपुर, मौजमपुर, मदनपुर, सप्तापुर, गोपालपुर, डुमरी, रुसुलपुर, छोटझौंवा, मुरौदपुर, झौंवा, बलुआ, संठा, कंसदिअर, जुअरा, मानुपुर, कसीना, हिम्तपुर, गोपालपुर, पंचपटिआ, देवरिया, महुआनी, पकवलिया-फुलवरिया, टिकुलियाटोला आदि गांवो के हजारो श्रद्धालुओ द्वारा नित्य यज्ञ मे अपनी श्रद्धा अर्पित की जा रही है।बच्चा से लेकर वृद्ध तक नर्मदेश्वर महादेव के सामने अपनी मन्त रख रहे हैं और यज्ञ मंडप का परिक्रमा कर घर लौटते हैं।संध्याकाल मे वाराणसी का प्रख्यात भगवद् कथावाचक आचार्य धर्मेन्द्र शास्त्री के मुखारविन्द से कथा श्रवण करने के लिए एकत्र होते है और देर रात तक कथा श्रवण कर अपने दिनचर्या और सोंच मे परिवर्तन ला रहे हैं।

आचार्य धर्मेन्द्र शास्त्री ने बताया कि नर्मदेश्वर महादेव की उत्पत्ति नर्मदा नदी से हुई है इनके उपर चढाया प्रसाद सभीं लोग ग्रहण करते हैं।अन्य शिव लिंग का प्रसाद सीर्फ शिवजी के पूजेरी को हीं ग्रहण करने का अधिकार है लेकिन नर्मदेश्वर महादेव का लिंग इसका अपवाद है।यज्ञ मे दूसरे प्रखंडो के भीं गणमान्य सदस्य उपस्थित हो रहे हैं।शुक्रवार को कथा मंच का उद्घाटन मुसेपुर पंचायत के मुखिया व सदर प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष बबलु कुमार, चिरान्द विकास परिसद के सचिव एवं गंगा समग्र के उत्तर बिहार के सह संयोजक तथा दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार श्रीराम तिवारी , रासबिहारी बाबा मठ के मठाधीश महाबीर दास जी महाराज ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर की ।इसके पूर्व इन महोदयों ने कथा वाचक मंडली का माल्यार्पण व अभिवादन भीं किया।

# विहिप की बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । शनिवार को विश्व हिन्दू परिषद के जिला इकाई की बैठक स्थानीय रामबाग बैंक्विट,उत्तरी दहियावां टोला , छपरा में हुई इसमें मुख्य रूप से क्षेत्र संगठन मंत्री श्री आनंद जी, प्रांत संगठन मंत्री नागेंद्र जी, प्रांत अध्यक्ष उत्तर बिहार संजीव , कोषाध्यक्ष उत्तर बिहार प्रांत सह जिला अध्यक्ष छपरा सुमित कुमार सिंह उपस्थित रहे । इस अवसर पर बोलते हुए क्षेत्र संगठन मंत्री आनंद ने बोला कि विश्व हिंदू परिषद एक गैर राजनीतिक संगठन है इसलिए किसी पार्टी विशेष को वोट करने के लिए नहीं कहता है लेकिन अपने इकाइयों के साथ लोकसभा में सभी को मतदान करने के लिए जागरूक करने का काम करेगा और जो मतदाता किसी कारणवश बूथ तक जाने में सक्षम नहीं हैं उन्हें वहां तक पहुंचने का भी कार्य संगठन के कार्यकर्ता करेंगे ।उन्होंने मतदान के गिरते प्रतिशत पर भी चिंता व्यक्त की और कहा की सभी को अपने अधिकार का प्रयोग करना चाहिए ।आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि पाँच वर्षों में एक बार यह पर्व आता है और इसके माध्यम से आम जनता अपनी भागीदारी देश के विकास में सुनिश्चित करती है । लोगों को नोटा का बटन नहीं दबाना चाहिए और जितने भी प्रत्याशी मैदान में खड़े हैं उनमें से एक सही प्रत्याशी को ही अपना मत देना चाहिए ,लोगों को जात-पात से ऊपर उठ कर मतदान का प्रयोग सोच समझ कर करना चाहिए ।

# मशरक कोरेराव में विष्णु महायज्ञ के आठवें दिन आरती पूजन एवम प्रवचन में जुटी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक के कोरेराव गांव अवस्थित भव्य राम जानकी मठ परिसर में आयोजित 9 दिवसीय विष्णु महायज्ञ के पांचवे दिन भव्य आरती पूजन एवम प्रवचन में श्रद्धालु भक्तो की भीड़ जुटी। यज्ञ परिसर में आयोजित 9 दिवसीय अखंड अष्टयाम में ग्रामीण काफी उत्साह से भाग ले रहे है।

यज्ञ प्रवचन पंडाल में सायं कालीन प्रवचन में मथुरा से पधारी साध्वी अर्चना मानिक परासर ने राम जन्मोत्सव तो अयोध्या से पधारी साधना देवी ने शिव विवाह पर सारगर्भित विचार रखे। साध्वी अर्चना ने कहा कि प्रभु श्रीराम का जन्म जनकल्याण के निहित रहा। भारतवर्ष ही नही अपितु समस्त ब्रह्माण्ड के लिए प्रभु श्रीराम का जन्म कल्याणकारी सिद्ध हुआ। अयोध्या की पावन भूमि पर पिता राजा दशरथ और मां कौशल्या के आंगन में भगवान ने बाल्य काल से ही अपनी सादगी एवम वचन बद्धता को सम्पूर्ण जीवन में बनाए रखे। जिस वजह से मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में अपने को स्थापित कर समस्त जगत का कल्याण किया। प्रभु श्रीराम के स्मरण मात्र से समस्त मोह माया एवम संतापो से व्यक्ति मुक्त हो जाता है। साध्वी साधना देवी ने जगत गुरु शिव और शक्ति स्वरूपा माता पार्वती के विवाह का वर्णन प्रवचन में संगीत के साथ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देर तक पंडाल से जोड़े रखा। राम जानकी मठ एवम महायज्ञ संरक्षक पूर्व मुखिया छोटे प्रसाद सिंह , यज्ञ यजमान प्रखंड पैक्स अध्यक्ष विश्वजीत सिंह के साथ बसंत सिंह सहित समस्त यज्ञ हवन पूजन में शामिल ग्रामीण पुरुष महिला ने भगवान के भव्य आरती में हिस्सा लिया।

# कुलसचिव ने किया विभिन्न कोषांगों का निरीक्षण, दिए कई निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रणजीत कुमार ने शनिवार को जयप्रकाश विश्वविद्यालय के विभिन्न कोषांगों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुलसचिव ने परीक्षा शाखा, वित्त शाखा, डिग्री सेल, महाविद्यालय निरीक्षक शाखा, इंजीनियरिंग सेल, डिग्री वितरण शाखा, पंजीयन शाखा सहित सभी कोषांगों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को कार्यों के ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कुलपति का स्पष्ट निर्देश है कि कार्यों में पारदर्शिता और समय सीमा का अनुपालन हो। माननीय कुलपति के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यों के निष्पादन के क्रम में विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी को कोई समस्या हो तो उसे विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखे, उसका समाधान निकाला जाएगा।

# रेड क्रॉस सोसाइटी के बैनर तले हुआ निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता

● इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल शक्तिनगर में निबंध एवम पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपराः रेड क्रॉस सोसाइटी सारण के द्वारा आयोजित रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में होने वाले निबंध एवम पेंटिंग प्रतियोगिता में छपरा शहर में शक्तिनगर स्थित इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में निबंध एवम पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय स्तर से दोनो प्रतियोगिता यथा निबंध एवम पेंटिंग में प्रथम,द्वितीय और तृतीय का चयन कर रेड क्रॉस सोसायटी जिला इकाई को सुपुर्द किया गया है।जिला स्तर पे इन बच्चो को 8 मई रेड क्रॉस दिवस के अवसर पे रामकृष्ण मिशन आश्रम के सभागार से सम्मानित किया जायेगा।विद्यालय के निदेशक शशि शेखर ने बताया कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में एक नया ऊर्जा का संचार होगा और उनको अपना क्षेत्र एवम कार्य समझने में मदद मिलेगा।वही विद्यालय की प्राचार्य राहुल तिवारी ने कहा कि रेड क्रॉस सोसाईटी की ये पहल से बच्चों के अंदर एक क्रियात्मक कार्यों के साथ मानसिक विकास में काफी सहायता मिलेगी। मौके पे विद्यालय के शिक्षक उत्तम कुमार,संजीव कुमार, राहुल चतुवेर्दी, स्मृति कुमारी और अन्य शिक्षक महजूद थे।

# शत प्रतिशत मतदान करने को लेकर मतदान जागरूक रैली हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौलीः सुगौली में लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत चुनाव के लिए मतदाता जागरूक करने हेतु सुगौली प्रखंड मुख्यालय से मतदाता जागरूक बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिन बूथो पर कम प्रतिशत में मतदान पूर्व में हुए थे उन मतदान केंद्रों के मतदाताओ शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया गया है। 25 मई को सुगौली सहित पूरे जिले में लोकसभा का मतदान होना है उसी को लेकर बाइक रैली पर निकले पदाधिकारी बीच बीच में ग्रामीणों को मतदान में पूरे भागीदारी वोट करने और सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो के स्लोगन के साथ बाइक रैली सुगौली प्रखंड मुख्यलय से सुगौली मुख्य बाजार थाना चौक होते हुए आजाद चौक छपवा उतरी श्रीपुर दक्षिणी श्रीपु होते हुए कुरुमटोला नवाडीह होते बाजार से प्रखंड मुख्यलाय में समापन हुआ। इस बाबत प्रखंड विकास पदाधिकारी तेजप्रताप त्यागी ने कहा की मतदाता जागरूक रैली का आयोजन कर मतदाता से शत प्रतिशत मतदान करने को लेकर जागरूक रैली का आयोजन किया गया है। मतदाता जागरूक रैली मे सीओ कुंदन कुमार कार्यपालक पदाधिकारी ३ अजय कुमार थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार स्वक्षता पदाधिकारी मोइन अंसारी नगर के अभिषेक कुमार मनोज कुमार शाहबाज रौशन नीतीश कुमार नसरुद्दीन मिया टुन्ना मिया राजिकिशोर प्रसाद विकास राम रिजु चौधरी जितेंद्र प्रसाद श्रीप्रकाश सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

# पूर्व मुखिया समेत दो घरों से लाखों के आभूषण समेत नगदी चोरी

## 10 दिनों के भीतर भेल्दी थाना क्षेत्र के सात घरों में हो गई चोरी कि बड़ी घटना

प्रात : किरण संवाददाता

भेल्दी - भेल्दी थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ गई है। ताजा मामला थाना क्षेत्र के मोलनापुर और गणेश पट्टी गांव की है। गुरुवार की रात चोरों ने छत के सहारे घर में प्रवेश कर शोभेपुर पंचायत के पूर्व मुखिया राकेश कुमार राम के घर को अपना निशाना बनाया। वहीं दूसरी घटना उनके घर से सटे गणेश पट्टी गांव के मयंक गौरव के घर में हुई जहां चोरों ने दोनो घर से आभूषण व नगदी की चोरी कर आराम से फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की मध्य रात्रि पूर्व मुखिया राकेश कुमार राम के घर में तीन भाई अलग-अलग कमरों में रहते हैं।सभी के परिजन सोए थे तभी शातिर चोरों ने घर के अलमीरा में रखें महंगी कीमत के आभूषण चार मंगलसूत्र, तीन टिका, तीन हार पांच टॉप, लॉकेट,सिकरी,तीन बच्चों के लॉकेट अन्य गहनें समेत चांदी के आभूषण की चोरी कर ली। इस दौरान चोरों ने घर में रखें एक लाख दस हजार रुपए की भी चोरी कर ली। वहीं दूसरी घटना उनके घर के समीप ही गणेश पट्टी गांव में हुई जहां मयंक गौरव के परिजन घर में सो रहे थे वहां भी छत के सहारे दूसरे मंजिल पर प्रवेश कर आलमीरा का लॉक तोड़ सोने का आभूषण जिसमें चैन, टिका,कान की बाली, गले का हार,कंगन,अंगूठी, मंगलसूत्र व चांदी का सिक्का समेत 30 हजार की चोरी कर ली।चोरी की घटना की सूचना होने पर पुलिस मौके पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। दोनों परिजनों द्वारा थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कराई गई है।

## संक्षिप्त खबरें

### सड़क दुर्घटना में बाप-बेटी गंभीर रूप से जख्मी



भोजपुर। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के झलकूनगर मोड़ के समीप तेज रफ्तार ट्रक (हाइवा) ने स्कूटी सवार बाप बेटी को को ठोकर मार दी। इस घटना में दोनों गम्भीर रूप से जख्मी हो गए।आनन फानन में दोनो जख्मियों को इलाज के लिए पीएचसी कोईलवर लाया गया जहां दोनो का प्राथमिक उपचार किया गया,इसके बाद परिजन दोनो को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर चले गए। दोनो जख्मियों की पहचान नगर पंचायत के वार्ड 02 मिश्रटोला निवासी श्यामबिहारी मिश्र के 60 वर्षीय पुत्र मृत्युंजय मिश्रा एवं उनकी 18 वर्षीय बेटी दीपा मिश्रा के रूप में की गई है। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और कोईलवर-बबुरा सड़क को चंदा मोड़ पर जाम कर दिया। जाम कर रहे आक्रोशितों का कहना था कि आये दिन इस मोड़ पर घटना हो रही है बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नही उठाये जा रहे है। तकरीबन डेढ़ घण्टे तक जाम के बाद पुलिस पदाधिकारियों द्वारा समझा बुझाकर जाम को समाप्त कराया गया।

### 16 अवैध बालू लदे ट्रैक्टर जब्त, 2 गिरफ्तार

आरा। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के कोईलवर सिक्सलेन पुल पर पटना जिले से आ रहे 16 बालू लदे ट्रैक्टर को अभियान चलाकर कोइलवर पुलिस ने पकड़ा है। इसके साथ ही दो बालू तस्करों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई खनन पदाधिकारी भोजपुर और कोईलवर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में की गई। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी के संयुक्त निर्देशन में भोजपुर पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा अवैध बालू के खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में शुक्रवार की देर शाम खनन पदाधिकारी भोजपुर राजेश कुशवाहा और कोइलवर थानाध्यक्ष नरोतमचंद्र के नेतृत्व में कोईलवर थाना द्वारा की गई संयुक्त छापेमारी में कोईलवर सिक्सलेन पुल से 16 अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा गया है।

### अपराध की योजना बनाते तीन अपराधी कट्टे के साथ गिरफ्तार

आरा। जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के कोईलवर-बबुरा फोरलेन पर संगम होटल के समीप अपराध की योजना बनाते तीन अपराधकर्मियों को देशी कट्टे,जिंदा कारतूस और फाइटर के साथ गिरफ्तार किया गया है। उक्त कार्रवाई बड़हरा पुलिस द्वारा की गई है।एसडीपीओ सदर-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार की रात साढ़े 9 बजे के करीब गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बड़हरा थानांतर्गत कोईलवर-बबुरा फोरलेन पर संगम होटल के समीप कुछ अपराधकर्मी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में इकठ्ठा हुए हैं। सूचना के सत्यापन के बाद बड़हरा थानाध्यक्ष संजय कुमार,एसआई अरुण कुमार और थाना के सशस्त्र बल द्वारा विशेष टीम का गठन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई। छापेमारी टीम जैसे ही संगम होटल के समीप पहुंची तो पुलिस टीम को देखते ही कुछ अपराधी भागने लगे। छापेमारी में शामिल सशस्त्र बलों द्वारा खदेड़ कर उन्हें पकड़ लिया गया और उनकी तलाशी ली गयी। तलाशी के क्रम में उनके पास से दो देशी कट्टा,03 जिंदा कारतूस,02 मोबाइल और एक फाइटर बरामद किया गया।

### दो बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर



काराकाट(रोहतास)। एनएच 120 बिक्रमगंज-डेहरी मुख्य मार्ग पर जमुआ पेट्रोल पंप के समीप दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिससे बाइक पर सवार दोनों लोग घायल हो गए, दोनों घायलों का इलाज प्राथमिक स्वास्थ केंद्र गोडारी में किया गया। घायलों की स्थिति गम्भीर देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायलों में मूंजी गांव निवासी शहाबुद्दीन खान पिता नौशाद खान, वही दूसरी बाइक सवार करूप गांव निवासी बिक्की कुमार पिता ललन साव बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह नव बजे बिक्की कुमार बाइक से कही कार्य से सड़क के रास्ते जा रहे थे। इसी दौरान उक्त पथ स्थित जमुआ पेट्रोल पंप के सामने के तरफ से आ रही दूसरी बाइक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिससे दोनों बाइक सवार घायल हो गया। खबर लिखे जाने तक किसी भी पक्ष द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं कि गई हैं। घटना में क्षतिग्रस्त दोनों बाइक को पुलिस अपने कब्जे में लेकर आगे कि करवाई कर रही है।

# छात्राओ ने पेंटिंग के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाया

**प्रात : किरण संवाददाता**



बेतिया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम जिले में लगातार संचालित की जा रही है इस मतदाता अभियान अंतर्गत हम लोगों का जो लक्ष्य है अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने मत का प्रयोग करें। उक्त बातें नोडल स्वीप कोषांग पदाधिकारी कामलाकान्त त्रिवेदी ने कही। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र में तरह-तरह के सुविधा भी इस बार मतदाताओं के लिए दी जाएगी, जहां गर्मी के मौसम के प्रकोप को देखते हुए जिला निवार्ची पदाधिकारी सह जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के निदेर्शानुसार जिले अंतर्गत जहां धूप का ज्यादा प्रभाव हो रहा हो वैसे सभी मतदान केंद्रों पर समियाना, पंडाल आदि की सुविधा के साथ-साथ शुद्ध शीतल पेयजल एवं दिव्यांग आदि के लिए व्हीलचेयर आदि जैसी सुविधा भी प्रदान की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की कठिनाई मतदाता को न हो। आज के इस मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में संत तेरेसा बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के उच्च वर्ग कि छात्राओं ने पेंटिंग के माध्यम से मतदाता जागरूकता को दर्शाते हुए बताया है कि वोट का क्या महत्व है, अपने अधिकारों को मतदाता जाने, वोट करना बेहद जरूरी है और इन छात्राओं ने शपथ समारोह में शपथ लेते हुए बताया कि हम सभी अपने आसपास के सभी संबंधी सहित पड़ोसियों को अधिक से अधिक जागरूक करते हुए मतदाता की संख्या में वृद्धि करने के लिए सभी मतदाताओं को जागरूक करेंगे ताकि आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 के लिए हमारे मतदाता जागरूक हो सके। इस क्रम में नोडल पदाधिकारी ने बताया कि हम अपने आसपास के सभी मतदाताओं को इस बात की जानकारी भी देंगे की पहली बार वोट करने वाले उन मतदाताओं को भी जागरूक करेंगे की अपने वोट का अधिकार अवश्य समझे और अपना वोट जरूर दे और जिन लोगों ने अब तक अपना वोट का प्रयोग किसी कारण वश न जाना हो, न समझा हो, उन्हें भी जानकारी देते हुए वोट करने के लिए जागरूक करेंगे। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर रेखा टुडू, सिस्टर बर्नाडेड, शिक्षक राकेश रेमी सहित स्वीप कोषांग की सदस्या मेरी आडलीन, शमीम आरा, वंदना कुमारी, रविकांत झा, अमूल्य प्रताप सहित सभी सदस्य उपस्थित हुए।

## लोकसभा चुनाव को लेकर विश्व हिंदू परिषद की विशेष बैठक

**प्रात : किरण संवाददाता**



आरा। विश्व हिंदू परिषद भोजपुर जिला की एक बड़ी बैठक का आयोजन हुआ चौरसिया रेस्ट हाउस ,आरा में हुआ । जिसकी अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष श्री राजीव रंजन जी ने की। बैठक में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री माननीय आनंद जी ने कहा कि इस लोकतंत्र के महापर्व में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता पूरी शक्ति के साथ लगेंगे। शत प्रतिशत मतदान हमारा लक्ष्य है। मतदान राष्ट्र हित हो इस जन जागरण अभियान में अधिक आयु के मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुचाने की व्यवस्था में बजरंग दल के कार्यकर्ता अधिक ध्यान देंगे। इसके लिए विश्व हिंदू परिषद इस लोकसभा क्षेत्र में 250 टोली के माध्यम से जनजागरण करने के लिए गांव गांव जाएगी । अधिकतम मतदान प्रातः 10 बजे के पूर्व हो ऐसा प्रयास हमसब का होना चाहिए। बैठक का संचालन जिला मंत्री उपेन्द्र तिवारी जी ने किया ,बैठक में बजरंग दल के प्रांत संयोजक रजनीश कुमार । प्रान्त विद्यार्थी प्रमुख अभिषेक राजा ,जिला उपाध्यक्ष विश्वेश्वर पांडेय जिला सह मंत्री अभिषेक चौरसिया, उपेन्द्र बजरंगी जिला कोषाध्यक्ष विमल पाठक ,मोनू निराला,अमित पांडेय , श्याम किशोर पाठक,जतिन गोस्वामी इत्यादि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में कुल 112 लाभार्थियों को इसका लाभ मिला

**प्रात : किरण संवाददाता**



आरा। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय आरा अंतर्गत भोजपुर जिला में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 112 लाभार्थियों को इसका लाभ मिला।

क्षेत्रीय कार्यालय के प्रांगण में लाभार्थियों को आमंत्रित कर प्रत्येक लाभार्थी को राशि 2 लाख का चेक दिया गया इस तरह कुल राशि 2,24,00,000/- (दो करोड़ चौबीस लाख मात्र ) मृतक खाताधारी के नामित के खातों में आंतरित की गई। बीमा राशि पाकर सभी लाभार्थियों ने भारत सरकार के तत्वाधान मैं बैंक द्वारा चलाई जा रही इस योजनाओं से अन्य ग्राहकों को जोड़ने हेतु आवाहन किया एवं उनके द्वारा भारत सरकार एवं बैंक का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय अधिकारी विकास कुमार द्वारा बताया गया कि भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे।

## स्वीप कार्यक्रम मतदाता जागरूकता रैली का किया गया आयोजन

**प्रात : किरण संवाददाता**



काराकाट(रोहतास)। जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रोहतास नविन कुमार के निर्देश पर बीडीओ काराकाट राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व स्वीप कार्यक्रम के तहत कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। गम्हरिया एंव धनहरा पंचायत के सभी गांवों में डोर टू डोर मतदान संवाद, विद्यालय में पेंटिंग, चित्रांकन व रंगोली के माध्यम से मतदाता को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित करने, चुनाव का पर्व देश का पर्व के रूप में मनाने को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। साथ हीं कई विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने मतदाता जागरूकता रैली, साईकिल रैली का भी आयोजन किया। बीडीओ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वीप कार्यक्रम का उद्देश्य लोकसभा चुनाव मे शत प्रतिशत मतदान करना। महिला मतदाताओं के लिए अधिक सुगम, आकर्षक एंव अनुकूल बनाना, सभी मतदाताओं बिशेषकर महिला, युवाओं, दिव्यांग एंव वृद्ध मतदाताओं के में मताधिकार के प्रयोग से आत्मगौरव की भावना जगाना एवं शत प्रतिशत जनभागीदारी सुनिश्चित कराना, मतदाताओं की जिम्मेदारी एवं कर्तव्य की भावना को प्रेरित कराना है।

धनहरा पंचायत के सूर्यनाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय ओसाव, गम्हरीया पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय अवधेशनगर बेलवाई में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, जीवीका दीदी, बीएलओ, छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मतदाता को शत प्रतिशत मतदान करने हेतु आंगनबाड़ी सेविका सहायिका, जीवीका के द्वारा भव्य रंगोली भी बनाया गया।

जागरूकता रैली में बीडीओ के अलावा प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी रेणुका कुमारी, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार, बीपीएम (जीविका) आशा कुमारी, पंचायत सचिव सौरभ कुमार, अविनाश कुमार प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र, मनोज कुमार सिंह, कुश कुमार त्रिपाठी, बिजेंद्र प्रताप, राजेश्वर सिंह, दिनेश कुमार दिनकर, शिक्षक अनिल कुमार पासवान, मनोज कुमार, महिला पर्यवेक्षिका रुकसाना खातुन, बाली कुमारी, विकास मित्र आरती कुमारी, गिरधरलाल सहित कई शामिल थे।

## पहले दिन स्नातक की परीक्षा तीन केंद्रों पर शांतिपूर्ण हुई संपन्न

**प्रात : किरण संवाददाता**



बिक्रमगंज (रोहतास) शनिवार को शहर के तीन परीक्षा केंद्रों पर स्नातक पार्ट-टू वर्ष 2022-25 की परीक्षा पहले दिन दो पालियों में शांतिपूर्ण संपन्न हुई। जो संचालित परीक्षा के पहले दिन वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त परीक्षा के कारण परीक्षार्थियों के होश उड़ गए। वही परीक्षा केंद्र के मुख्य गेट पर सघन जांच देख कुछ मुन्ना भाई महाविद्यालय प्रशासन के डर से भाग खड़े हुए। ज्ञात हो कि शहर के तीन परीक्षा केंद्रों तहत वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय धारूपुर में परीक्षार्थियों की संख्या 2826, अंजबित सिंह महाविद्यालय 1758 व इंदु तपेश्वर महिला कॉलेज में 1535 है। पहले दिन संचालित परीक्षा के प्रथम पाली में ग्रुप-ए विषय की विज्ञान व दूसरी पाली ग्रुप-बी विषय की कला संकाय सहित स्पेशल विषय की परीक्षा थी। जिसमें किसी भी परीक्षा केंद्र पर कोई भी परीक्षार्थी निष्कासित नही हुए। लेकिन अनुपस्थित जरूर रहें। वही वीर कुंवर सिंह परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों में सख्ती को लेकर उनके जुबां पर काफी चर्चा थी। वही तीन परीक्षा केंद्रों में सबसे अधिक परीक्षार्थियों की संख्या वीर कुंवर सिंह केंद्र परीक्षा केंद्र पर है। पहले दिन सख्ती पूर्ण संपन्न परीक्षा के संबंध में वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर केंद्राधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कदाचारमुक्त परीक्षा को लेकर परीक्षा केंद्र में मुन्ना भाई, मोबाईल, ब्लूटूथ,गेस पेपर,इलेक्ट्रानिक उपकरण सहित अन्य चिट पुर्जे के विरुद्ध परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार से लेकर परीक्षा केंद्र के अंदर सघन जांच कर नकलची पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पैनी नजर रखा गया।

## फसड्डी साबित हुआ है सांसद का दावा : सुदामा प्रसाद

**प्रात : किरण संवाददाता**



उदवंतनगर/आरा। आरा लोकसभा संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन समर्थित भाकपा माले उम्मीदवार कॉ सुदामा प्रसाद ने आज संदेश विधानसभा क्षेत्र के उदवंतनगर प्रखंड के बरगही, छोटकी सासाराम, महुली, गजराजगंज, सरफांफर, तिरोजपुर,मोहमदपुर, नवानगर, मोहनपुर, कारीसाथ, हरनाथकुंडी, मसाढ़, करवा टोला, नवादा बेन, बीवीगंज, विशुनपुरा, मिल्की, बामपाली, हली टोला, बड़कागांव, पकड़ियाबर और चौकीपुर गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान सुदामा प्रसाद ने कहा कि आरा के सांसद व केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री आरके सिंह जो क्षेत्र के वीक का दावा कर रहें है, सफेद झूठ है। क्षेत्र की जनता और छात्र- नौजवानों के बीच आरके सिंह और प्रधानमंत्री मोदी को लेकर भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि सांसद महोदय अपनी सांसद निधि का भी उपयोग करने में फिसड्डी साबित हुए हैं और इसकी पोल खुल जाने के बाद हवाई दावे करते फिर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दो चरणों के मतदान के बाद अपनी संभावित हर से बौखलाए प्रभानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं की तर्ज पर आरके सिंह भी धर्म और जाति का सहारा लेने और विकास का हौव्वा खड़ा कर लोगों की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश। कर रहे है। क्षेत्र की जनता उनके इन मनसूबों पर इस बार पानी फेर देगी।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार देश के अन्नदाता किसानों के खिलाफ मोदी की सरकार बनाए तीनो कृषि कानून को खत्म करेगी और एमएसपी को कानूनी गारंटी देगी। जनसम्पर्क के दौरान इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी कॉ सुदामा प्रसाद के प्रति लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा हैं ।बरगही और छोटकी सासाराम के मुसहर टोली सहित गरीब बस्तियों में लोगों ने उन्हें बताया कि वे अब भी बिजली के मोहताज हैं।विगत 10 के दौरान सांसद एक बार भी उनसे मिलने नहीं आये। जनसम्पर्क के दौरान भाकपा(माले) के गोपालगंज जिला सचिव इंद्रजीत चैरसिया , उदवंतनगर प्रखंड सचिव सुधीर सिंह, भोजपुर जिला कमेटी सदस्य शिवमंगल यादव, अजय गांधी, इंकलाबी नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष निरंजन केसरी , आइसा नेता रौशन कुशवाहा, अखिलेश गुप्ता , स्थानीय माले नेता अभय सिंह , क्यामुद्दीन अंसारी, हरिभजन चौधरी, राजद नेता श्याम यादव, शुशील यादव ,मंगल यादव, त्रिलोकी यादव और कैप्टन सतेंद्र सिंह, नरेंद्र कुशवाहा आदि भी उनके साथ रहे।

## अपराध की योजना बनाते दो अपराधी को एक देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार

**प्रात : किरण संवाददाता**



आरा। जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र के कमालुचक दियारा क्षेत्र में बीते 1 मई की रात हुई गोलीबारी में दो लोगो की गोली मार हत्या कर दी गयी थी। वहीं एक गंभीर जख्मी है। उस मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। घटना में संलिप्त दो आरोपियों को पुलिस ने एक देशी लोडेड कट्टा और तीन जिंदा कारतूस के साथ धर दबोचा है। एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने कोईलवर थाना में प्रेसवार्ता किया कर इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार सिंह के निर्देश पर घटना के बाद क्षेत्र में कोईलवर थानाध्यक्ष नरोतमचन्द्र, अन्य पुलिस पदाधिकारी और डीआईयू की टीम गठित कर छापेमारी कर कोईलवर के पैसठवा बालू घाट के समीप से दो अभियुक्तों को पकड़ा गया है।

जिसकी तलाशी में एक देशी लोडेड कट्टा, तीन जिंदा कारतूस के साथ अपाची बाइक जब्त किया है। जो किसी घटना को अंजाम देने के लिए पैसाठवा बालू घाट जाने वाले रास्ते पर थे। गिरफ्तार आरोपी गुलशन कुमार महादेवचक सेमरिया और उमाकांत यादव उर्फ सौरव कुमार नारायणपुर दोनों कोईलवर थाना क्षेत्र के है। एसडीपीओ-2 ने बताया कि कमालुचक गदहिया बालू घाट पर अवैध बालू के वर्चस्व को लेकर गोलीबारी में गिरफ्तार दोनों आरोपी एक गैंग से तालुक रखते है और घटना में संलिप्त था। जो घटना के समय भी उस गैंग से लगातार सम्पर्क में था। अनुसंधान को लेकर उस गैंग का नाम उजागर नहीं किया जा सकता है। आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास के लिए बिहटा, मनेर, डोरीगंज थाना से भी संपर्क स्थापित किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों पर कांड संख्या 215/24 के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

## राजग ने की बूथ व पंचायत अध्यक्षों की बैठक

**प्रात : किरण संवाददाता**



काराकाट(रोहतास)। काराकाट प्रखंड के दनवार, अमौना और धरहरा में राजग ने बूथ अध्यक्षों व पंचायत अध्यक्षों के साथ एक बैठक की। बैठक में काराकाट विधानसभा के दनवार, अमौना और धरहरा पंचायत के बूथ व पंचायत अध्यक्ष, पन्ना प्रमुख व सभी घटक दलों के कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकताओं को आगामी संसदीय चुनाव में एनडीए के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में जनता से आशीर्वाद मांगने, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के समक्ष रखने को कहा। साथ ही साथ मतदान का वोटिंग प्रतिशत बढ़ने पर भी विशेष बल दिया गया। इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर प्रत्याशी की धर्मपत्नी स्नेह लता की विशेष सहभागिता रही। कार्यक्रम अपने विचार रखने वालों में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के महासचिव अखिलेश्वर प्रसाद सिंह, संजय मेहता, जोगेंद्र चौहान, भारतीय जनता पार्टी के जिला के महामंत्री विजय सिंह, काराकाट लोकसभा संयोजक नवीन चंद्र शाह, विधानसभा के संयोजक अखिलेश्वर पांडेय, गोडारी मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह, संजय तिवारी, वीरेंद्र सिंह, विनोद सिंह, लोक जनशक्ति पार्टी के बादशाह पासवान, पार्टी के महामंत्री रजनीकांत पांडेय, अर्जुन गुप्ता, आनंदी शाह, कंचन देवी, रिंकू देवी इत्यादि। 10 मई 2024 होने वाले नामांकन समारोह के लिए सभी को आमंत्रित भी किया गया।

### नगर निगम क्षेत्र में वायु प्रदुषण कम करने के लिए तैयार किए एक्शन प्लान

गया ।राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की समीक्षा सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ,भारत सरकार के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई है। इस बैठक में नगर आयुक्त श्रीमती अभिलाषा शर्मा .के द्वारा गया शहर में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं पीएम10 के स्तर को कम करने के संबंध में विशेष चर्चा की गई है। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के द्वारा किए गए सर्वेक्षण में गया नगर के समाहरणालय चौक ,मिर्जा गालिब चौक, जयप्रकाश झरना, बुनियादगंज, सिकरिया मोड़,पटवा टोली, केपी रोड ,टेकारी रोड आदि को हॉटस्पॉट"हाट स्पाट"घोषित किया गया है। जिसके लिए गया नगर निगम के द्वारा हॉटस्पॉट एक्शन प्लान हाटस्पाट एक्सन प्लान तैयार किया गया है। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गया शहर में शीघ्र ही कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट के प्रसंस्करण हेतु गया के नैली में प्लांट लगाया जाएगा।

## डीएम ने लोस चुनाव को लेकर अनुश्रवण कोषांग का किया बैठक

**प्रात : किरण संवाददाता**



अरवल। पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा आम निर्वाचन- 2024 के मद्देनजर निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग की बैठक एवं कायार्शाला का आयोजन किया गया। नोडल पदाधिकारी सह वरीय कोषागार पदाधिकारी, अनुश्रवण कोषांग द्वारा कोषांग में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पीपीटी के माध्यम से कोषांग से जुड़े कार्यो एवं दायित्वों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।

ज्ञातव्य हो कि अरवल जिला जहानाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है और इस क्षेत्र में चुनाव से संबंधित अधिसूचना 07 मई 2024 को निर्गत किया जाना है। इसलिए उनके द्वारा कोषांग के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी को 06 मई 2024 से नियमित रूप से कार्यो को लेकर तत्पर एवं उपस्थित रहने हेतु निदेशित किया गया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, सहायक निदेशक समाजिक सुरक्षा, भूमि सुधार उप समाहर्ता के साथ अन्य उपस्थित रहे।

## नगर निगम क्षेत्र में नाले नालियों की सफाई शुरू

गया ।प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग,बिहार द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी मौनसुन 2024 में जल निकासी हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई है ।जिसमे गया नगर निगम की ओर से अभिलाषा शर्मा, नगर आयुक्त द्वारा भाग लिया गया है। नगर आयुक्त द्वारा बैठक में बताया गया की गया नगर निगम द्वारा बड़े एवं मध्यम, छोटे नालियों की सफाई हेतु दो बार निविदा प्रकाशित कराया गया परंतु मात्र दो ग्रुप में ही निविदा प्राप्त हुई है ।जिसमे आचार संहिता प्रभावी रहने के कारण सरकार के माध्यम से चुनाव आयोग से अनुमति प्राप्त की जा रही है। जिन नाला नालियों में निविदा प्राप्त नहीं हुआ है ।उसमे वर्षा प्रारंभ होने में समय कम रहने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से गया नगर निगम क्षेत्र में 18 बड़े नालों एवं वार्ड के मध्यम एवं छोटे नालियों की सफाई प्रारंभ कराई गई है। जिस नाला में जहां पर मशीन से सफाई हो सकता है वहां मशीन से सफाई कराई जा रही है। डिसिल्टिंग मशीन, अन्य मशीन से नाला एवं भूगर्भ नाला की सफाई कराई जा रही है ।नाला, नालियों की सफाई का नियमित अनुश्रवण किया जा रहा है। तीन जोन बनाकर उप नगर आयुक्त, नगर प्रबंधक, सहायक अभियंता, सहायक लोक स्वच्छता पदाधिकारियों, मुख्य सफाई निरीक्षक द्वारा लगातार अनुश्रवण एवं निरीक्षण जा रहा है। जिस जमादार द्वारा लापरवाही बरती गई है।

## जम्होर में गायत्री महायज्ञ की शुरूआत 6 मई से



औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के हृदय स्थली दुर्गा मैदान के प्रांगण में जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट के तत्वावधान में शांतिकुंज हरिद्वार के योग्य आचार्यो के सान्निध्य में नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ 6 मई से होगी ।यज्ञ आयोजन समिति के अध्यक्ष जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट के सहायक ट्रस्टी नवनीत कुमार ने बताया कि 6 मई को भक्तिमय वातावरण में जल यात्रा के साथ पवित्र विष्णु धाम के संगम तट से कलश में जलारोहण के साथ मंडप प्रवेश से यज्ञ की शुरूआत होगी ।संध्या में संगीतमय प्रवचन का आयोजन किया गया है। 7 मई को देव पूजन एवं नवधा भक्ति के निमित संगीतमय प्रवचन का आयोजन किया गया है ।वही, 8 मई को विभिन्न संस्कारों के बारे में चर्चा एवं यज्ञ फेरी का आयोजन किया गया है ।9 मई को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नशा मुक्ति संकल्प एवं 10 मई को 500 घरों में देव स्थापना के साथ नशा मुक्ति संकल्प का अभियान चलाने के साथ-साथ भंडारे का कार्यक्रम एवं पूणार्हुति और टोली की विदाई की जाएगी। यज्ञ समिति के सदस्य शब्दाक्षर के संगठन मंत्री सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि यज्ञ हमारी सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिस स्थान पर यज्ञ होते हैं उस स्थान से 10 कोश की दूरी तक के वातावरण शुद्ध हो जाते हैं। यह विज्ञान में भी बताया गया है कि यज्ञ के हवन कुंड से जो धूंआ निकलती है वह वायुमंडल के 10 किलोमीटर के आवरण को शुद्ध एवं परिष्कृत कर देती है धार्मिक ग्राम जम्होर में यज्ञ आयोजन की परंपरा वर्षो पुरानी है।

## कार्य कर रहे मजदूर को दिनदहाड़े गोली मार कर किया घायल



कैमूर। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद भी सोनहन थाना क्षेत्र के तरहनी गांव निवासी को गोली मारकर घायल कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनहन थाना क्षेत्र के तरहनी गांव निवासी अवधेश साह के 30 वर्षीय पुत्र गणेश साह दिनदहाड़े बेलगाम अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया। घायल युवक अवधेश साह का इलाज सदर अस्पताल भभुआ में चल रहा है। घायल युवक के हाथ पैर में गोली लगी है। घटना के खबर सुनकर कैमूर जिला पार्षद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल ने सदर अस्पताल भभुआ पहुंचकर जायजा लिया और घायल युवक को आर्थिक सहायता मुहैया करते हुए कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद भी ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत में हैं। उन्होंने यथाशीघ्र हमलावरों को गिरफ्तार करने एवं पीड़ित परिजनों को आर्थिक सहायता एवं निशुल्क इलाज करने का मांग किया है। घायल युवक दैनिक मजदूर हैं मजदूरी करके अपने परिवार का जीविकापार्जन करता है।

## विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन



औरंगाबाद। नवीनगर प्रखंड के मध्य विद्यालय शाहपुर के विद्यालय प्रांगण में प्रधानाध्यापिका कुमारी रीता सिंह का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि दयाशंकर सिंह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना, देवानंद कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी नबीनगर,राज नारायण राय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नबीनगर, संघ के प्रदेश सचिव धनंजय सिंह, शिक्षक नेता अशोक पाण्डेय, परमेंद्र सिंह,रवि शंकर सिंह सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। मंच का संचालन संतोष सिंह प्रखंड अध्यक्ष नबीनगर ने किया। सर्वप्रथम आगत अतिथियों को माल्यार्पण अंग वस्त्र और बुके द्वारा उनका सम्मान किया गया। दयाशंकर सिंह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना ने संबोधन के दौरान कहा कि यह एक विभागीय प्रक्रिया है हर व्यक्ति को 60 वर्ष नौकरी करने के बाद उनका रिटायरमेंट होता है। कुमारी रीता सिंह एक ईमानदार और कर्तव्य निष्ठ महिला शिक्षिका थीं। उन्होंने अपने कार्यो को बखूबी ईमानदारी पूर्वक निर्वहन किया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी देवानंद कुमार सिंह ने बताया कि शिक्षक को अपने कार्यो के प्रति हमेशा ईमानदार होना चाहिए शिक्षक समाज के दर्पण होते हैं समाज को आईना दिखाने का कार्य करते हैं।

राज नारायण राय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नबीनगर में अपने संबोधन के दौरान कहा कि आज शिक्षक अपने कार्यो को ईमानदारी पूर्वक कर रहे हैं और हम सभी को अपने कार्यो को ईमानदारी पूर्वक करना चाहिए उन्होंने कुमारी रीता सिंह को अच्छे स्वास्थ्य की कामना किया।

संघ के प्रदेश सचिव धनंजय सिंह शिक्षक नेता अशोक पांडे इंदल कुमार सिंह सुधीर कुमार सिंह परमेंद्र सिंह पैक्स अध्यक्ष संतोष सिंह समाजसेवी अरविंद कुमार सिंह भृगुनाथ नाथ सहित अन्य ने भी सभा को संबोधित किया। कुमारी रीता सिंह अपने स्वतंत्रता सेनानी नाना से प्रेरणा लेकर के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में शिक्षा का लक्ष्य जगाने का कार्य किया उन्होंने घर संघर्ष को उपरांत मध्य विद्यालय शाहपुर के चौमुखी विकास में अपना हर संभव मदद देखकर विद्यालय का विद्यालय के माहौल का खूब विकास किया। कुमारी रीता सिंह के अवकाश प्राप्त होने पर विद्यालय परिवार काफी भावुक थे।

## रणवीर सिंह की फिल्म की शूटिंग फिर टली, पहले शुरू करेंगे प्रशांत की 'राक्षस'

फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म डॉन 3 की घोषणा पिछले साल के अगस्त महीने में की गई थी। तभी से दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस साल फरवरी के महीने में फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के रूप में कियारा आडवाणी का एलान किया गया था। अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग की 2025 तक के लिए टाल दी गई है। रिपोर्ट्स की मानें तो अगले साल फरवरी महीने से इसकी शूटिंग शुरू होगी। सूत्रों के मुताबिक रणवीर इस फिल्म से पहले राक्षस की शूटिंग करेंगे। बताया जा रहा है कि डॉन 3 की लोकेशन के सिलसिले में फरहान इन दिनों लंदन में हैं। रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो फिलहाल फरहान बतौर अभिनेता इस साल अपनी फिल्म खत्म करेंगे। इसके बाद ही वे डॉन 3 पर काम शुरू करेंगे। डॉन 3 इस सुपरहिट फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इसका पहला भाग 2006 में रिलीज हुआ था, जिसमें शाहरुख खान के साथ प्रियंका चोपड़ा, अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद 2011 में इसका सीक्वल आया था। दर्शकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई थी। वहीं, अब इसके तीसरे भाग में रणवीर सिंह को मुख्य अभिनेता के रूप में कास्ट किया गया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह को जल्द ही अजय देवगन अभिनीत सिंघम अगेन में नजर आएंगे। यह रोहित शेट्टी के पुलिस यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है। इसमें अजय और रणवीर के अलावा करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर भी होंगे। इसके अलावा वे प्रशांत वर्मा की फिल्म राक्षस में भी दिखेंगे। वहीं, कियारा आडवाणी गेम चेंजर और वॉर 2 जैसी बड़े बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

# आज हीरोइनों को शादी के बाद जिस तरह के मौके मिल रहे हैं, वो पहले नहीं मिलते थे

**सोनाली बेंद्रे ने नब्बे के दशक में तमाम शानदार फिल्में कीं। शादी और बच्चे के बाद ब्रेक लेने वालीं सोनाली ने टीवी पर रिएलिटी शोज से वापसी की। पिछले दिनों उन्होंने वेब सीरीज द ब्रोकन न्यूज से ओटीटी पर डेब्यू किया, जिसका सीजन 2 जल्द आने वाला है।**

**पहले एक्ट्रेस का करियर शादी के बाद ब्रेक हो जाता था। लेकिन आज शादी के तुरंत बाद आप अगली फिल्म कर रहे होते हैं। इस बदलाव को आप कैसे देखती हैं?**

मैं अपनी शादी के बाद भी काम कर रही थी। मैंने बच्चा होने के बाद ब्रेक लिया था। ऐसा इसलिए क्योंकि वह वक्त मैं अपने बच्चे के साथ बिताना चाहती थी। भगवान की कृपा से मेरे पास वह लग्जरी थी कि मैं ऐसा कर सकती थी। लेकिन यह बात सही है कि आज हीरोइनों को शादी के बाद जिस तरह के मौके मिल रहे हैं, वैसे पहले नहीं मिलते थे और मैं इसके लिए बहुत खुश हूं। हम सारी ऐक्ट्रेस जो उस समय काम कर रही थीं, हम सबने बहुत जल्दी काम शुरू किया। आप कितने भी अच्छे ऐक्टर हों, लेकिन कुछ चीजें जिंदगी जीकर ही सीख सकते हो। और जब तक आप वह जिंदगी जीना शुरू करते हो, तब तक ऐसा पीरियड आ जाता है, जब लोग आपके लिए लिखना बंद कर देते हैं। कुछ रोल्स एक खास उम्र वाली ऐक्ट्रेस के लिए ही लिखे जाते थे। अब यह एक अवसर है कि अलग-अलग उम्र के लिए रोल लिखे जाने लगे हैं, अलग-अलग किस्म के लेखक लिख सकते हैं। अब स्टोरीज को पर्दे पर आने का मौका मिल रहा है।

**आपने सिनेमा, टीवी और ओटीटी तीनों मीडियम में काम किया है। क्या फर्क महसूस किया आपने?**

कैमरा के सामने तो बिलकुल एक जैसा ही है। मैंने जो टैलेंट रियलिटी शो किए हैं, वे अलग हैं। वहां मैं किरदार अदा नहीं कर रही होती हूं, बल्कि मैं खुद होती हूं। मैं प्रतिभाशाली लोगों के साथ मिलना-जुलना काफी एंजॉय करती हूं। हमारे देश में इतने टैलेंटेड लोग हैं। अब सोशल मीडिया आ गया है तो उनको एक जगह मिल रही है, जहां वे अपनी प्रतिभा दिखा पाते हैं। लेकिन हमारे दौर में किसी को पता भी नहीं था कि देश में इतनी प्रतिभा है। उसका चार्म अलग ही था। वह हमारे लिए सरप्राइज होता था कि इतना कुछ हो सकता है। लेकिन जहां पर फिल्में, फिक्शन या ओटीटी हुआ, तो उनमें कुछ चीजें एक जैसी हैं, तो कुछ में फर्क है। जैसे कैमरे के सामने वाली ऐक्टिंग थियेटर स्टेज से थोड़ी अलग होती है। फिल्में दो-ढाई घंटे में कहानी बताती हैं और इनमें आपके किरदार का एक पहलू दिखाया जाता है। ओटीटी पर जब आप सीरीज कर रहे होते हो, तो वह एक लंबे अंतराल वाला होता है। उसमें आपको थोड़े और पहलू दिखाने का मौका मिल जाता है। जो किरदार 2 घंटे में आपको फिल्मों में खत्म करना होता है, उसके लिए ओटीटी में आपको छह घंटे मिल जाते हैं। यानी आपको उसे समझने का और वक्त मिल जाता था।

**आपने लंबे अरसे बाद वेब सीरीज द ब्रोकन न्यूज से एक्टिंग की दुनिया में वापसी की। कैसा अनुभव रहा?**

ये दोनों बहुत अच्छे कलाकार हैं। लेकिन मुझे यह डर था, क्योंकि मैंने दोनों का काम देखा हुआ था। दोनों ने अलग-अलग किरदार करके कहां से कहां तक अपनी जगह बनाई है। यह देखकर मैं बहुत घबराई हुई थी। दोनों अपने काम में बहुत कमाल के हैं। जो उनके सामने लाओ, वह इतने अच्छे से कर जाओ। आप कितने भी लोगों के साथ काम कर चुके हों, लेकिन जब आप नए लोगों के साथ काम करते हो, तो आपको बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है। मेरे लिए भी इंडस्ट्री बहुत बदल चुकी है। काम करने का तरीका काफी बदल चुका है। इन दोनों से मैंने बहुत कुछ सीखा है और बहुत ही एंजॉय किया।

## यश की टॉक्सिक से बाहर हुईं करीना

जब यह खबर आई कि करीना कपूर खान यश की आगामी फिल्म टॉक्सिक में अभिनय करेंगी तो प्रशंसक रोमांचित हो गए। हालांकि, हालिया अपडेट से पता चला है कि करीना ने फिल्म से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। वहीं, इसके पीछे की चौंकाने वाली वजह भी सामने आ गई है। ताजा रिपोर्ट की मानें तो शेड्यूलिंग टकराव के कारण अभिनेत्री अब इस परियोजना में शामिल नहीं है। प्रोडक्शन से जुड़े करीबी सूत्रों ने पिंकविला को बताया कि करीना कपूर की डेट्स यश की टॉक्सिक के साथ मेल नहीं खातीं। कैलेंडर को समायोजित करने के प्रयासों के बावजूद, उन्होंने अलग होने का फैसला किया है। करीना कपूर के बाहर निकलने के बाद, प्रोडक्शन टीम अब कई अभिनेत्रियों के साथ उस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए बातचीत कर रही है जो मूल रूप से उनके लिए थी। टॉक्सिक भाई-बहन की गतिशीलता पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जिससे बहन की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माता इस भूमिका के लिए पैन इंडिया उपस्थिति वाली अभिनेत्रियों की तलाश कर रहे हैं। इस बीच, फिल्म में यश के साथ मुख्य भूमिका के लिए कियारा आडवाणी की पुष्टि हो चुकी है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित, टॉक्सिक यश और पुरस्कार विजेता निर्देशक के बीच पहला सहयोग है। 10 अप्रैल, 2025 की योजनाबद्ध रिलीज की तारीख के साथ, फिल्मांकन वर्तमान में प्रगति पर है। यश, नितेश तिवारी की रामायण के साथ इस फिल्म का सह-निर्माण भी कर रहे हैं।

## सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी से जुड़े अक्षय ओबेरॉय

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय कथित तौर पर आगामी रोमांटिक कॉमेडी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के लिए बोर्ड पर आ गए हैं। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में डायनामिक जोड़ी वरुण धवन और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। बीते दिन इस फिल्म से रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा के जुड़ने की खबर सामने आई थी। फिल्म पर आ रहा लगातार नया अपडेट फैंस के उत्साह को बढ़ा रहा है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अक्षय ओबेरॉय के शामिल होने की खबर ऑनलाइन जारी की। प्रोडक्शन से जुड़े करीबी सूत्रों के मुताबिक, ओबेरॉय फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और वरुण धवन और जान्हवी कपूर के साथ सितारों से भरे समूह में शामिल होंगे। यह जानकारी कलाकारों में सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ को शामिल करने की हालिया रिपोर्टों के बाद सामने आई है। फिल्म के विषय के बारे में बताते हुए, रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि यह एक सर्वोत्कृष्ट पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है, जिसका मूल रोमांस है, जो खेतान की पिछली फिल्मों में देखी गई सिग्नेचर शैली की प्रतिध्वनि है। अक्षय ओबेरॉय को पीकू, गुड़गांव और फितूर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है।

## कंगुवा एक महान फिल्म है, जिसे शानदार तरीके से बनाया गया है

सुपरस्टार सूर्या की आने वाली फिल्म कंगुवा एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। फिल्म में सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पाटनी मुख्य किरदार निभा रहे हैं। बॉबी को सूर्या के साथ देखने के लिए हिंदी के दर्शक काफी उतावले नजर आ रहे हैं। टीजर जारी होने के बाद से ही फैंस बेसब्री से इसे देखने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अब खुद सूर्या की पत्नी ज्योतिका ने भी कंगुवा को लेकर बड़ी बात कही है। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में ज्योतिका ने अपने पति सूर्या की फिल्म कंगुवा के बारे में बात की। उन्होंने यकीन के साथ कहा कि कंगुवा के जरिए सिनेमा में पहली बार कुछ नया देखने को मिलने वाला है। यह एक महान फिल्म है, जिसे शानदार तरीके से बनाया गया है। हालांकि, सूर्या में फिल्म के लुक को लेकर उन्होंने मजाक में कहा कि मुझे लगता है कि अब सूर्या को जल्दी बाल कटा लेने चाहिए। साक्षात्कार में ज्योतिका अपने पति की तारीफ करने से भी नहीं चूकीं। उन्होंने कहा कि सूर्या फिल्म में अपना 200% देते हैं। वह कमाल हैं और ऐसा इसलिए नहीं कह रही, क्योंकि उनकी पत्नी हूं। करियर हो चाहे शादी हो या फिर बच्चे, सूर्या हर चीज में अपना 200% देते हैं।

ज्योतिका की अगली फिल्म श्रीकांत- आ रहा है सबकी आंखें खोलने है, जिसमें वह राजकुमार राव के साथ अभिनय करती दिखाई देंगी।

## कृति ने शुरू की अगली फिल्म की तैयारी!

अभिनेत्री कृति सेनन के लिए इस साल की शुरुआत शानदार रही है। इस साल फरवरी में वह शाहिद कपूर के साथ फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आईं। इसके बाद मार्च में वह फिल्म क्रू का हिस्सा बनीं। करीना कपूर और तब्बू के साथ कृति की जोड़ी खूब जमी। अब लग रहा है कि कृति अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गई हैं। उन्होंने जो तस्वीर साझा की है उससे यही लग रहा है कृति तस्वीर में स्क्रिप्ट पढ़ती नजर आ रही हैं।

ओटीटी में अपने अभिनय की साख जमा चुके अभिनेता प्रतीक गांधी को बड़े पर्दे पर मडगांव एक्सप्रेस में भी काफी पसंद किया गया। थिएटर की परवरिश पा चुका ये अदाकार इन दिनों चर्चा में है, अपनी नई फिल्म दो और दो प्यार से। विद्या बालन और इलियाना डिक्रूज के हीरो बन कर आए प्रतीक जल्द ही यामी गौतम और तापसी पन्नू के नायक के रूप में दिखेंगे।

# मेरी शादी में 15 साल बाद भी रोमांस बरकरार है

**आपकी पिछली फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में आपके काम को तारीफ मिली। आप इंटेंस भूमिकाओं के बाद कॉमिडी के रंग में रंगे नजर आए। हर तरह की भूमिकाएं निभाकर कैसा महसूस हो रहा है?**

मुझे हमेशा से कॉमिडी बहुत पसंद रही है और मेरा मानना है कि कॉमिडी बहुत मुश्किल भी है। थिएटर में तो मैंने कई कॉमिक किरदार किए थे, मगर बड़े परदे पर मैं स्लैपस्टिक ह्यूमर पहली बार कर रहा था। मैं ये कॉमिडी उसी डायरेक्टर के साथ करना चाह रहा था, जिसे इसकी समझ हो और मैं कह सकता हूं कि कुणाल खेमू से ज्यादा और बेहतरीन कौन हो सकता था। उन्हें कॉमिडी की गहरी समझ है और जिस तरह से उन्होंने स्क्रिप्ट लिखी, वो कमाल की थी। नरेशन के वक्त ही मैंने सोच लिया था कि ये स्क्रिप्ट वर्क करेगी। सच कहूं, तो अपने करियर के इस दौर से बहुत खुश हूं। मेरे लिए ये विन विन सिचुएशन है। मैं हमेशा से विविधरंगी काम करना चाह रहा था और खुशी की बात ये है कि दर्शकों को मेरा काम पसंद आ रहा है। ये मेरे करियर का बेस्ट टाइम है।

**अपनी फिल्म दो और दो प्यार में आप शादी में चीटिंग करते हैं, मगर असल जिंदगी में आप चीटिंग को कैसे देखते हैं? यदि आपको फिल्म जैसी सिचुएशन से गुजरना पड़े तो?**

देखिए, चीटिंग शब्द अपने आप में बुरा ही है। चाहे वो काम में हो या इमोशन में। मगर फिल्म में हम बात कर रहे हैं, ऐसे कपल की, जिनका शायद अंदर ही अंदर प्यार सूख चुका है और वे बाहर प्यार ढूंढने निकल पड़े हैं और फिर सिचुएशन ऐसी आती है कि वे लोग दोबारा एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं। ये जो स्थिति है, ये इतनी जटिल है कि इसे अच्छा-बुरा या काला-सफेद कहना मुहाल है, जो इस सिचुएशन में है, वही समझ सकता है। हम बैठ कर तो कोई भी जजमेंट पास कर सकते हैं, मगर उनके जूते में पैर रख कर सोचना होगा कि क्यों और कैसे हुआ होगा? मैं इस हालात में कभी नहीं पड़ना चाहूंगा। सोच कर ही कांप उठता हूं। अगर आपके पास दो जॉब लेटर हों, तो आपको उसमें से चूज करना मुश्किल हो जाता है, तो फिर ये तो दो नाव की सवारी है, जो और भी दुष्कर है।

**आप मोहन नो मसालो, हूं चंद्रकांत बक्शी जैसे गुजराती नाटक, तो मेरे पिया गए रंगून जैसे हिंदी नाटकों में काम कर चुके हैं। थिएटर ने आपके अभिनय की जमीन को कितना पुख्ता किया?**

हर तरह से पुख्ता किया। मैंने जितनी कहानियां कीं, सभी से कुछ न कुछ सीखा। रंगमंच पर मैं किरदार की छोटी-छोटी बातों पर बहुत ध्यान दे पाया। एक गहन रिसर्च से गुजरा मैं हर बार। थिएटर से मैंने कन्विक्शन और डिसिप्लिन सीखा। एक अदाकार के रूप में कब आगे बढ़ना है और कब थम जाना है, ये सीखा। ये भी जाना कि सारी की सारी तालियां बटोरने का हकदार सिर्फ मैं नहीं हूं। मुझमें एक सेल्फलेसनेस नाटकों से आई।

**आम तौर पर कहा जाता है कि शादी के बाद रोमांस खत्म हो जाता है, क्या आप भी ऐसा मानते हैं?**

बिल्कुल भी नहीं। मेरी शादी को 15 साल हो गए हैं और मुझे ऐसा जरा भी नहीं लगता। मेरी शादी में रोमांस अब भी बरकरार है, मगर किसी की शादी में रोमांस क्यों खत्म हो जाता होगा, मैं समझ सकता हूं। जब आप रिश्तों को बहुत ग्रांटेड लेने लगते हैं, जब आपका अपने पार्टनर से कम्युनिकेशन बंद हो जाता है, तो वो शुरुआत होती है, आपके रिश्तों की दूरी की। प्यार का ये मतलब नहीं कि आप एक-दूसरे पर गुस्सा नहीं कर सकते या आपके मतभेद नहीं हो सकते, प्यार का मतलब ये होता है कि आप बिना डर के अपने सारे इमोशन जता सकते हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### 5 लीटर कच्ची शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बरियारपुर(मुंगेर)। बरियारपुर थाना पुलिस ने 5 लीटर कच्ची शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। जबकि शराब पीकर हंगामा कर रहे हैं तीन शराबियों को भी पुलिस ने पकड़ा है। सभी को जेल भेजा गया है इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि बहादुरपुर गांव में संध्या गश्ती के दौरान तीन लोग शराब के नशे में हंगामा कर रहे थे। ग्रामीणों के निशानदेही पर दो से नशे में धूर्त शराबियों को पकड़ कर ब्रेथ एनालाइजर से जांच कराया गया जिसमें सभी के शराब पीने की पुष्टि हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इन शराबियों के शराबियों के निशानदेही पर बहादुरपुर गांव निवासी अनिल मंडल के घर पुलिस ने छापेमारी की जहां पर से प्लास्टिक के डब्बे में 5 लीटर कच्ची शराब बरामद किया गया है।

### 208 कलश के साथ शोभा यात्रा निकली गई

टेटिया बम्बर (मुंगेर)। 9 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन को लेकर टेटिया बंम्बर स्थित काली मंदिर प्रांगण से 208 कलश शोभा यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में 208 युवतियों, व महिलाओं ने भाग लिया। 09 दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन का शुभारंभ शनिवार से हुआ। जो कि दिनांक 04 से 12 मई तक चलेगा। कैलाश शोभा यात्रा बम्बर काली स्थान से होकर जगन्नाथ उच्च विद्यालय होते पुनः अपने स्थान पहुंची इस मौके पर छात्र नेता अभिषेक केशरी, पंचायत समिति के सदस्य शशि भूषण सिंह ने बेल का शरबत शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को पिलाया गया। प्रीतम केशरी, सतीश साह, प्रशांत केशरी, दयाशंकर तिवारी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

### जनता दरबार का आयोजन

बरियारपुर (मुंगेर) बरियारपुर थाना प्रांगण में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता एस आई बी एन पासवान ने किया। राजस्वकर्मी कर्मचारियों धर्मवीर राम मौजूद थे। पूर्व से चली आ रही बंटवारा तीन भाई के बीच बंटवारे के विवाद में एक पक्ष द्वारा समझौता नही मानने से तीनो पक्षों को व्यवहार न्यायालय जाने की सलाह देते हुए कहां कि एक बार घर में बैठक कर पुनः प्रयास कर समस्या का निष्पादन करें।

### अवैध शराब कारोबारी सहित एक वारंटी गिरफ्तार

सदर मुंगेर |बरियापुर थाना क्षेत्र के दो भिन्न-भिन्न जगहों से तीन शराबी एक अवैध शराब कारोबारी सहित एक वारंटी को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बहादुरपुर गांव में शराब पीकर हंगामा करते तीन शराबी पंकज कुमार गौतम कुमार एवं रमेश यादव को गिरफ्तार किया गया। वहीं बहादुरपुर निवासी अवैध शराब कारोबारी अनिल मंडल को 5 लीटर देसी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया इसके अलावा एक वारंटी सरस्वती नगर निवासी क्रांति मंडल को गिरफ्तार कर सभी अभियुक्तो को न्यायिक हिरासत में मुंगेर भेज दिया गया।

### बेतहाशा गर्मी के कारण पुआल में आग लगने से मची अफरा तफरी

भागलपुर। जैसे जैसे गर्मी व लू भरी हवा के साथ मौसम में तपिश व तीव्र धूप बढ़ती जा रही वैसे वैसे जिला परिक्षेत्र के दर्जनों गांव व शहरी इलाके में आग लगने की घटना लगातार सामने आ रही है। इसी कड़ी में एक और अगलगी की घटना नाथनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शहजादपुर पंचायत गांव इलाके में रखे पुआल की टाल में आग लगने की घटना सामने आई है। वही आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। वही आग लगने से पूरे गांव इलाके में अपरा तफरी मच गई, वही घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने आनन फानन में कई मस्कत के घंटे प्रयास के बाद आग पर काबू पाने में सफलता प्राप्त की। वही फायर ब्रिगेड की टीम के पहुंचने के पूर्व ही ग्रामीणों ने अपने सूझबूझ से आग को बुझाने में सफल रही थी।

### पीड़ित परिवार ने डीआईजी व एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

भागलपुर। विगत 30 अप्रैल को नाथनगर थाना क्षेत्र के संत नगर गांव इलाके में खेत पटवन के दौरान दो पक्षों के बीच में हुई विवाद में मारपीट व गाली गलौज की घटना घटित होने का मामला सामने आया था। वही उक्त मामले को लेकर एक पक्ष के लोगों के द्वारा थाने में आवेदन दे मामला दर्ज कराने की गुहार लगाई लेकिन संबंधित थाने के थाना पुलिस द्वारा पीड़ित परिवार का आवेदन स्वीकार नहीं किया। जिसे लेकर पीड़ित पक्ष के सजनी देवी ने आरक्षी पुलिस उपमहानिरीक्षक के कार्यालय में पहुंच कर अपना आवेदन दे न्याय की गुहार लगाई है। वही मामले को लेकर सजनी देवी ने कहा कि विगत 30 अप्रैल को करीब 2:00 बजे दिन में जब मैं और मेरे पति पवन कुमार अपने खेत में पटवन कर रहे थे।

# पोलिंग पार्टी के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण का शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर। लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के चौथे चरण में मुंगेर लोक सभा संसदीय क्षेत्र में होने वाले मतदान को लेकर जिला प्रशासन पूर्ण रूप से तैयार है। जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा मतदान को लेकर जहां लगातार बैठकें की जा रही है, वहीं सुरक्षा के भी चाक चौबंद इंतजाम किए जा रहे हैं। साथ ही मतदान को शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर मास्टर ट्रेनरों द्वारा पोलिंग पार्टियों सहित अन्य कर्मियों को भी प्रषिक्षण दिए जा रहे हैं। पोलिंग पार्टी के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण का शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। पोलिंग पार्टी के लिए द्वितीय चरण का प्रशिक्षण मॉडल उच्च विद्यालय, बैद्यनाथ बालिका उच्च विद्यालय, टाउन उच्च विद्यालय तथा उपेंद्र ट्रेनिंग स्कूल में दिया जा रहा है। शनिवार के दिन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी द्वारा मॉडल स्कूल में चल रहे प्रशिक्षण का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने मास्टर ट्रेनरों द्वारा पोलिंग पार्टियों को दिए जा रहे ट्रेनिंग की जानकारी ली, वहीं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कर्मियों से भी सवाल जवाब किए। कुछ कर्मियों द्वारा सही जवाब नहीं दिए जाने पर जिलाधिकारी ने उन्हें फटकार भी लगायी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत ही महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्य है, इसमें किसी भी प्रकार की कोई गलती बर्दास्त नहीं की जाएगी। आपकी एक गलती से मतदान प्रभावित हो सकता है, इस लिए मास्टर ट्रेनरों द्वारा जो भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, उसका बारिकी से जानकारी प्राप्त करें और नोट बुक में उसे अवश्य लिखें, ताकि किसी प्रकार की कोई परेशानी होने पर आप उसे देख कर अपनी गलती सुधार सकें और मतदान के दिन आपके कारण मतदाताओं तथा अन्य कर्मियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रशिक्षण प्राप्त कर्मी द्वारा मतदान के दिन किसी प्रकार की समस्या अथवा मतदान में कोई परेशानी उत्पन्न हुई तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस लिए आप सभी इस प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और मतदान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी कर्मियों से कहा कि वे जब भी प्रशिक्षण में आएं अपने साथ नोट पैड और कलम जरूर लाएं ताकि मास्टर ट्रेनरों द्वारा बताए गए जरूरी बातों को उसमें लिख सकें और प्रशिक्षण का लाभ उठा सकें।

# राजनीति में अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया और परिवार को दी अहमियत : सीएम

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर । कांग्रेस और राजद परिवारवाद की राजनीति में विश्वास रखते हैं आजादी के बाद देश की राजनीति और शासन एक ही परिवार के आसपास घूमता रहा अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया और नौ बच्चे पैदा किया और अपने बेटे बेटियों को राजनीतिक विरासत दे डाला मैं पूरे बिहार को ही नहीं पूरे देश को अपना परिवार मानता हूं उपयुक्त बातें आज एक चुनावी सभा को मुंगेर संसदीय क्षेत्र के बेसिक स्कूल खंडा बिहार के मैदान में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहीं। श्री कुमार ने कहा कि 2005 से पहले का बिहार देख चुके हैं।

आप अपराध घर से 5:00 बजे के बाद निकलना मुश्किल होता था राज्य की सड़कों की हालत काफी खराब स्थिति में थी। बिजली नहीं थी आज घर-घर बिजली और सड़क ठीक हो गई हैं घर-घर जल नल की व्यवस्था की गई है शिक्षा के स्तर में अमूल सुधार हमने किया। लड़कियों को साइकिल योजना और पोशाक राशि दिया जा रहा है महिलाओं को 50% आरक्षण की व्यवस्था मैंने किया सीएम ने कहा कि बिहार मॉडल पूरे देश में जीविका मॉडल लागू हुआ स्वयं सहायता समूह 1056000 हो गया है वही जीविका की संख्या एक करोड़ हो गई है बिहार के 94 लाख परिवारों को दो लाख रुपए देने का वादा किया है।

मुंगेर एक ऐतिहासिक स्थान है यहां पर्यटक स्थलों का विकास किया जा रहा है उन्होंने कहा कि भाजपा से मेरा संबंध 1995 से ही है और अब इधर-उधर जाने का इरादा नहीं है। उन्होंने मुंगेर लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी को जनता से माला पहनने के लिए हाथ उठाकर और जदयू के प्रत्याशी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को मंच पर माला पहना दिया। इस सभा को तारापुर के विधायक राजीव कुमार सिंह विधायक ललित कुमार पूर्व मंत्री शैलेश कुमार और विजय कुमार मंत्री तथा इस सभा की अध्यक्षता भाजपा उत्तरी के अध्यक्ष उदय आनंद चौधरी उर्फ भट्टू सिंह ने की।

# मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को लेकर निकाली गई मोटरसाइकिल रैली

## जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी एवं स्वीप आई कोन ने हरी झंडी दिखाकर मोटरसाइकिल रैली को किया रवाना

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर। लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के अवसर पर मतदाताओं द्वारा अधिक से अधिक मतदान किए जाने को लेकर स्वीप गतिविधि के तहत लगातार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को स्वीप गतिविधि के तहत मतदाता जागरूकता हेतु उपेंद्र ट्रेनिंग स्कूल से प्रशिक्षण कोषांग के प्रशिक्षुओं मोटर साइकिल रैली निकाली गयी, जिसे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, स्वीप आई कॉन श्रीजा सेन गुप्ता, स्वीप के नोडल पदाधिकारी सहित प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी आदि उपस्थित थे। प्रशिक्षण कोषांग के कई प्रशिक्षुओं ने मोटर साइकिल रैली में हिस्सा लिया। रैली उपेंद्र ट्रेनिंग स्कूल से निकल कर विभिन्न चौक चैराहों से होते हुए मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक कर रही थी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने बताया कि लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के चौथे चरण में 28 - मुंगेर लोक सभा संसदीय क्षेत्र में आगामी 13 मई को मतदान निर्धारित है। मतदान को लेकर मतदाताओं में जागरूकता फैलाने के लिए स्वीप गतिविधि के तहत प्रखंड से जिला स्तर पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज इस कड़ी में उपेंद्र ट्रेनिंग स्कूल से दर्जनों कर्मियों द्वारा मोटर साइकिल रैली निकाली गयी है, जिसके माध्यम से आम मतदाताओं को आगामी 13 मई को होने वाले मतदान के लिए जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि मतदान के दिन लोग अधिक से अधिक संख्या में घर से बाहर आएं और अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपना अहम योगदान दें। उन्होंने सभी मतदाताओं से लोक सभा निर्वाचन 2024 के अवसर पर हर हाल में अपने मताधिकार के प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण तभी संभव है जब आप सभी मतदाता जागरूक हो अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

# आग लगने से पांच घर जलकर हुआ राख

सदर मुंगेर। सदर प्रखंड के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत कुतलूपुर दियारा पंचायत के वार्ड संख्या 8 बहादुर नगर गांव में भीष्म आग लगने से पांच घर जलकर खाक हो गए। लोग जब तक आग बुझाने का प्रयास किया तब तक घर में रखें गेहूं ,चावल, चौकी ,खटिया, बिछावन, टेबल, कुर्सी सहित घर में रखे हुए सभी प्रकार के खाने पीने से लेकर पहने तक का एक भी सामान लोग घर से नहीं निकल सके। वहीं पंचायत के मुखिया जितेंद्र रजक ने बताई की दियारा क्षेत्र होने के कारण हम लोगों को हर वर्ष अग्नि देव का प्रकोप सहना पड़ता है। हमने आग की सूचना दमकल विभाग को दिया पर जब तक में दमकल की गाड़ी आती तब तक में पांच घर जलकर सोहा हो गए। ग्रामीणों ने किसी तरह से आग बुझाने का प्रयास किया पर आग इतनी तेज थी कि ग्रामीणों को समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वही दमकल की गाड़ी आकर आज पर किसी तरह से काबू पाया।

# संदिग्ध मौत पर परिजनों ने ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप

## घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ससुर को लिया हिरासत में ले कर रही पूछताछ

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। एक नवविवाहित युवती की संदिग्ध हालत में हुई मौत को लेकर उसके परिवार सदस्यों ने ससुरल पक्ष के लोगों पर एक साजिश के तहत हत्या किये जाने का आरोप मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि कजरैली थाना क्षेत्र अंतर्गत बिशनपुर गांव के जितेंद्र दास की 22 वर्षीय पत्नी कविता देवी के रूप में हुई है। कविता देवी का मायका बांका जिले के अमरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुलहडिया गांव बतायी जा रही है। वही लड़की के पिता अनिल दास पेशे से मजदूर हैं। मामले को लेकर मृतिका के परिजनों का आरोप है की ससुराल वालों ने ही एक साजिश के तहत उसकी हत्या की है, उक्त मामले को लेकर परिजनों ने बताया कि कल दोपहर 1:00 बजे के करीब कविता अपनी मां से फोन पर बात कर रही थी और कुछ मिनट बाद उसके मौत की खबर परिजनों को मिली तो वही घटना की जानकारी मिलते ही स्वजनों के साथ परिजन कविता के ससुराल पहुंचे तो उसके मृत शव को घर में पाया जबकि ससुर बहादुर दास के अलावा उसकी सास और ननद घर से फरार चल रहे है। वहीं लड़की का पति जितेंद्र दास दिल्ली में किसी प्राइवेट कंपनी में मजदुरी का काम करता है और घटना की जानकारी मिलने पर वह दिल्ली से अपने घर के लिए रवाना हो चुके है। मृतका के परिजनों ने कहा कि कविता और जितेंद्र की शादी को 1 वर्ष पूरा भी नहीं हुआ है। वही उन्होंने कहा कि शादी में तमाम खर्च दहेज के रूप में लड़के वालों को दिए गए थे, बावजूद इसके मेरी बेटी की हत्या कर दी गई है। घटना की जानकारी मिलने पर कजरैली थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच व पूछताछ हेतू लड़के के पिता बहादुर दास को हिरासत में लिया है, वही मृतिका के ससुर का कहना है उसे मामले की कोई जानकारी नहीं, और दोनों पति पत्नी के बीच क्या हुआ है हमे कुछ भी पता नही है, फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

# 12 अभ्यर्थियों के लेखा संधारण के जांच की कार्रवाई व्यय पर्यवेक्षक साधन सिंह की अध्यक्षता में हुई संपन्न

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर ।(04 मई 2024)। लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के चौथे चरण में मुंगेर में होने वाले मत 12वर्षो केदान को लेकर शुक्रवार को अभ्यर्थी व्यय कोषांग में पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार सभी 12 अभ्यर्थियों के लेखा संधारण के जांच की कार्रवाई व्यय प्रेक्षक सत्य साधन सिंह की अध्यक्षता में हुई। लेखा जांच में 28- मुंगेर लोक सभा संसदीय क्षेत्र के कुल 12 में से दस अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर नोडल पदाधिकारी अभ्यर्थी व्यय कोषांग सह संयुक्त आयुक्त राज्य कर योगेंद्र कुमार शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे। नोडल पदाधिकारी ने बताया कि लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के लिए 28 - मुंगेर लोक सभा संसदीय क्षेत्र के तहत सभी 12 अभ्यर्थियों के लेखा संधारण की जांच शुक्रवार को निर्वाचन व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग, मुंगेर (राज्य-कर संयुक्त आयुक्त, कार्यालय मुंगेर अंचल, मुंगेर में व्यय प्रेक्षक की देख रेख में की गयी। इस जांच में 12 में से 10 अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। व्यय प्रेक्षक सहित उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा निर्वाचन कार्य में अभ्यर्थियों द्वारा किए जा रहे व्यय के लेखा का संधारण कर सैडो रजिस्टर से मिलान किया गया। उन्होंने कहा कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पंजी के निरीक्षण के लिए लेखा जाँच की तीन तिथि निर्धारित की गयी है। 03.05.2024 शुक्रवार को पहली तिथि के दिन 10 अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया है। अब दूसरी लेखा संधारण जांच 07.05.2024 तथा तीसरी 11.05.2024 निर्धारित है, जहां 10 बजे पूर्वाहन से 05 बजे अपराह्न तक में पंजी का जांच किया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने सभी 28, मुंगेर लोक सभा आम निर्वाचन 2024 क्षेत्र के अभ्यर्थियों से उक्त निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर स्वयं या घोषित अधिकृत प्रतिनिधि (एजेन्ट) के माध्यम से अपने लेखा की जाँच करवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लेखा जाँच में विफल रहने पर अथवा उपस्थित नहीं होने की स्थिति में निर्वाचन आयोग के प्रावधानानुसार विधिसम्मत कारवाई की जायेगी।

# बैंक लूटकांड को अंजाम देने वाले तिवारी गैंग चढ़ा पुलिस के हत्थे : एसपी

प्रात : किरण संवाददाता।

भागलपुर। पुलिस जिला नवगछिया परिक्षेत्र पुलिस टीम ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बताया जा रहा है कि लूटकांड की घटना को अंजाम देने वाले अन्तर जिला तिवारी गैंग गिरोह का भंडाफोड़ हुआ हैं। उक्त आशय की जानकारी को लेकर एसपी कार्यालय बेस में आयोजित प्रेसवार्ता के क्रम में एसपी पूरण झा नें साझा करते हुए बताया कि विगत दिनों नवगछिया पुलिस को गुप्त सूचना मिली की एनएच 80 स्थित एक होटल में 9-10 व्यक्ति इकट्ठा होकर किसी बड़ी अपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे है। उक्त प्राप्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अद्योहस्ताक्षरी, नवगछिया एसपी के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नवगछिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम में थानाध्यक्ष, अपर थानाध्यक्ष नवगछिया थाना, परि पुअनि मनीष कुमार एवं डीआईयू टीम को शामिल किया गया था। वही गठित टीम ने योजनाबद्ध तरीके से सूचना स्थल पर पहुंच रणनीति के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए एनएच 31 स्थित होटल की तलाशी जांच के क्रम में एक हॉलनुमा बने एक कमरे में सभी अपराध कर्मी किसी अपराध की योजना बना रहे थे, जहां पुलिस टीम ने दबिशदेकर एक साथ कुल 9 व्यक्तियों को संदिग्ध हालत में अवैध हथियार, नगद रूपया एवं अन्य सामान के साथ धर दबोचा।पुलिस की गिरफ्त आए सभी अपराधी तिवारी गैंग से जुड़े हुए शातिर अपराधी के रूप में पहचान हुई है। वही पुलिस की पूछताछ जांच में गिरफ्तार अपराधकर्मियों के द्वारा स्वीकारोक्ति बयान में बताया है कि अलग-अलग जिलान्तर्गत चोरी एवं लूट जैसी कांड को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। वही पुलिस टीम ने गिरफ्तार सभी अपराधकर्मियों के विरूद्ध विभिन्न थाना अंतर्गत पूर्व का भी अपराधिक इतिहास रहा है। साथ ही एसपी ने बताया कि अपराधकर्मियों के पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, दो मोटरसाइकिल, नकदी 21 हजार रुपये के अलावा एक एंड्राइड व पाँच कीपैड मोबाईल, एक पासबुक, दो ब्लैंक चेक, दो आधार कार्ड बरामद किया गया हैं। इस मामले अजीत तिवारी पिता अरूण तिवारी साकिन कमालपुर सिंधिया थाना बिदुपुर, अक्षय तिवारी पिता साहेब तिवारी, राहुल कुमार पिता मनोज तिवारी दोनो साकिन लाल पोखर दिग्धी थाना हाजीपुर सदर, शत्रुधन पाण्डेय पिता स्व. नंदू पाण्डेय साकिन नवादा थाना गंगा ब्रीज चारो जिला वैशाली, गोविन्द पाण्डेय पिता रामविजय पाण्डेय, अरविन्द पाण्डेय पिता रामाशीष पाण्डेय, राहुल कुमार पिता मनोज तिवारी दोनो साकिन लाल पोखर दिग्धी थाना हाजीपुर सदर, अरविन्द पाण्डेय पिता रामाशीष पाण्डेय, छोटू मिश्रा पिता राजेन्द्र मिश्रा, दीपक कुमार उर्फ राहुल कुमार पिता अरविन्द पाण्डेय चारो साकिन सोकराहा बरौनी, राहुल कुमार उर्फ दुधानी मिश्रा पिता स्व. राजेन्द्र मिश्रा साकिन रतवारा थाना सदर जिला मुजफ्फरपुर के रूप में पहचान हुई है। इस सफलता को लेकर गठित पुलिस के सभी सदस्यों को पुरुष्कृत करने की भी बात कही है।

# मार्डन और हाइटेक होगा भागलपुर रेलवे स्टेशन : एडीआरएम

प्रात : किरण संवाददाता

प्रातः किरण संवाददाता ।भागलपुर। रेलवे स्टेशन प्रांगण में विकसित भारत मिशन के तहत चल रहे सौन्दर्यकरण किये जाने की दिशा में युद्ध स्तर पर निर्माण कार्य चल रहा है, इसी कड़ी में मलदा डिवीजन के आलाधिकारियों का लगातार दौर चल रहा है। मामले को लेकर बताया जा रहा है स्टेशन परिसर के भीतर यात्रियों की सुविधा उपलब्ध कराये जाने की दिशा में अन्य प्लेटफार्म बनाए जाने की दिशा में भी लागातार कार्य तेजी से चल रही हैं, तो वही दूसरी तरफ इस कार्य की गुणवत्तापूर्ण कार्य सम्पन्न कराये जाने को लेकर रेलवे विभाग की सारी तैयारियां जोरों पर है, जबकि प्लेटफॉर्म की साफ सफाई और स्टेशन के सौंदर्यकरण को लेकर सभी पदाधिकारी जमकर काम में लगे चल रहे है। इसी कड़ी में मालदा डिवीजन के एडीआरएम शिव कुमार प्रसाद के द्वारा पूरे स्टेशन परिसर का जायजा लेने के साथ ही उन्होंने संबंधित विभागीय स्तर पर संचालित कार्य का निरीक्षण किया। वही उनकी तरफ से कार्य में गतिविधियों में शामिल पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित भी किया गया है, इस दौरान उन्होंने पूरे स्टेशन का जायजा लिया साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि जहां जहां कमियां आई है, उसे जल्द से जल्द सुद्दढ़ करने में पर जोड़ दे। इसी क्रम में उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कर्मचारियों के साथ कार्य योजनाओं से संबंधित विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए मुख्य बिंदू पर वार्ता के साथ साथ आम लोगों के सुझावों पर भी विचार विमर्श किया गया। वहीं एडीआरएम ने आम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्टेशन परिसर को साफ सुथरा रखने पर ध्यान केन्द्रित करने हेतू अपील किया। इस दौरान एडीआरएम ने कहा कि भागलपुर रेलवे स्टेशन को आधुनिक व हाईटेक के साथ कई मूलभूत सुविधाओं से लैस होगा भागलपुर का स्टेशन प्रांगण जिसको लेकर भी संबंधित अधिकारियों से बातचीत की गई है ।साथ ही उन्होंने आमलोगों को संबोधित करते हुए एडीआरएम श्री प्रसाद ने कहा कि स्टेशन परिसर किसान सफाई रखना जितना सफाई कर्मियों की है उतनी ही जिम्मेवारी आम लोगों के लिए भी बनती है जिसमें अगर वे लोग सहयोग करें तो स्टेशन काफी सुंदर दिखेगा हालांकि उन्होंने कड़े हिदायत देते हुए भी यह कहा कि अगर किसी के द्वारा स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाई गई तो भी भाग्य स्टार से दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी इस दौरान रेलवे विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

# जुगगौर ग्रामीण स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण केंद्र को सुदृढ़ करने हेतु उच्च प्रशासन तत्पर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के अन्तर्गत आनेवाला ग्रामीण स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण जुगगौर स्थित केंद्र ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगो को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाऐं उपलब्ध कराता है , साथ ही यहाँ टइइर ,ढऋ्र एवं नर्सिंग छात्रो को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। माह के प्रथम सप्ताह में विशेषज्ञ क्लीनिक की भी व्यवस्था है।

इन सभी सुविधाओं को सुद्दढ करने के लिए हेतु जुगगौर में नई इमारत का निर्माण कार्य हो रहा है,यहां इनटर्नस एवम पी जी डाक्टर्स के रहने की व्यवस्था भी की जा रही है।

शुक्रवार को स्वयं निदेशक प्रो0सी0एम0सिंह द्वारा निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया यथोचित निर्देश दिए ।

संस्थान ग्रामीण स्वास्थ्य एवम प्रशिक्षण केंद्र मे सक्रिय रूप से महत्वपूर्ण दिवस का आयोजन करता है,विशेषकर महिलाओं और बच्चो के स्वास्थ्य एवं संरक्षण के अन्तर्गत जागरूकता हेतु प्रतियोगिताऐ और कार्यक्रम आयोजित कर्ता है।

## 24 घंटे बीत जाने पर भी नहीं हुआ शव का पोस्टमार्टम : परिजन

भागलपुर। जिला परिक्षेत्र के सुल्तानगंज नगर परिषद स्थित उत्तरवर्ती गंगा घाट से एक मृत युवती का शव बरामद हुआ है। मामले को बताया जा रहा है कि इस अजीबो गरीब घटना में विगत 29 अप्रैल की सुबह 7 बजे के करीब बांका जिले के कटोरिया थाना क्षेत्र के दरबीपट्टी गांव के घंटु दरबी की 12 वर्षीय पुत्री जूही अपने पड़ोसी के साथ मुंडन संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने सुल्तानगंज घाट पहुँची थी। जहां स्नान करने के दौरान वह अचानक लापता हो गई थी। वही युवती की बरामदगी को लेकर पिता और परिवार के अन्य लोग युवती जूही की तलाश में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका था। हालांकि परिजन द्वारा घटना से संबंधित जानकारी देते हुए उसके गुमशुदगी की रिपोर्ट स्थानीय थाने में दर्ज कराई गई थी।

# बिना बैंड बाजे की सड़क पर हुई शादी

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। बॉलीवुड की चर्चित फिल्म ह्लआई थी बैंड बाजा बारातह्व जिसमें सुपरस्टार रणबीर सिंह और अनुष्का शर्मा ने एक अनोखा किरदार निभाया था। फिल्म के शीर्षक में शादी दूल्हा-दुल्हन की जिंदगी में कितना अहम दिन होता है इसे दिखाया गया था। उक्त फिल्म की काल्पनिक स्वरूप को चरितार्थ करता हुआ प्रत्यक्ष रूप से हकीकत में देखने को मिली है।

मामले को लेकर सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक फिल्मी दुनिया की तरह एक अनोखी शादी भागलपुर परिक्षेत्र इलाके में वास्तविक स्वरूप में देखने को मिली है, जिसमें ना तो बैंड बाजा और ना ही बाराती दिखा है, जहां एक जोड़े ने सर्वसहमति से बिना गाजे बाजे के साथ जिला एसपी कार्यालय से निकालकर पास के ही मंदिर प्रांगण में विवाह रचाया है। दरअसल नाथगर थाना क्षेत्र के भवनाथपुर के मदन पासवान और पीरपैंती थाना क्षेत्र की रहने वाली आरती कुमारी ने बिना बारात के शादी के पवित्र बंधन में बंध चुके हैं। वही उन्होंने बताया कि दोनों में विगत वर्षो से प्रेम प्रसंग चला आ था, लेकिन लड़का पहले से ही शादीशुदा और चार बच्चों के पिता होने के कारण शादी को लेकर लड़की रजामंदी नहीं हो रही थी, हालांकि उनकी पहली पत्नी बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी के संग फरार हो गई थी। पहली पत्नी के छोड़ देने पर मदन काफी अकेला हो गया था, और फिर किसी कार्यक्रम में मदन और आरती एक दूसरे के आमने-सामने हुए थे, इसके पूर्व दोनों के बीच पहले फोन पर बात शुरू हुई थी, इसके बाद उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। दोनों ने अपने परिवार वालों से इस रिश्ते को लेकर बातचीत की। वही काफी मशक्कत के बाद लड़की के परिवार वाले तैयार तो हुए लेकिन शादी में शारिक होने से मना कर दिया था, जिस कारण दोनों की शादी में आशीर्वाद देने के लिए परिवार का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं दिखा था।हालांकि इस अनोखी शादी को देखकर एसएसपी कार्यालय के समीप दुल्हा दुल्हन को देखने के लिए काफी भीड़ ईक्ठा हो गई थी। इस दौरान दोनों ने मिलकर मंदिर में हिंदू रीति रिवाज के तहत शादी के मंगलसूत्र में बंधकर एक दूसरे का साथ जीने मरने की कसमें खाई है, साथ ही उन्होंने एक आवेदन वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार को भी दिया है, जहां विवाहिता आरती ने बताया कि मदन के चारों बच्चों से उसे कोई एतराज नहीं है, वह आगे का जीवन उसके साथ ही गुजारना चाहती है। इस पवित्र रिश्ते को समर्थन करते हुए एसपी ने दोनों को परिवारिक जीवन के साथ सुखमयी जीनव व्यतीत करने का आशीर्वाद दिया है।

## अश्विन को डर, यह प्रवृत्ति खेल को एकतरफा बना सकती है

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दुनिया के प्रमुख ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शनिवार को कहा कि आधुनिक समय में बल्लेबाजी का इस तरह से विकास हो रहा है कि अविश्वसनीय पावर-हिटिंग धीरे-धीरे क्रिकेट स्टेडियमों के आकार को अप्रासंगिक बना रही है और उन्हें डर है कि यह प्रवृत्ति खेल को एकतरफा बना सकती है।

अश्विन की टिप्पणी इस साल के आईपीएल में टीमों द्वारा बनाए जा रहे बड़े स्कोर के संदर्भ में आई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने मौजूदा सत्र में दो बार इस लीग का सबसे बड़े स्कोर (277 और 287) का रिकॉर्ड बनाया। इंपैक्ट प्लेयर नियम के आने के बाद मौजूदा आईपीएल सत्र में टीमों ने कई बार 250 रन के आंकड़े को पार किया। अश्विन ने कहा, 'कुछ समय पहले बनाए गए स्टेडियम आज के समय में प्रासंगिक नहीं हैं। उस समय जो बल्ले इस्तेमाल किए जाते थे, उनका इस्तेमाल अब गली क्रिकेट में नहीं होता है। प्रायोजकों के एलईडी बोर्डों के इस्तेमाल के कारण बाउंड्री पहले ही 10 गज कम हो गई है। अश्विन ने अपनी आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान ये बातें कही। अश्विन का मानना है कि अगर यही सिलसिला जारी रहा तो आने वाले समय में खेल एकतरफा हो जाएगा। अपनी बातों को सीधे तरीके से रखने वाले अश्विन ने कहा, 'आज के दौर में खेल एक तरफ (बल्लेबाज) बहुत ज्यादा झुका हुआ है। यह किसी को परेशान कर के किसी को खुश करने जैसा है। गेंदबाजों को मानसिक तौर पर प्रोत्साहन की जरूरत है। अश्विन ने हालांकि उम्मीद जताई कि इन परिस्थितियों में भी एक अच्छा गेंदबाज अपनी पहचान बनाएगा और अपने नए कौशल के साथ खुद को साबित करना जारी रखेगा। अश्विन ने कहा, 'जब खेल संतुलन बदलता है और आपको जवाब ढूंढने होते हैं। खुद को अलग दिखाने के लिए यह अच्छा मौका होता है।

## टी20 विश्व कप में 'इंपैक्ट प्लेयर' नहीं होने से कप्तानों को रणनीतिक रूप सोचना पड़ेगा: स्टार्क

**मुंबई (एजेंसी)।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि अगले महीने अमेरिका में टी20 विश्व कप शुरू होने पर इंडियन प्रीमियर लीग के इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होने से कप्तानों को अधिक रणनीति के साथ सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत टीमों के पास मैच के दौरान एक खिलाड़ी को

बदलने की आजादी होती है। इसे पिछले साल लागू किया गया था। जिसके बाद टीमों आसानी से 200 रन के आस-पास स्कोर र रही हैं। मुंबई इंडियंस को आईपीएल टी20 मैच में शुक्रवार को 24 रन से हराने के बाद केकेआर के इस गेंदबाज ने कहा, 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम से चीजें काफी हद तक बदल जाती हैं। टीम को एक बल्लेबाज या गेंदबाज अधिक रखने की आजादी मिलती है और इससे बल्लेबाजी में अधिक गहराई आती है। उन्होंने कहा, 'इससे टीम के पास आठवें या नौवें क्रम तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी मौजूद रहते है। बल्लेबाजी में गहराई के कारण पावर प्ले में भी बल्लेबाज बेखौफ होकर खेलते हैं। मुंबई के खिलाफ 33 रन पर चार विकेट लेने वाले स्टार्क ने कहा कि टी20 विश्व कप में ये नियम नहीं होगा ऐसे में इसका असर स्कोर पर दिखेगा। उन्होंने कहा, 'आईपीएल में कुछ बड़े स्कोर, कुछ शानदार साझेदारियां और बल्ले से कुछ व्यक्तिगत प्रतिभाएं देखने को मिलीं। अगले महीने होने वाले विश्व कप में ऐसा कोई नियम नहीं होगा। ऐसे में यह देखना होगा कि इसका स्कोर पर क्या असर पड़ता है। उन्होंने कहा, 'आपको किसी अतिरिक्त खिलाड़ी के बिना टीम का संतुलन बनाना होगा। ऐसे में हरफनमौला खिलाड़ियों का महत्व बढ़ेगा। निश्चित रूप से विश्व स्तरीय ऑलराउंडर टीम को संतुलित करते हैं।% उन्होंने कहा, 'जब आपके पास सिर्फ 11 खिलाड़ी हों तो कप्तानों को भी थोड़ा रणनीतिक रूप से सोचना होगा।

# आईपीएल 2024 के होनहार बनेंगे भारत का भविष्य

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल 2024 का रोमांच जारी है। 50 से ज्यादा मुकाबले अब तक खेले जा चुके हैं। इनमें कई युवा भारतीय खिलाड़ियों ने अपना जलवा बिखेरा है। दुनिया की लोकप्रिय लीग हमेशा से युवाओं के लिए वरदान साबित हुई है। इसके जरिए तमाम खिलाड़ियों को भारतीय टीम में मौका मिला है। 17वें सीजन में भी मयंक यादव, रियान पराग जैसे युवा अपने खेल की वजह से चर्चाओं में बने हुए हैं।

### पांच खिलाड़ी जिनके प्रदर्शन ने मचाई सनसनी

| रियान पराग | | आशुतोष शर्मा | | नेहल वढेरा | | नितीश रेड्डी | | तुषार देशपांडे | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मैच | 64 | मैच | 07 | मैच | 17 | मैच | 09 | मैच | 32 |
| रन | 1009 | रन | 159 | रन | 340 | रन | 219 | रन | 35 |
| स्ट्राइक रेट | 136.17 | स्ट्राइक रेट | 189.29 | स्ट्राइक रेट | 145.92 | स्ट्राइक रेट | 154.23 | स्ट्राइक रेट | 09.71 |

### रियान पराग

राजस्थान रॉयल्स के दमदार बल्लेबाज रियान पराग ने आईपीएल के इस सीजन में अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनके बल्ले से निकलता हर शॉट उनके हुनर की गवाही दे रहा है। राजस्थान के लिए अब तक 10 मैच खेल चुके इस बल्लेबाज ने 159.14 के स्ट्राइक रेट से 409 रन बनाए हैं। मौजूदा समय में वह सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि उन्हें जल्द ही बीसीसीआई की तरफ से बुलावा आ सकता है।

### आशुतोष शर्मा

पंजाब किंग्स के स्टार फिनिशर आशुतोष शर्मा ने भी अपने प्रदर्शन से इस साल प्रभावित किया है। निचले क्रम पर उतरकर वह ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हैं। इस सीजन में उन्होंने सात मैचों में 159 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 189.29 का रहा है। 25 वर्षीय बल्लेबाज के नाम आईपीएल में एक अर्धशतक दर्ज है। माना जा रहा है कि जल्द ही उन्हें भारतीय टीम में जगह मिल सकती है।

### नेहल वढेरा

मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज नेहल वढेरा ने इस सीजन में कई उपयोगी पारियां खेली हैं। उन्होंने अपनी जुझारू पारियों से दर्शकों को प्रभावित किया है। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने चार मैचों में 134.62 के स्ट्राइक रेट से 105 रन बनाए हैं। इस सीजन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 49 रनों का रहा है। वहीं, पिछले सीजन में भी उनका बल्ला जमकर गरजा था। 25 वर्षीय बल्लेबाज ने 14 मुकाबलों में दो अर्धशतकों की बदौलत 241 रन बनाए थे।

### नितीश रेड्डी

युवा ऑलराउंडर नितीश रेड्डी ने आईपीएल 2024 में विस्फोटक प्रदर्शन किया है। गेंद और बल्ले से वह इस सीजन में धमाल मचाते दिख रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए नितीश ने सात मैचों में 154.23 के स्ट्राइक रेट से 219 रन बनाए हैं। इस सीजन उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले। वहीं, उनका उच्चतम स्कोर 76* रनों का रहा है। इसके अलावा 20 वर्षीय खिलाड़ी ने तीन विकेट चटकाए हैं।

### तुषार देशपांडे

चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे इस सीजन में घातक गेंदबाजी करते नजर आ रहे हैं। चेन्नई के लिए उन्होंने नौ मैचों में 10 विकेट चटकाए हैं। तुषार में भारतीय प्रशंसकों को भारत का भविष्य नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही उन्हें टीम इंडिया की तरफ से बुलावा भेजा जा सकता है।

# धर्मशाला की पिच पर चेन्नई की निगाहें पंजाब के खिलाफ लगातार दूसरे मैच को जीतने पर

### आज बल्लेबाज मचाएंगे तोड़फोड़ या बॉलिंग का चलेगा जादू

**धर्मशाला (एजेंसी)।** डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स रविवार को लगातार दूसरी बार आईपीएल 2024 मैच में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। उसकी कोशिश जीत की लय हासिल करने पर लगी होगी। तीन दिन पहले ही पंजाब किंग्स ने चेपॉक पर सीएसके को सात विकेट से हराया था। सीएसके 10 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है। पंजाब किंग्स की टीम अभी 7वें नंबर पर चल रही है और प्लेऑफ की रेस में बरकरार है। यह मैच पंजाब के दूसरे घरेलू मैदान धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होगा।

### ऐसी होगी धर्मशाला की पिच?

धर्मशाला में यह आईपीएल 2024 का पहला मुकाबला होगा। हालांक इस मैदान पर लगातार मुकाबले हुए हैं। वर्ल्ड कप 2023 के दौरान भी इस मैदान पर कई मैचों का आयोजन हुआ था। पुराना रिकॉर्ड देखें तो यहां रनों की बरसात देखने को मिलनी तय है। पिछले आईपीएल सीजन यहां दो मैच हुए थे। एक मैच में 400 से ज्यादा रन बने थे तो दूसरे में 188 का टारगेट चेज हो गया था। ऐसे में बल्लेबाजों का जलवा देखने के लिए फिर तैयार रहिए।

### ओस की भूमिका नहीं रहेगी

इस मैच में ओस की भूमिका नहीं रहने वाली है। मैच दिन में 3 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। ऐसे में टॉस उतना अहम नहीं होने वाला है। फिर भी टॉस जीतने वाली टीम पहले बॉलिंग ले सकती है। ऐसी पिचों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान होता है। हालांकि किस्मत चेन्नई के साथ नहीं है और कप्तान रुतुराज लगातार टॉस हार रहे हैं।

### टीम इस प्रकार हैं

**पंजाब किंग्स-** शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम करन, कागिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी, रिले रोसोऊ।

**चेन्नई सुपर किंग्स-** रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), अरावेली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, निशांत सिंधु , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पाथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश तीक्ष्णा और समीर रिजवी।

## हार्दिक पंड्या की कप्तानी पर जमकर बरसे इरफान पठान, सुनाई खरी-खरी

**मुंबई (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने शुक्रवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स से 24 रन से मिली निराशाजनक हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की तीखी आलोचना की। पठान ने उन महत्वपूर्ण क्षणों पर प्रकाश डाला जहां उनका मानना था कि एमआई लड़खड़ा गया था, विशेष रूप से मैदान पर पंड्या के निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित किया। जब केकेआर 57/5 पर संघर्ष कर रहा था, तब तीन महत्वपूर्ण ओवरों में नमन धीर का उपयोग करने से माहौल ठंडा हो गया।

**कप्तानी की आलोचना** - पठान ने सुझाव दिया कि मुंबई को 20 रन महंगे पड़े, जिससे केकेआर को 170 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद मिली। इरफान पठान ने इंस्टाग्राम पर कहा,मुंबई इंडियंस की कहानी आईपीएल 2024 में समाप्त हो गई है। वे कागज पर बहुत अच्छी टीम थी। लेकिन उन्हें अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं किया गया है। हार्दिक पंड्या की कप्तानी पर सवाल बिल्कुल जायज हैं। आज जब केकेआर का स्कोर 57/5 था तो आपने नमन धीर के 3 ओवर कराये गए। आपने अपना छठा गेंदबाज डाला, केकेआर को मनीष पांडे और वेंकटेश अय्यर के बीच एक महत्वपूर्ण साझेदारी बनाने दी। यह 83 रन की साझेदारी केकेआर को 170 तक ले गई, जबकि उन्हें केवल 150 तक ही पहुंचना चाहिए था और दोनों टीमों के बीच यही डिफ्रेंस रहा।

# मैं एक स्मार्ट क्रिकेटर बनने की कोशिश करता हूं : वेंकटेश अय्यर

**कोलकाता (एजेंसी)।** कोलकाता ने जब पावरप्ले में तीन विकेट गंवा दिए थे तो उनके एक छोर संभालकर वेंकटेश अय्यर ने 70 रन बनाए और टीम को 169 रन तक पहुंचा दिया। यह स्कोर मुंबई हासिल नहीं कर पाई और 145 रन ऑल आऊट होने के साथ ही उन्होंने 24 रन से यह मुकाबला गंवा दिया। अपनी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने वेंकटेश अय्यर ने कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में, मुझे स्थिति के मामले में लचीला होना होगा। जब मैंने गेंद को अच्छे से हिट करना शुरू किया तो 2 और विकेट गिर गए और मैंने सोचा कि मुझे एंकर की भूमिका निभानी होगी। यह चौथी या 5वीं बार है जब मनीष ने पैड अप किया है। इस बार उन्हें बैटिंग करने का मौका मिला। रसेल और रमनदीप को ऊपर भेजने से बेहतर है कि मनीष को रखा जाए जो एंकर की भूमिका निभा सके।

विकेट पर बात करते हुए वेंकटेश ने कहा कि गेंद पकड़ में थी और यह दो गति वाला विकेट था। मैं एक स्मार्ट क्रिकेटर बनने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए पीयूष चावला और तेज गेंदबाजों का पीछा करना आसान होता।

टीम को अंत तक मेरे बने रहने की जरूरत थी। वहीं गांगुली से मुलाकात के दौरान क्या बातचीत हुई पर उन्होंने कहा कि मैं दादा (सौरव गांगुली) का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उनसे अपने रुख और तकनीकी पहलुओं के बारे में पूछने गया। सार्थक बातचीत रही। यह मेरे रुख और नेट्स में अन्य पहलुओं से सामने आ रहा है।

वहीं, केकेआर कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि मेरी अभी स्टार्सी (मिशेल स्टार्क) से बात हो रही है। उन्हें मैंने बताया कि यह खेल हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण था। अगर हम इसे हार जाते तो 4 में से 2 मुकाबले प्लेऑफ तक जाने के लिए जीतने पड़ते। यह हमारे लिए खूबसूरत जीत रही। आशा है कि हमने इसे संजोकर रखा होगा। लेकिन परसों भी हमारा मैच है। श्रेयस ने इंपेक्ट प्लेयर रूल पर कहा कि निश्चित रूप से इस प्रभाव खिलाड़ी नियम से हमें इस खेल में मदद मिली है। मनीष पहले दिन से ही मौके की तलाश में था। आज उसे यह मिल गया। हम सराहनीय स्कोर तक पहुंचे। मुझे लड़कों से बस इतना कहना था कि हम अपनी गेंदबाजी लाइनअप से इसका बचाव कर सकते हैं।

**ऐसा रहा मुकाबला** - कोलकाता ने पहले खेलते हुए वेंकटेश अय्यर के 70 और मनीष पांडे के 42 रनों की बदौलत 169 रन बनाए थे। मुंबई की ओर से नुवान तुषारा ने 42 रन देकर 3, बुमराह ने 18 रन देकर 3, हार्दिक ने 44 रन देकर 2 विकेट लीं। जवाब में मुंबई की टीम 145 रन पर ही ऑल आऊट हो गई और मैच 24 रन से गंवा दिया। यह सीजन में मुंबई की 8वीं हार रही।

## डेविड वार्नर 70 प्रतिशत भारतीय और 30 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई हैं : फ्रेजर-मैकगर्क

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की युवा पावर-हिटर जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने फ्रेजर-मैकगर्क ने दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, वह (डेविड) उन सबसे निःस्वार्थ लोगों में से एक है जिनसे मैं कभी मिला हूं। उसके पास हमेशा सभी के लिए समय होता है। वह 24/7 आपकी मदद करना चाहता है। वह हर होटल में हमेशा मुझसे दो कमरे की दूरी पर रहता है। बस उसके कमरे में जाओ और हर सुबह कॉफी पिओ। उन्होंने कहा, वह ऑस्ट्रेलियाई से ज्यादा भारतीय हैं। यही मैं उनसे कहता हूं। मैं कहता हूं कि वह 70 प्रतिशत भारतीय हैं, 30 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई हैं।

फ्रेजर-मैकगर्क ने कहा, मुझे याद है कि मेरे मन में पहला विचार आया था, वह मेरी कल्पना से थोड़ा अधिक लंबा है। मैंने सोचा था कि वह थोड़ा छोटा होगा, लेकिन वह काफी बड़ी इकाई है। वह अब तक बिल्कुल ठीक है। हम कैप के लिए (गोल्फ) खेलते हैं। जो भी हारता है उसे दूसरे व्यक्ति के लिए कैप खरीदनी पड़ती है। हमारे बीच कुछ करीबी खेल हैं, लेकिन यह करीबी नहीं होना चाहिए, क्योंकि तकनीकी रूप से मुझे अपनी विकलांगता के कारण बेहतर गोल्फ खिलाड़ी होना चाहिए, लेकिन वह काफी अच्छा खेला है।

आईपीएल के अनुभव के बारे में बात करते हुए 22 वर्षीय फ्रेजर-मैकगर्क ने कहा, वास्तव में इसमें होने और इसे बाहरी दृष्टिकोण से देखने और इसके बारे में सुनने के अंतर ने काफी अच्छी तरह से संयोजन कर लिया है। मैंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। खेल खेलने की कोई उम्मीद है, लेकिन अभी खेलने में सक्षम होना बहुत अच्छी बात है।

# हार्दिक ने नहीं किया बाहर, मजबूरी में इम्पैक्ट प्लेयर बने रोहित शर्मा

### मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर

**मुंबई (एजेंसी)।** आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलने उतरे। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच से पहले टॉस के दौरान जब कप्तान हार्दिक पंड्या ने यह बताया तो फैंस के लिए चौंकाने वाला था। सोशल मीडिया पर इसके लिए हार्दिक पंड्या को ट्रोल भी किया गया। लेकिन अब उस वजह का पता चल गया है, जिसके कारण रोहित शर्मा को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलना पड़ा। वहीं मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई।

**रोहित शर्मा के पीठ में परेशानी** - मुंबई इंडियंस के लेग स्पिनर पीयूष चावला ने बताया है कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीठ में थोड़ी जकड़न के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में बतौर 'इम्पैक्ट सब' खेलने के

लिए बाध्य होना पड़ा था। चावला ने वानखेडे स्टेडियम में मैच के बाद मीडिया से कहा, 'उन्हें पीठ में थोड़ी जकड़न थी इसलिये ऐहतियातन यह फैसला किया गया।'

**बल्ले से फेल रहे रोहित शर्मा** - इम्पैक्ट सब के तौर पर खेलने उतरे रोहित 12 गेंद में महज 11 रन ही जोड़ सके। रोहित क्रीज पर सेट होते दिख रहे थे। उन्होंने एक छक्का भी मारा था। लेकिन सुनील नरेन के खिलाफ बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। इस मैच में मुंबई इंडियंस को केकेआर से 24 रन की हार का सामना करना पड़ा। इससे पांच बार की चैम्पियन टीम इस साल के आईपीएल से लगभग बाहर हो गयी है।

**अब सम्मान के लिए खेलेगी मुंबई** - मुंबई इंडियंस की यह 11 मैच में आठवीं हार है जिससे हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली टीम के लिए प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद हो गये हैं। चावला ने भी स्वीकार किया कि वे सिर्फ अब सम्मान के लिए खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'हम सम्मान के लिये खेलेंगे क्योंकि जब आप मैदान में उतरते हो तो आप यह नहीं सोचते कि आप क्वालीफाई करोगे या नहीं करोगे। आपको अपने नाम के लिए खेलना होगा और हम इसी के लिए खेल रहे हैं।'

### हार के बाद बहानेबाजी पर उतरे हार्दिक पंड्या, हार की वजहों को ढूंढने में थोड़ा समय लगेगा

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शुक्रवार को यहां 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 24 रन से हार का सामना करने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि हार की वजहों को ढूंढने में थोड़ा समय लगेगा। मुंबई की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई। टीम के लिए सिर्फ सूर्यकुमार यादव (56) ही बल्ले से बड़ा स्कोर बना पाए। पंड्या ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, जाहिर तौर पर हम साझेदारियां नहीं बना सके और विकेट गंवाते रहे। बहुत सारे सवाल है और इन सब का जवाब ढूंढने में थोड़ा समय लगेगा। उन्होंने केकेआर की पारी को 169 रन तक रोकने के लिए गेंदबाजों की तारीफ की। **बहाने बाजी पर उतरे हार्दिक** - उन्होंने कहा, गेंदबाजों ने इस पिच पर शानदार प्रदर्शन किया। अगर मैं गलत नहीं हूं तो दूसरी पारी में ओस के कारण विकेट बेहतर हो गया। हमें देखना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं। इस हरफनमौला खिलाड़ी ने कहा, आप खेल में संघर्ष करना जारी रखते है। मैं अपनी टीम के खिलाड़ियों से यही कहता हूं। यह चुनौतीपूर्ण है लेकिन आप चुनौती लेना पंसद करते है।

## संक्षिप्त समाचार

### राहुल गांधी के पीए से हारने वाली हैं स्मृति ईरानीः संजय राउत

**मुंबई, एजेंसी।** शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा अमेठी से पहले और भी लोगों ने चुनाव लड़ा है जो गांधी परिवार के बहुत ही करीब रहे... भाजपा को क्या पड़ी है कि कौन कहां से चुनाव लड़े? मुझे स्मृति ईरानी पर बहुत दया आती है कि वे राहुल गांधी के पीए से हारने वाली हैं। ये बहुत ही सोच समझकर लिया हुआ निर्णय है... के.एल. शर्मा बहुत ही जमीनी कार्यकर्ता हैं... कांग्रेस पार्टी का एक सामान्य कार्यकर्ता इस बार स्मृति ईरानी को परास्त करेगा। आपको बता दे की कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित कर दिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब यूपी की रायबरेली सीट से चुनाव लड़ेंगे। जबकि उनकी परंपरागत सीट अमेठी में किशोरी लाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। फिलहाल प्रियंका गांधी चुनाव मैदान से बाहर दिख रही हैं। इससे पहले उन्हें रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं।

### अब 400 पार की? बात नहीं कर रही भाजपा, दो चरणों के मतदान के बाद क्यों डर रहे हैं मोदी- कांग्रेस

**रायपुर, एजेंसी।** कांग्रेस कमेटी के सदस्य गुरदीप सप्पल ने आज पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार डरी हुई सरकार है यह सरकार जल्द ही जाने वाली है। मोदी जी जो खुद डरे है, कांग्रेस को उल्टा सलाह दे रहे है कि डरो मत। अब मोदी जी की अबकी बार 400 पार बोल कर दिखाने की हिम्मत नही हो रही। उन्होंने कहा कि मोदी इस बात का जवाब दे कि कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी चुनाव से क्यों भाग खड़ी हुई। तीन सीटें है कश्मीर में, लेकिन बीजेपी एक भी सीट पर चुनाव लडने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही। उन्होंने कहा ये वो कश्मीर है जिस कश्मीर पॉलिसी को लेकर मोदी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानते है। उन्होंने आगे कहा पीएम मोदी डरिये मत कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। आप जाइए वहां से चुनाव लड़िए आप चार सौ पार की बात करते है फिर क्यों कश्मीर की तीन सीटों को जाने दे रहे हैं। मोदी सरकार में महंगाई लोगों को चुभ रही है। पढ़ाई, दवाई, रोजमर्रा की जरूरतों को पूरी करने के लिए लोग अपनी बचत का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा मोदी जी मंगलसूत्र की बात करते है पिछले पांच वर्षों में गोल्ड लोन लगभग पांच प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने देश को इस कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां महिलाएं अपने जेवर, मंगलसूत्र गिरवी रखकर अपने घर,बच्चों की पढ़ाई का खर्चा उठा रही हैं। गुरदीप सप्पल ने कहा अगर कांग्रेस की सरकार आएगी तो हम सबसे पहले महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को सालाना एक लाख रुपए देंगे। ताकि महिलाएं अपनी बचत काट कर अपनी जरूरतों को पूरा ना करना पड़े। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने जो मंगलसूत्र गिरवी रखवा दिए उनको भी महिलाएं छुड़ाकर वापस ले आएं। महिलाओं की बेसिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कांग्रेस सरकार महिलाओं को साल में एक लाख रुपए महीने के लगभग साढ़े आठ हजार रुपए हर साल देगी।

### शहरी वोटरों से परेशान हो गया चुनाव आयोग, पहले से भी कम हो गया इस बार का मतदान

**बेंगलुरु , एजेंसी।** लोकसभा के लिए बीते दो चरणों में कम मतदान चिंता का विषय् बना हुआ है। चुनाव आयोग ने भी इसपर निराशा जताई है। शुक्रवार को चुनाव आयोग ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के वोटर मतदान के प्रति ज्यादा ही उदासीन हैं। बता दें कि 2019 के मुकाबले पहले चरण के मतदान में 4 फीसदी और दूसरे चरण में तीन फीसदी की कमी देखी गई है। पहले चरण में 102 सीटों पर वोटिंग हुई थी और 66.14 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई थी। वहीं दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71 फीसदी वोट पड़े थे। पहले दो चरणों में शहरी सीटों पर मतदान में खासी कमी देखी गई है। लंबे समय से चुनाव आयोग प्रयास करता है कि शहरी सीटों वर वोटिंग बढ़े लेकिन इसका कोई फायदा नहीं दिख रहा है। उलटे इस बार वोटिंग पर्सेंट घट गया है। गाजियाबाद में इस बार 6 फीसदी कम यानी केवल 49.88 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई जो कि 2019 में 55.88 फीसदी थी।

# वीआईपी बंदियों वाली दिल्ली की तिहाड़ जेल की सुरक्षा में फिर सेंध, 4 साल में 6 कैदियों की हत्या

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशिया की सबसे सुरक्षित जेल कहलाने वाली दिल्ली की तिहाड़ जेल की सुरक्षा में एक बार फिर सेंध लग गई है। जेल नंबर-3 में शुक्रवार को दो कैदियों के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान अफगान मूल के नागरिक ने विचाराधीन कैदी को चाकू से गोद डाला।

सूचना पर पहुंची पुलिस 29 वर्षीय घायल दीपक को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच के लिए स्थानीय मजिस्ट्रेट को सूचना दी। मजिस्ट्रेट ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि मृतक 29 वर्षीय दीपक अपने परिवार के साथ शकूरपुर में रहता था। दीपक को पश्चिम विहार थाना पुलिस ने 2018 में लूट और हत्या के केस में गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि दीपक की हत्या करने वाला

44 वर्षीय अब्दुल बशीर अखोंदजादा ई-104, लाजपत नगर में रहता है। अब्दुल मूल रूप से अफगानिस्तान का रहने वाला है। अब्दुल को लाजपत नगर थाना पुलिस ने मार्च 2019 में आईपीसी की धारा 307 के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया था। अब्दुल और दीपक को जेल नंबर-3 में रखा गया था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अब्दुल और दीपक के बीच शुक्रवार सुबह ही खाना खाने को लेकर झगड़ा हुआ था। उस समय जेल नंबर-3 में मौजूद अन्य कैदियों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया, जिसके बाद दोनों सेल में चले गए। दोपहर करीब 12.30 बजे अब्दुल ने दीपक पर हमला कर दिया। अब्दुल ने स्टील के बर्तन को नुकीला कर चाकू बनाया हुआ था, इसी चाकू से उसने दीपक के सीने पर हमला किया। नुकीला हिस्सा उसके दिल के पास लगा, जिससे वह बेसुध हो गया।

तिहाड़ प्रशासन का कहना है कि विचाराधीन कैदी पर हमले की सूचना पर क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंच गई। क्यूआरटी टीम ने दीपक को मेडिकल सहायता दी और उसे डीडीयू अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तिहाड़ जेल में कैदी की मौत के बाद जेल में सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

तिहाड़ जेल में इस समय कई वीआईपी कैदी बंद हैं। इसके बाद भी जेल में हत्या से सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं। तिहाड़ की जेल नंबर दो में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित बीआरएस नेता के कविता, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया बंद हैं। इसके चलते तिहाड़ में अतिरिक्त सुरक्षा बरती जा रही है। जेल नंबर दो में चार क्यूआरटी टीम, तामिलनाडु पुलिस और तिहाड़ के सुरक्षाकर्मी हर समय मौजूद रहते हैं।

## रोहित वेमुला दलित नहीं था, तेलंगाना पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट की दाखिल

**हैदराबाद।** तेलंगाना पुलिस ने हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्र रोहित वेमुला की मौत मामले में एक स्थानीय कोर्ट के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोहित वेमुला दलित नहीं था और उसने असली पहचान उजागर होने के डर से आत्महत्या की थी।

मामले की जांच करने वाली साइबराबाद पुलिस ने कोर्ट को बताया कि रोहित वेमुला अनुसूचित जाति का नहीं था और उसे इसकी जानकारी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मृतक को कई मुद्दे परेशान कर रहे थे, जिसकी वजह से वह आत्महत्या कर सकता था। बता दें कि रोहित वेमुला ने 2016 में आत्महत्या की थी। पुलिस ने कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में बताया कि रोहित वेमुला को पता था कि वह अनुसूचित जाति से नहीं है और उसकी मां ने उसे एससी प्रमाण पत्र दिलाया था। इसे लेकर डर रहा होगा, क्योंकि इसके उजागर होने से उसे अपनी शैक्षणिक डिग्रियां खोनी पड़ सकती हैं और अभियोजन का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद यह स्थापित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला कि आरोपियों के कार्यों ने मृतक को आत्महत्या के लिए प्रेरित किया है। आरोपियों में हैदराबाद यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति अप्पा राव और हरियाणा के निवर्तमान राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय भी शामिल थे।

## डीडीए के ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की लोहे की चारदीवारी करने से भड़के खरीदार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के द्वारका सेक्टर-14 में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की पहले आओ पहले पाओ आवासीय योजना के फ्लैट खरीदारों ने ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की लोहे की फेंसिंग से चारदीवारी करने का विरोध जताया है। ईडब्ल्यूएस फ्लैट खरीदारों का आरोप है कि डीडीए प्रशासन ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को खरीदने वाले लोगों को कॉमन पार्क व सामुदायिक हॉल से दूर करने के लिए यह कदम उठा रहा है। इससे पहले डीडीए के ब्रॉशर में फ्लैटों को बुक करते समय या पंजीकरण करते समय इसका कोई जिक्र नहीं किया गया था। द्वारका सेक्टर-14 में डीडीए का ईडब्ल्यूएस फ्लैट खरीदने वाले दिवाकर सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार से डीडीए प्रशासन व प्राधिकरण के अधिकारियों की तरफ से बिना किसी सूचना के ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की चारदीवारी की जा रही है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से गलत है। डीडीए की इस सोसाइटी में एलआईजी व एमआईजी फ्लैट भी मौजूद हैं। ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को खरीदने वाले लोगों को कॉमन पार्क व सामुदायिक हॉल परिसर में जाने से रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है, जबकि इसका कोई अधिकारिक पत्र डीडीए ने ईडब्ल्यूएस फ्लैट खरीदारों को जारी नहीं किया है। ईडब्ल्यूएस फ्लैट बुक करने वाले दीपक शर्मा ने बताया कि द्वारका सेक्टर-14 के पॉकेट-5 में डीडीए की पहले आओ पहले पाओ आवासीय योजना के तहत दिसंबर तक फ्लैट को बुक करा दिया था। यहां पर स्थित डीडीए की सोसाइटी में कुल 1008 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को लोगों ने खरीदा है। इन सभी को फ्लैटों के खरीदारी करने व अन्य दस्तावेज (पोजेशन लेटर) मार्च तक प्राप्त हो चुके हैं।

## दादा-दादी 70 साल की उम्र में पीयेंगे पोलियो ड्रॉप, हज पर जाने से पहले टीके भी लगेंगे

**हल्दवानी, एजेंसी।** दो बूंद जिंदगी की। ये स्लोगन सुनते ही एक मासूम से बच्चे की पोलियो ड्रॉप पीती तस्वीर जहन में आती है, लेकिन हल्द्वानी में हज जाने से पहले 70 साल के दादा-दादी को भी ये ड्रॉप पिलाई जाएगी। 12 मई को ड्रॉप पिलाने के साथ ही टीके भी लगाए जाने हैं।

दरअसल, सऊदी अरब ने हज यात्रा पर आने वाले यात्रियों के लिए इस प्रमाणपत्र को अनिवार्य किया है। बड़े सामूहिक समारोह में पोलियो फैलने के खतरे से बचने के लिए सऊदी अरब ये सख्ती करता है। हर साल, दुनिया भर से लाखों मुसलमान हज के लिए मक्का में एकत्र होते हैं। सभी वयस्क, सक्षम मुसलमान जीवन में कम से कम एक बार हज करना चाहते हैं। हज यात्रा एक कठिन यात्रा है। इसके लिए गर्म मौसम में लंबा सफर यात्रियों को तय करना पड़ता है। इसलिए इस यात्रा पर शारीरिक रूप से अनफिट और पहले से मौजूद चिकित्सा संबंधी समस्याओं वाले लोगों को अनुमति नहीं मिलती।

# सावधान! कतई सुरक्षित नहीं आपके घर आ रहा दूध, दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दूध रोजाना की जिंदगी में इस्तेमाल होने वाली काफी महत्वपूर्ण चीज है। सुबह की चाय से लेकर रात तक इसका इस्तेमाल होता है। लेकिन क्या आपको पता है कि जिस दूध का आप सेवन कर रहे हैं वो कितना सुरक्षित है? हम यह सवाल इसलिए पूछ रहे हैं क्योंकि इसी मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट में एक रिपोर्ट दाखिल हुई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जो दूध दिल्ली में सप्लाई हो रहा है उसमें ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह वही दवा है जो केंद्र सरकार 2018 में बैन कर चुकी है। तब सरकार की ओर से दावा किया गया था कि दूध की पैदावार बढ़ाने के लिए मवेशियों पर इसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे ना केवल मवेशियों बल्कि दूध का सेवन करने वाले लोगों पर भी इसका गलत असर पड़ रहा है।

केंद्र सरकार ने अप्रैल 2018 में इस दवा पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगा दिया था कि पैदावार

बढ़ाने के लिए दुधारू मवेशियों पर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे न केवल मवेशियों के स्वास्थ्य पर बल्कि दूध का सेवन करने वाले मनुष्यों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। इसके बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने अधिकारियों को राजधानी में गाय-भैंस रखने वाली डेरियों में ऑक्सीटॉसिन के गलत उपयोग के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि हार्मोन संबंधित दवा देना पशु क्रूरता और एक अपराध है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग से साप्ताहिक निरीक्षण करने और मामला दर्ज करने को कहा। पुलिस इसकी जांच करेगी। अदालत ने दिल्ली पुलिस के खुफिया विभाग से ऑक्सीटॉसिन उत्पादन, पैकेजिंग और वितरण के स्रोतों की पहचान करने को कहा। साथ ही इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई करने को कहा। अदालत ने यह आदेश राष्ट्रीय राजधानी में डेरियों की स्थिति से संबंधित सुनयना सिब्बल और अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया है। पीठ में न्यायमूर्ति पी एस अरोड़ा भी शामिल थे। पीठ ने अदालत कमिशनर द्वारा उठायी गयी इस बात को भी दर्ज किया कि ऑक्सीटोसिन का अंधाधुंध प्रयोग मवेशियों से अधिक दूध प्राप्त कर दूध का उत्पादन करने के उद्देश्य से किया जा रह है। अदालत ने कहा, ''चूंकि ऑक्सीटोसिन को देना पशु क्रूरता है और यह पशुओं के प्रति क्रूरता से बचाव अधिनियम 1960 की धारा 12 के तहत एक संज्ञेय अपराध है, परिणामस्वरूप यह अदालत औषध नियंत्रण विभाग जीएसीटीडी को निर्देश देता है कि साप्ताहिक निरीक्षण करवाये जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि ऑक्सीटोसिन के गलत उपयोग या इसे रखने के सभी मामलों को पशुओं के प्रति क्रूरता से बचाव अधिनियम 1960 की धारा 12 एवं दवा एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धार 18(ए) के तहत दर्ज किया जाए।''

# रटगर्स विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थित प्रदर्शन में दिखे कश्मीरी झंडे, नाराज हुए भारतीय अमेरिकी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के सुहाग शुक्ला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन झुक गया है। एक अन्य संगठन कोएलिशन ऑफ हिंदू ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने भी यूनिवर्सिटी प्रशासन की आलोचना की और कहा कि इससे कश्मीर के अल्पसंख्यक समुदाय को नफरत और गुस्से का सामना करना पड़ सकता है। फलस्तीन के समर्थन में इन दिनों अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे ही प्रदर्शन के दौरान न्यू जर्सी स्थित रटगर्स विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारी छात्रों ने फलस्तीन और कुर्द झंडों के साथ ही कश्मीर के अलगाववादी झंडे भी लहराए। इस पर भारतीय अमेरिकी संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। भारतीय अमेरिकी समूहों ने रटगर्स विश्वविद्यालय के चांसलर द्वारा कश्मीरी झंडे लहराने की अनुमति देने की आलोचना की और कहा कि इससे गलत संदेश जाएगा। शुक्रवार को रटगर्स विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे समूह ने बताया कि रटगर्स यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उनकी 10 में से आठ मांगें मान ली हैं। इसमें से एक मांग ये भी है कि दुनियाभर में जिन लोगों पर कब्जा है, उनके झंडे लहराए

जाएं, जिनमें फलस्तीन, कुर्द के साथ ही कश्मीर का झंडा भी शामिल है। हालांकि ऐसी खबरें आ रही हैं कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने ऐसी कोई मांग नहीं मानी है। कई भारतीय अमेरिकी संगठनों ने इस पर नाराजगी जताई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के सुहाग शुक्ला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन झुक गया है। एक अन्य संगठन कोएलिशन ऑफ हिंदू ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने भी यूनिवर्सिटी प्रशासन की आलोचना की और कहा कि इससे कश्मीर के अल्पसंख्यक समुदाय को नफरत और गुस्से का सामना करना पड़ सकता है। इसी झंडे के नीचे कश्मीरी हिंदुओं को उनके अपने घर से विस्थापित कर दिया गया। धर्मा विवेक नामक एक यूजर ने लिखा कि रटगर्स यूनिवर्सिटी ने सभी सार्वजनिक संस्थानों के लिए गलत उदाहरण पेश किया है। अराजकतावादियों से समझौता करना गलत है और यह जनता के विश्वास के साथ धोखा है। गौरतलब है कि रटगर्स यूनिवर्सिटी में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के छात्र पढ़ते हैं और न्यू जर्सी में भारी तादाद में भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

# फ्रीजर में मिले पांच में से चार बच्चों के शव, फिर भी महिला को नहीं मिली सजा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां साल 2022 में एक फ्रीजर से चार बच्चों के शव मिले थे। इस मामले में एक 69 वर्षीय महिला पर आरोप लगाए गए थे। हालांकि, अब सफोल्क काउंटी के जिला अटॉर्नी ने घोषणा की है कि महिला के खिलाफ कोई आरोप दायर नहीं किया जाएगा।

जिला अटॉर्नी केविन हेडन ने 17 नवंबर, 2022 के मामले को अबतक का सबसे जटिल, असामान्य और हैरान करने वाला मामला बताया। हेडन ने मंगलवार को कहा कि जांच करने वाले अधिकारियों को यह नहीं पता चला कि बच्चे जिंदा पैदा हुए थे या नहीं। इसकी वजह से महिला के खिलाफ आपराधिक आरोप नहीं लगाने का फैसला लिया गया।

जिला अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि एक शख्स ने पुलिस को फोन करके बताया था कि जब पत्नी उसकी बहन के अपार्टमेंट की सफाई कर रही थी तब फ्रीजर में बच्चों के शव मिले। पुलिस दक्षिण बोस्टन के एक अपार्टमेंट में पहुंची और फ्रीजर से बच्चों के शव निकाले।

अभियोजक कार्यालय ने कहा कि बच्चों में दो लड़के और दो लड़कियां थे। बच्चों को पन्नी में लपेटकर जूतों के बॉक्स में रखा गया था। डीएनए टेस्ट से पता चला कि वे सभी भाई-बहन थे और उनके पिता की साल

2011 में मौत हो गई थी। केविन हेडन ने कहा, हम कभी नहीं जान पाएंगे कि एलेक्सिस अल्दामिर के अपार्टमेंट में पाए गए चार बच्चे कहां या कब पैदा हुए थे। हम कभी नहीं जान पाएंगे कि क्या चार बच्चे जीवित पैदा हुए थे और हम कभी नहीं जान पाएंगे कि उनके साथ क्या हुआ। हम कभी नहीं जान पाएंगे कि एलेक्सिस अल्दामिर ने अपनी गर्भावस्था को कैसे छिपाया या उसने ऐसा करने का फैसला क्यों किया।

# जंग के बीच हमास का रुख नरम, समझौते पर पहुंचने के लिए मिस्र भेजेगा प्रतिनिधिमंडल

**यरुशलम, एजेंसी।** हमास और इस्राइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देशभर में लोग इस्राइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, हमास मध्यस्थता वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हो गया है। उसने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ मिस्र में एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का एलान किया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, समूह के एक प्रमुख शख्स खलील अल-हय्या प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

**हमास का बयानत्र** हमास के बयान ने एक बार फिर बातचीत के प्रति संगठन के सकारात्मक रुख को दोहराया है। बयान में कहा गया है, हम एक समझौते पर पहुंचने के लिए मिस्र जा रहे हैं। हम हमास और फलस्तीनी प्रतिरोध बलों में एक समझौते पर पहुंचे के लिए दृढ़ हैं। हमले की समाप्ति, बंधकों की वापसी, विस्थापितों की वापसी, राहत और

पुनर्निर्माण और एक गंभीर विनिमय सौदे के लिए हमारे लोगों की मांगों को पूरा करता है।

इस बीच, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरिन जीन पियरे ने दक्षिणी शहर राफा में संभावित बड़े सैन्य अभियानों के संबंध में इस्राइल को चेताया है। जीन-पियरे ने नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोगों के जीवन की रक्षा हो। हमें विश्वास है कि इस्राइल सरकार हमारी चिंताओं को ध्यान में रखने जा रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने इस्राइल और हमास दोनों से आग्रह किया है कि वे दोनों एक समझौते पर पहुंचने को प्राथमिकता दें। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में गुटारेस ने संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत के जरिए समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही कहा, गाजा के लोगों, बंधकों और उनके परिवारों, क्षेत्र और व्यापक दुनिया की खातिर मैं इस्राइल सरकार और हमास नेतृत्व को उनकी वार्ता में एक समझौते पर पहुंचने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित करता हूं। हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

# चीन ने लॉन्च किया मिशन चांग ई-6, चांद की धूल और चट्टानों के नमूनों पर रिसर्च की योजना

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन ने चंद्रमा के नमूने एकत्र करने और उन्हें रिसर्च के लिए पृथ्वी पर लाने के लिए चंद्र जांच मिशन शुरू किया है। चीन ने इस अभियान का नाम मिशन चांग ई-6 दिया है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के अनुसार चांग ई-6 मिशन के अंतर्गत चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने इकट्ठा किए जाएंगे। इसके बाद इन नमूनों को पृथ्वी पर लाकर इन पर रिसर्च की जाएगी।

सीएनएसए का कहना है कि मानव चंद्र अन्वेषण के इतिहास में यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। चांग ई-6 को लॉन्ग मार्च-5वाय 8 रॉकेट द्वारा चांद पर ले जाया गया है। इसे हैनान प्रांत के वेनचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार चांग ई-6 में ऑर्बिटर, लैंडर, एसेंडर और री-एंट्री मॉड्यूल के रूप में चार घटक शामिल हैं। इस मिशन के तहत चंद्रमा पर मौजूद धूल और चट्टानों को इकट्ठा किया जाएगा। इसके बाद इन नमूनों को री-एंट्री मॉड्यूल में स्थानांतरित करने के लिए एसेंडर की मदद से ऑर्बिटर में ले जाया जाएगा।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129